● वर्ष-3
● अंक-202
रायपुर, शुक्रवार
05 अप्रैल 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

# समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

पेज-6›› 'बीच' से हटके ओडिशा का ...

# मोदी का ममता पर कड़ा प्रहार, कहा-संदेशखाली के दोषी जिंदगी जेल में काटेंगे

**कूच बिहार।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूच बिहार में कहा कि यह टीएमसी के गुंडे आपको वोट देने से रोकते हैं तो पूरी हिम्मत से खड़े हो जाइए, इस बार चुनाव आयोग बहुत जागरूक है, आपके एक-एक वोट की ताकत वे समझते हैं इसलिए आप निडर होकर वोट करने निकलिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूच बिहार में कहा कि टीएमसी कांग्रेस और लेफ्ट की राजनीति झूठ, भ्रम और अपप्रचार पर टिकी है। इंडी गठबंधन अपने आप में झूठ और भ्रम का प्रत्यक्ष उदाहरण है, यहां टीएमसी, लेफ्ट और कांग्रेस वाले आपस में लड़ते हैं लेकिन दिल्ली में ये एक साथ रहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूच बिहार में कहा कि बंगाल के विकास के लिए यहां भाजपा का मजबूत होना बहुत जरूरी है, भाजपा ही है जो यहां माताओं-बहनों पर होने वाले अत्याचार को रोक सकती है। पूरे देश ने देखा है कि कैसे टीएमसी सरकार ने संदेशखाली के गुनहगारों को बचाने के लिए पूरी ताकत लगा दी। संदेशखाली की महिलाओं के साथ जो हुआ वह टीएमसी के अत्याचार की पराकाष्ठा थी। भाजपा ने संकल्प लिया है कि वह संदेशखाली के दोषियों को सज़ा दिलवाकर ही रहेगा, उन्हें जेल में ही जिंदगी काटनी पड़ेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूच बिहार में कहा कि यह 10 साल में जो विकास हुआ है वह सिर्फ ट्रेलर है। अभी तो मुझे बहुत कुछ करना है, अभी तो हमें देश को, पश्चिम बंगाल को बहुत आगे ले जाना है। मेरे विरोधी कहते हैं मोदी का परिवार नहीं है, मेरे लिए मेरा भारत मेरा परिवार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूच बिहार में कहा कि आजादी के बाद हमारे देश में 6-7 दशक तक लोगों ने सिर्फ और सिर्फ कांग्रेस का मॉडल देखा। पिछले 10 सालों में देश ने पहली बार पूर्ण बहुमत वाली भाजपा सरकार का मॉडल देखा है। आज दुनिया कहती है मजबूत नेता है, दुनिया कहती है मोदी कड़े और बड़े फैसले लेने वाला नेता है। मैं तो विनम्रता से यही कहना चाहता हूं मोदी तो भारत की जनता का बहुत सामान्य सेवक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूच बिहार में सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मैं सबसे पहले बंगाल की मुख्यमंत्री ममता दीदी का आभार व्यक्त करना चाहता हूं क्योंकि 2019 में मैं इसी मैदान में जनसभा करने आया था तब उन्होंने एक बड़ा मंच बीच में बनाकर मैदान छोटा कर दिया था, मैंने तब उनसे कहा था कि जनता आपको जवाब देगी लेकिन आज उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया और मैदान खुला रखा... इसलिए मैं बंगाल सरकार का कोई रुकावट न करने के लिए आभार व्यक्त करता हूं।

## संदेशखाली पीड़ितों का 1% सच भी शर्मनाकः हाईकोर्ट

**कोलकाता।** संदेशखाली की महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा का आरोप लगाने वाले अपने समक्ष रखे गए एक हलफनामे की सामग्री पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि यदि मामला एक प्रतिशत भी सच है, तो यह बिल्कुल शर्मनाक है। अदालत ने पश्चिम बंगाल सरकार को उसके इस दावे पर भी फटकार लगाई कि यह महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित जगह है। संदेशखाली में महिलाओं के खिलाफ हिंसा और भूमि पर कब्जा करने के कथित मामलों की स्वतंत्र जांच की मांग करने वाली दलीलें सुनते हुए, मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम ने टिप्पणी करते हुए कहा कि पूरे जिला प्रशासन और सत्तारूढ़ व्यवस्था को नैतिक जिम्मेदारी निभानी चाहिए। भले ही (हलफनामा) 1त्न भी सच हो, यह बिल्कुल शर्मनाक है। कोर्ट ने कहा कि पश्चिम बंगाल कहता है कि यह महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित है? अगर एक हलफनामा सही साबित होता है तो ये सब ख़त्म हो जाता है। कोर्ट ने याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

# मोदी पर लाठी, जनता पर लाठी चलाने जैसाः साय

**रायपुर / राजनांदगांव।** आज एक बार फिर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजनांदगांव में कांग्रेस को अपने सर पर लाठी मारने की चुनौती दी और कहा की चरणदास महंत और कांग्रेस का मोदी जी के सर पर लाठी मारने की बात कहना वास्तव में छत्तीसगढ़ की जनता के सर पर लाठी मरने जैसा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने गरजते हुए कहा कि कांग्रेस मे हिम्मत है तो वो उनके सर पर पहली लाठी मारे। मुख्यमंत्री ने जनता से ही सवाल करते हुए पूछा कि देश के प्रधानमन्त्री जो 140 करोड़ भारत वासियों के लिए चौबीस घंटे काम कर रहे हैं उनके लिए कांग्रेस का ऐसा बोलना क्या शोभा देता है? मुख्यमंत्री ने कहा की आज ये कांग्रेसी हमारे मोदी जी को फिर गाली दे रहे हैं । कभी इन्होने उन्हें चौकीदार चोर है कहा तो कभी मौत का सौदागर कहा। अब चरणदास महंत कह रहे हैं की भूपेश बघेल और देवेन्द्र यादव मोदी जी को लाठी से मार सकते हैं । भूपेश बघेल को आड़े हाथों लेते हुए विष्णु देव साय ने कहा कि पिछले 5 साल के अपनी सरकार में बघेल ने केवल जनता को ठगने का काम किया। बड़े-बड़े छत्तीस वादे करके आई कांग्रेस की सरकार एक भी वादा पूरा नहीं कर पाई ।ऐसी धोखेबाज भूपेश सरकार को जनता ने विधानसभा चुनाव में उखाड़ फेका और अब लोकसभा चुनाव में भी ऐसे लोगों को जनता ही सबक सिखाएगी ।

मुख्यमंत्री साय ने कहा की कांग्रेस के राज में कोयले में पच्चीस रूपए टन भूपेश टैक्स लगता था। शराब के दो काउंटर थे एक सरकार के पास और दूसरा सोनिया-राहुल के पास था। पूरी कांग्रेस शराब के पैसे से चलती थी। भूपेश बघेल ने तो देवों के देव महादेव को भी नहीं छोड़ा और महादेव एप के नाम से सट्टा कारोबार को संरक्षण दे कर प्रदेश के युवाओं और माता-बहनों को सट्टे की लत लगवाने का नैतिक अपराध किया। आज गूगल में भी 508 का मतलब महादेव सट्टा एप में भूपेश के कारनामे बताता है। मुख्यमंत्री ने कहा की डी एम एफ से लेकर नरवा, घुरवा, बाड़ी तक भ्रष्टाचार किया गया ।भूपेश सरकार गोबर तक खा गई ।यही कारण है की आज बघेल सरकार के नेता और अधिकारी जेल की हवा खा रहे हैं । विष्णु देव साय ने अपने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा की आज 3 महीने 20 दिन उनकी सरकार को हुए हैं । उनकी सरकार ने मोदी की गारंटी के बड़े बड़े वादे पुरे किये हैं । शपथ लेने के दुसरे ही दिन 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति उन्होंने दी ।12 लाख किसानों का 2 साल का बकाया बोनस दिया ।पी एस सी घोटाले की जांच सी बी आई को सौंपा और 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीद कर 3100 रूपए क्विंटल धान की कीमत दी ।श्री साय ने कहा की न केवल समर्थन मूल्य के अंतर की राशि एकमुश्त उनकी सरकार ने किसानों के खाते में ट्रान्सफर किये वरन महिना शक्ति के लिए लागू उनकी योजना महतारी वंदन के दुसरे महीने की राशि भी उनके खातों में ट्रान्सफर कर दी है। श्री साय ने श्री रामलला दर्शन योजना की याद दिलाते हुए जनता से कहा की उनकी सरकार राम भक्तों को भांचा राम से मिलाने का काम कर रही है ।सब काम सांय सांय हो रहा है, यही कारण है की जनता कांग्रेस को बाय बाय कह रही है ।मुख्यमंत्री ने प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी मोदी की तारीफ़ करते हुए कहा की उनकी सरकार गरीबों के लिए समर्पित है । उन्होंने पहले 5 वर्ष सिर्फ गरीबों के लिए काम किया और पूरे दस साल के शासन में मोदी जी ने देश के गांव, गरीब, किसान, मजदूर सबको समृद्ध बनाया। इसलिए आप सभी से मैं अशीर्वाद मांगने आया हूँ कि मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए राजनांदगांव लोकसभा से भाई संतोष पांडेय को सांसद बनाकर दिल्ली भेजें और प्रदेश की पूरी 11 की 11 सीटें भाजपा की झोली में डालें।

## लोकोक्ति को भाजपा ने गलत समझा, प्रधानमंत्री का पूरा आदर

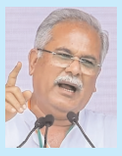



नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत के बयान पर भाजपा की प्रतिक्रिया पर पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस से राजनांदगांव के लोकसभा प्रत्याशी भूपेश बघेल का बयान आया है. उन्होंने कहा कि भाजपा के नेताओं ने गलत समझा, क्योंकि वे छत्तीसगढ़ी लोकोक्ति को ठीक तरह से समझ नहीं पाए. बघेल ने कहा कि जो कुछ नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने कहा वह छत्तीसगढ़ी भाषा के मुहावरे में कही गई बात है. लोकोक्तियों से समृद्ध छत्तीसगढ़ी भाषा को जानने समझने वाला और छत्तीसगढ़ी लोक जीवन से जुड़ा हर व्यक्ति इसे जानता है. उनका आशय घमंड तोड़ने से था. भूपेश बघेल ने कहा कि इस मुहावरे को भाजपा के नेता नहीं समझ सकते क्योंकि वे छत्तीसगढ़ी भाषा संस्कृति को नहीं समझते. बघेल ने कहा कि किंतु इस तथ्य के बावजूद महंत ने विनम्रता से कहा है कि अगर इसका गलत अर्थ निकाला गया है तो वे खेद व्यक्त करते हैं. इस खेद प्रकाश के बाद यह विवाद ख़त्म हो जाना चाहिए. उन्होंने कहा है, हम महात्मा गांधी की पार्टी के लोग हैं. हम हिंसा पर न भरोसा करते हैं न हिंसा हमारी सोच का हिस्सा है. हम अहिंसक विचारधारा के लोग हैं.

**मोदी के सामने फिर बोले नीतीश**

# अब हम कभी अलग नहीं होंगे

**जमुई।** बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जिन्होंने हाल ही में पूर्व सहयोगी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होने के लिए यू टर्न लिया था, ने गुरुवार को कहा कि वह गठबंधन के साथ स्थायी रूप से बने रहेंगे। जमुई में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंच पर थे, नीतीश कुमार ने कहा कि वो तो झूठ-मूठ का हम बीच में एक बार साथ कर लेते थे तो आज वो बात करता है, लेकिन जब मैंने देखा कि वो गलत कर रहे हैं तो मैंने उन्हें (राजद) छोड़ दिया। और हम अब हमेशा के लिए एक साथ हैं। अब कभी इधर उधर नहीं होने वाले हैं। कुमार ने पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की सराहना करते हुए कहा कि जब से वह सत्ता में आई है हिंदू-मुस्लिम दंगे बंद हो गए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी 10 साल से केंद्र सरकार में हैं और उन्होंने बिहार और देश के लिए बहुत काम किया है। जब से हमने सत्ता संभाली है, हिंदू-मुस्लिम दंगे बंद हो गए हैं, मैं मुस्लिम समुदाय से अपील करना चाहता हूं कि अगर आपने गलती से उन्हें (विपक्ष) वोट दिया, तो वो दंगे फिर से शुरू हो जाएंगे। बिहार के पूर्व सीएम कर्पूरी ठाकुर को दिए गए भारत रत्न पुरस्कार पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, आपने (पीएम मोदी) बहुत काम किया है। आपने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिया जो हमारी मांग रही है, लोग इसे नहीं भूलेंगे।

# फडणवीस के कट्टर प्रतिद्वंद्वी की होगी भाजपा में वापसी!

**मुंबई।** एनसीपी शरद पवार गुट के वरिष्ठ नेता एकनाथ खडसे लोकसभा चुनाव से पहले अपनी मूल पार्टी बीजेपी में लौटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। बीजेपी उत्तरी महाराष्ट्र के अपने गढ़ में आंतरिक चुनौतियों से निपटने के लिए संघर्ष कर रही है। संघ परिवार में 40 वर्षों के बाद उन्होंने जनसंघ से शुरुआत की और भाजपा के संस्थापक नेताओं में से एक थे। खडसे ने अक्टूबर 2020 में पार्टी छोड़ दी थी और तत्कालीन एकजुट एनसीपी में शामिल हो गए थे। वह वर्तमान में एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के एमएलसी हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या वह भाजपा में वापस जा रहे हैं, खडसे ने कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि मैं सभी से सलाह-मशविरा करने के बाद उचित निर्णय लूंगा। कुछ पहलू हैं जिन पर विचार करने की आवश्यकता है। यह स्पष्ट रूप से इस तथ्य पर एक संकेत था कि राज्य भाजपा नेतृत्व, विशेष रूप से उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, खडसे की वापसी के लिए तैयार होने की संभावना नहीं है। भाजपा के उच्च पदस्थ सूत्रों ने स्वीकार किया कि यह केंद्रीय नेतृत्व ही था जो खडसे तक पहुंचा और चाहता था कि लोकसभा चुनाव से पहले बदलाव हो, जहां पार्टी को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

**प्रमुख समाचार**

## पहली बार राज्यसभा सांसद बनीं सोनिया गांधी

**नई दिल्ली।** कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने गुरुवार को राजस्थान से पहली बार राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ ली, यह सीट पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के 3 अप्रैल को अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद खाली हो गई। यह आगामी लोकसभा चुनाव से कुछ दिन पहले आया है जो सात चरणों में होने वाला है। सदन के नेता पीयूष गोयल और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे की मौजूदगी में सोनिया गांधी ने राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ ली। उनकी बेटी प्रियंका गांधी वाद्रा, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश और महासचिव पी सी मोदी भी मौजूद थे। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लोकसभा में 25 साल पूरे करने के बाद उच्च सदन में नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा कि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी को आज राज्यसभा में शपथ लेकर अपनी नई पारी शुरू करने पर मेरी शुभकामनाएं। प्रतिकूल परिस्थितियों और उथल-पुथल के मद्देनजर उनका साहसी लचीलापन और गरिमामय अनुग्रह हमारी संसदीय रणनीति का मार्गदर्शन करता रहेगा।

## कांग्रेसी खो चुके मानसिक संतुलनः सुधांशु त्रिवेदी

**नई दिल्ली/रायपुर।** छत्तीसगढ़ के नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत के लाठी चलाने की बात अब दिल्ली तक पहुंच गई है। चरणदास महंत ने जिस तरीके से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदर्भ में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, उसे मानसिक संतुलन खोने का खिताब देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि मोहब्बत की दुकान से ये कौन-कौन से फरमान निकल रहे हैं? सुधांशु त्रिवेदी ने दिल्ली में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि आपके संज्ञान में यह तथ्य निश्चित रूप से आया होगा कि छत्तीसगढ़ में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने हम सबके प्रिय प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी के प्रति एक बार पुनः वैसे ही घटिया और आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया है, जो निरंतर कांग्रेस कहती चली जा रही है। प्रधानमंत्री जी के प्रति जो ईर्ष्या है, जो द्वेष है, उसके कारण से आ रहे ऐसे बयान निश्चित रूप से भारत की राजनीति के लिए बहुत दुखद संकेत है। सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा कि चरणदास महंत ने सार्वजनिक मंच पर कहा कि मोदी जी से मुकाबला करने के लिए एक ऐसा व्यक्ति चाहिए जो लाठी मारकर उनका सर फोड़ सके।

## आज दुनिया में बनी भारत की नई पहचानः नड्डा

**उत्तराखंड।** भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार को उत्तराखंड के लोगों से राज्य की सभी पांच लोकसभा सीटें फिर से भाजपा को देने के लिए कहा, ताकि नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधान मंत्री के रूप में लौटने में मदद मिल सके और भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाया जा सके। नड्डा ने उत्तराखंड में अल्मोडा लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अजय टम्टा के समर्थन में अपनी पहली चुनावी सभा में कहा, यह आपकी राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आज जब हम चुनाव की बेला में जा रहे हैं, तो हमें ये याद रखना चाहिए कि वीरों को न्याय दिलाने और 40 साल से कांग्रेस द्वारा दिये जा रहे धोखे से न्याय दिलाने यानी ओआरओपी का काम प्रधानमंत्री मोदी जी के द्वारा किया गया। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने कहा कि इस शताब्दी का तीसरा दशक, उत्तराखंड के विकास का दशक होगा। मुझे खुशी है कि आज प्रधानमंत्री द्वारा कही गई ये बातें धरती पर दिख रही हैं और विकास की नई गंगा बह रही है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में एक तरफ वो लोग हैं, जिन्होंने उत्तराखंड के दर्द को समझा है, जिन्होंने उत्तराखंड को आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी.

## मोदी ने आरटीआई को भी अपने गठबंधन में जोड़ लियाः स्टालिन

**नई दिल्ली।** लोकसभा चुनाव शुरू होने में कुछ ही हफ्ते बचे हैं भारत और श्रीलंका के बीच पाक जलडमरूमध्य में एक छोटा सा द्वीप तमिलनाडु में एक फ्लैशप्वाइंट बन गया है, जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने पदचिह्नों का विस्तार करने की कोशिश कर रही है। इस बीच, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस मुद्दे पर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष किया और कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर (आईटी) के बाद, प्रधान मंत्री ने आरटीआई को भी अपने गठबंधन में जोड़ा है। स्टालिन ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर (आईटी) के बाद, उन्होंने आरटीआई को भी अपने गठबंधन में शामिल कर लिया है। चूंकि (पीएम) मोदी जानते हैं कि अगर वह कुछ भी कहेंगे तो लोग विश्वास नहीं करेंगे, इसलिए वह आरटीआई का इस्तेमाल नौटंकी के लिए कर रहे हैं। द्रमुक प्रमुख ने पीएम मोदी पर कच्चातिवू मुद्दे पर नाटक करने और कहानियां पेश करने का भी आरोप लगाया, उन्होंने इस मुद्दे पर केंद्र के आरटीआई खुलासे को %गलत जानकारी% बताया। स्टालिन की यह टिप्पणी तब आई जब पीएम मोदी ने पिछले हफ्ते सूचना के अधिकार (आरटीआई) रिपोर्ट के बाद कच्चाथीवू द्वीप विवाद पर कांग्रेस की आलोचना की.

## सबसे कठिन क्विज के फाइनल में कोलकाता का युवक

**लंदन।** कम्प्यूटेशनल विज्ञान में स्नातक, कोलकाता के एक युवक की टीम ने ब्रिटेन में टेलीविजन के "सबसे कठिन" माने जाने वाले क्विज टूर्नामेंट के अंतिम चरण में जगह बनाई है। सौरजीत देबनाथ (31) इंपीरियल कॉलेज लंदन की चार सदस्यीय टीम में शामिल होंगे। बीबीसी के 'यूनिवर्सिटी चैलेंज' ग्रैंड फाइनल में यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल) के साथ इस टीम का आमना सामना होगा। कार्यक्रम का प्रसारण सोमवार को किया जाएगा। इस सप्ताह शो से प्रसारित होने वाले क्लिप में लाल और काले रंग का कुर्ता पहने देबनाथ को बाफ्टा-विजेता वीडियो गेम से जुड़े मुश्किल सवालों का जवाब देते देखा जा सकता है। देबनाथ ने कहा, "इस ब्रिटिश संस्थान के इतिहास का हिस्सा बनने का मौका पाकर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं।" देबनाथ ने इंपीरियल कॉलेज लंदन में पृथ्वी विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग में एप्लाइड कम्प्यूटेशनल साइंस और इंजीनियरिंग में मास्टर की डिग्री ली है। भारत में वह यू आर राव अंतरिक्ष केंद्र में वैज्ञानिक थे, जहां उन्होंने भारत के चंद्र लैंडर, रोवर मिशन चंद्रयान-2 समेत अन्य अंतरिक्ष यान पर काम किया।

# खुले दरवाजे की नीति आखिर क्यों?, आखिर कैसे 400 सीटों का आंकड़ा

**हरीश गुप्ता**

भाजपा नेतृत्व ने अपने लिए 370 और एनडीए के लिए 400 लोकसभा सीटों का आंकड़ा पार करने का लक्ष्य भले ही रखा हो, लेकिन जमीनी हालात को देखते हुए कोई भी स्वतंत्र राजनीतिक पर्यवेक्षक इतने बड़े दावे को स्वीकार करने को तैयार नहीं था। यहां तक कि प्रामाणिक चुनाव विश्लेषक भी हैरान रह गए थे जब प्रधानमंत्री ने 5 फरवरी को लोकसभा में एक बहस के दौरान यह बात कही। इसमें कोई संदेह नहीं कि जब जनता दल (यू) के नेता नीतीश कुमार यू-टर्न लेकर एनडीए में फिर से शामिल हो गए तो भाजपा के लिए यह एक उपलब्धि थी, जिससे इंडिया गठबंधन को करारा झटका लगा।

अन्य छोटे दलों में भी एनडीए में शामिल होने के लिए लाइन लग गई। फिर भी यह पर्याप्त नहीं था। नेतृत्व को उस समय झटका लगा, जब आरएसएस ने देश की स्थिति पर किए गए एक गोपनीय देशव्यापी सर्वेक्षण को साझा किया। पिछले साल किए गए सर्वेक्षण में भाजपा को ग्रामीण भारत में बढ़ते दबाव और शहरों में बढ़ती बेरोजगारी के बारे में आगाह किया गया था जिससे कई लोग गांवों में वापस जाने के लिए मजबूर हो गए थे। इसमें कोई शक नहीं कि भाजपा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से गरीबों को मदद मिली है लेकिन काम अभी भी शेष है।

अगर आरएसएस के करीबी सूत्रों की मानें तो उसने कहा कि भाजपा को मामूली बहुमत मिल सकता है। बताया जाता है कि इस रिपोर्ट के बाद ही बहुआयामी रणनीति बनाई गई। एक 'खुले दरवाजे' की नीति अपनाई गई, अन्य दलों से आए नए लोगों को टिकट दिए गए और विपक्षी नेताओं को बेनकाब करने के लिए भ्रष्टाचार के खिलाफ एक पूर्ण अभियान शुरू किया गया। इस हताशा का एक संकेत ओडिशा में देखा गया जहां भाजपा सत्तारूढ़ बीजद को अपने पाले में लाना चाहती थी जो पहले से ही भगवा पार्टी का समर्थन कर रही थी। जो लगभग सौ भाजपा सांसद पार्टी का टिकट नहीं मिलने से नाराज थे, उन्हें अब एक और झटका लगा है। हालांकि उनमें से कुछ ने अन्यत्र मौका पाने के लिए पार्टी छोड़ दी, उनमें से अधिकांश पार्टी में रहकर ही इंतजार कर रहे थे।

पार्टी आलाकमान ने उनमें से कई से संपर्क किया और कहा कि उन्हें पार्टी के लिए काम करना है और टिकट नहीं मिलना उनके राजनीतिक करियर का अंत नहीं है।

भाजपा नेतृत्व ने 2024 के चुनावों में विपक्षी नेताओं की हार सुनिश्चित करने के लिए कुछ लोकसभा सीटों को लक्षित किया है। 2019 में उसने राहुल गांधी और शिबू सोरेन की हार सुनिश्चित करने के लिए यूपी में अमेठी और झारखंड में दुमका को निशाना बनाया था। इस बार भाजपा नेतृत्व के रडार पर रायबरेली (यूपी), छिंदवाड़ा (एमपी), बेंगलुरु ग्रामीण (कर्नाटक), बारामती (महाराष्ट्र) और आसनसोल (पश्चिम बंगाल) हैं। पीएम मोदी के साथ दोस्ताना संबंध रखने वाले कमलनाथ की विरासत की हार सुनिश्चित करने के लिए भाजपा छिंदवाड़ा सीट अपनी झोली में डालना चाहती है।

इससे चुनाव के बाद नकुलनाथ की भाजपा में एंट्री का रास्ता साफ हो जाएगा। इसी तरह, भाजपा रायबरेली जीतना चाहती है। उसने अभी तक अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है और इस इंतजार में है कि कांग्रेस इस सीट से प्रियंका गांधी वाड्रा को मैदान में उतारेगी। बेंगलुरु ग्रामीण में भाजपा उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के भाई डीके सुरेश को हराना चाहती है।

बारामती में भाजपा शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले को हराने और अजित पवार की पूरी मदद करने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंकने को तैयार है। भाजपा नेतृत्व शत्रुघ्न सिन्हा की हार सुनिश्चित करने के लिए आसनसोल छीनना चाहता है। ऐसे संकेत हैं कि पार्टी कठिन सीटें जीतने के लिए जाने जाने वाले एसएस अहलूवालिया को मैदान में उतार सकती है। 16वीं लोकसभा में उन्होंने दार्जिलिंग जीता तो 2019 में बर्धमान दुर्गापुर से जीत हासिल की थी।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यह कहकर भले ही कुछ प्रशंसा अर्जित की हो कि उन्होंने चुनाव लड़ने से इसलिए इनकार कर दिया क्योंकि उनके पास लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए आवश्यक धन नहीं है, लेकिन इस टिप्पणी ने पार्टी के कई नेताओं को परेशान कर दिया, जिन्हें लगा कि उन्होंने दूसरों को असहज स्थिति में डाल दिया है।

# मतदान दिवस और मतदान के एक दिन पूर्व प्रिंट मीडिया में प्रकाशित विज्ञापनों का कराना होगा पूर्व प्रमाणीकरण

**बलरामपुर।** भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन-2024 में इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के साथ ही प्रिंट मीडिया में भ्रामक प्रकृति के विज्ञापनों के प्रकाशन को रोकने के संबंध में व्यापक दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। इसके तहत् इसके तहत् लोकसभा निर्वाचन के दौरान मतदान दिवस और उसके एक दिन पूर्व प्रिंट मीडिया में प्रकाशित होने वाले राजनीतिक विज्ञापनों का पूर्व प्रमाणीकरण आवश्यक है।




छत्तीसगढ़ में लोकसभा निर्वाचन-2024 अंतर्गत तीनों चरणों के मतदान दिवस और उसके एक दिन पूर्व प्रकाशित होने वाले विज्ञापनों के लिए यह अनिवार्य होगा। आयोग के निर्देशानुसार प्रथम चरण में 18 और 19 अप्रैल, दूसरे चरण में 25 और 26 अप्रैल तथा तीसरे चरण में 6 और 7 मई को प्रिंट मीडिया में राजनीतिक विज्ञापनों के प्रकाशन के पूर्व जिला अथवा राज्य स्तरीय मीडिया प्रमाणन समिति से विज्ञापनों का पूर्व प्रमाणन अनिवार्य किया गया है। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग ने राज्य स्तरीय तथा जिला स्तरीय मीडिया प्रमाणन समिति को प्रमाणन हेतु प्राप्त आवेदन पर त्वरित निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। साथ ही स्पष्ट किया है कि आवेदनकर्ताओं द्वारा ऐसे विज्ञापन के प्रस्तावित प्रकाशन दिनांक से कम से कम दो दिवस पूर्व मीडिया प्रमाणन समिति को आवेदन प्रस्तुत किए जाने चाहिए। मतदान दिवस के पूर्व एवं मतदान तिथि को प्रिंट मीडिया में भ्रामक प्रकृति के विज्ञापनों के प्रकाशन के बाद वे दल अथवा प्रत्याशी जो इससे प्रभावित होते हैं, उनके पास किसी भी प्रकार की सफाई अथवा खंडन का अवसर नहीं होता। ऐसे में स्वतंत्र, पारदर्शी और निष्पक्ष निर्वाचन के लिए मतदान दिवस के एक दिन पहले और मतदान तिथि को राजनीतिक विज्ञापनों के प्रकाशन के पूर्व विज्ञापनों का पूर्व प्रमाणन आवश्यक है।

### जांच के दौरान पुलिस ने 10 लाख रुपये की चांदी जब्त की

**रायपुर।** आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए रायपुर पुलिस की लगातार चेकिंग अभियान जारी है। शहर के चौक-चौराहों और नाकाबंदी करके चेकिंग की जा रही है। इसी क्रम में चेकिंग के दौरान एक कार को रुकवाया गया, जिसमें 20 किलोग्राम चांदी पाया गया। इस दौरान पुलिस ने 10 लाख रुपये की चांदी के जेवर जब्त किया है।

दरअसल, थाना मौदहापारा के सामने थाना पुलिस की ओर से तीन मार्च को वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक कार को चेक किया गया। कार में चांदी के जेवर रखा होना पाया गया। पुलिस ने कार में सवार व्यक्ति से चांदी के संबंध में पूछताछ करने और परिवहन करने के संबंध में वैध दस्तावेज की मांग की।

इस दौरान उसने किसी प्रकार का दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया। इस पर पुलिस व्यक्ति के कब्जे से 20 किलोग्राम चांदी के जेवर जब्त की है। इसकी कीमती लगभग 10 लाख रुपये है। थाना मौदहापारा में चांदी को जब्त कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। बता दें कि रायपुर में कई जगहों पर स्पेशल चेकिंग भी की जा रही है। अपराधों की रोकथाम सहित आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सुरक्षा और कानून व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए एसएसपी संतोष कुमार सिंह के निर्देशानुसार रायपुर जिला के सभी थाना क्षेत्रों में सभी प्रकार के वाहनों सहित संदिग्ध व्यक्तियों की लगातार चेकिंग की जा रही है।

# छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, श्रम निरीक्षक का तबादला आदेश किया निरस्त

## 61 वर्ष की उम्र में ट्रांसफर करना अनुचित

**बिलासपुर।** छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने श्रम निरीक्षक के ट्रांसफर आदेश को निरस्त कर दिया है। राज्य शासन के श्रम विभाग ने मुंगेली के श्रम निरीक्षक का ट्रांसफर कांकेर कर दिया था, जिसके खिलाफ श्रम निरीक्षक ने बिलासपुर हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। उन्होंने हाईकोर्ट से अपने ट्रांसफर को रोकने की मांग की थी। याचिका पर सुनवाई पूरी करने के बाद छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने उनके ट्रांसफर आदेश को निरस्त कर दिया है।

बिलासपुर हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि 61 वर्ष की उम्र में ट्रांसफर करना अनुचित है और वह भी तब जब उनके रिटायरमेंट में 1 साल ही बचा है। ऐसे में ट्रांसफर को पूरी तरह से अनुचित करार देते हुए बिलासुपर हाईकोर्ट ने ट्रांसफर आदेश को निरस्त कर दिया है।

कोरबा के ग्राम कर्रानारा पाली में रहने वाले श्रम निरीक्षक गेंदुराम आर्मो मुंगेली जिला में श्रम निरीक्षक के पद पर पदस्थ है। पदस्थापना के दौरान मार्च 2024 में सचिव, छ.ग. शासन, श्रम विभाग ने एक आदेश जारी कर गेंदुराम आर्मो का स्थानांतरण मुंगेली से जिला कांकेर कर दिया। ट्रांसफर आदेश से परेशान गेंदुराम आर्मो ने अपने वकील के जरिए बिलासपुर हाईकोर्ट में याचिका दायर की।

याचिकाकार्ता ने हाईकोर्ट को बताया कि उनकी उम्र 61 साल हो गई है। वह 2025 फरवरी में रिटायर होने वाले है। इस उम्र में अगर उनका ट्रांसफर मुंगेली से कांकेर कर दिया जाएगा, तो उन्हें कई कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा। उनके परिवार के सदस्यों को भी परेशानियां उठानी पड़ेगी। रिटायरमेन्ट के बाद मिलने वाले रिटायरमेंट देयक के संबंध में भरे जाने वाले फार्म और अन्य प्रक्रिया में भी देरी होगी, जिससे उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद रिटायरमेंट देयक हासिल करने में परेशानी होगी। उन्होंने बिलासपुर हाईकोर्ट से अपील किया कि उनका ट्रांसफर न किया जाए। हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद याचिकाकर्ता श्रम निरीक्षक गेंदुराम आर्मो का ट्रांसफर आदेश निरस्त कर दिया है।

# नींबू-मिर्ची की माला पहनकर नामांकन फॉर्म भरने पहुंचे निर्दलीय प्रत्याशी, कुर्ते में लिखा था बोल बम

**राजनांदगांव।** लोकसभा चुनाव के रण में कई रंग दिखाई दे रहे हैं। लोग अपने-अपने अंदाज में इस लोकसभा के रण को जीतने के लिए जुगत लगाए हुए हैं। कई राष्ट्रीय पार्टी की उम्मीदवार दलबल के साथ नामांकन भर रहे हैं, तो कई निर्दलीय प्रत्याशी अलग अंदाज में नामांकन भरने पहुंचकर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहे हैं। आज राजनांदगांव लोकसभा सीट से नामांकन दाखिल करने समोसा बेचने वाले निर्दलीय प्रत्याशी अजय पाली अनोखे अंदाज में पहुंचे। वे अपने गले में नींबू-मिर्ची की माला पहने हुए थे।

राजनंदगांव लोकसभा सीट का चुनाव काफी दिलचस्प नजर आ रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल यहां से कांग्रेस उम्मीदवार है तो वहीं भारतीय जनता पार्टी से संतोष पांडे एक बार फिर इस लोकसभा के रण को जितने जोर आजमाइश कर रहे हैं। वहीं निर्दलीय प्रत्याशी भी इस सीट पर अपनी छाप छोड़ने के लिए कई जुगत लगा रहे हैं। आज अनोखे अंदाज में नामांकन दाखिल करने कवर्धा जिले के निर्दलीय प्रत्याशी अजय पाली पहुंचे। यहां उन्होंने अपने गले में नींबू और मिर्च की माला पहनी हुई थी। वहीं बोल बम के नारे लिखे लाल कुर्ता धारण किया हुआ था। अपने इस अनोखे वेशभूषा को लेकर निर्दलीय प्रत्याशी अजय पाली ने कहा कि हम किसी शुभ काम की शुरुआत करते हैं तो लोगों की नजर से बचाने के लिए नींबू-मिर्ची लगते हैं। इसी सोच को लेकर मैंने भी यहां नींबू और मिर्च की माला पहनी हुई है। उन्होंने कहा कि यह उनका 12 चुनाव है, वह कई चुनाव में अपनी उम्मीदवारी निभा चुके हैं, लेकिन इस बार उन्हें जरूर जीत मिलेगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पार्टियों को मतदाता काफी मौका देते हैं। ऐसे में दूसरे निर्दलीय प्रत्याशियों को भी मौका मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, वे जनता के बीच भी इसी तरह नींबू और मिर्च की माला लटक कर प्रचार-प्रसार में जाएंगे और उनका मुद्दा भुखमरी-बेरोजगारी होगा। नींबू-मिर्च की माला गले में पहन कर अनोखे अंदाज में नामांकन फॉर्म भरने पहुंचे अजय पाली पर सभी की निगाह टिकी रही। उन्होंने अपना नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने के बाद भाजपा-कांग्रेस के प्रत्याशियों को मात देते हुए लगभग 20 हजार वोटों से अपनी जीत की बात कही है।

# भिलाई का आईटी इंजीनियर निकला डिजिटल लुटेरा

■ **एमपी की शिक्षिका से ऑनलाइन लूटे थे 51 लाख**

**भिलाई।** ग्वालियर की रिटायर्ड शिक्षिका के बैंक अकाउंट को हैक कर फ्रॉड करने वाले आरोपी को ग्वालियर पुलिस ने दबोच लिया है। आरोपी दुर्ग जिले के नेहरू नगर में रहता है। जिसका नाम कुणाल जायसवाल है। कुणाल पेशे से आईटी इंजीनियर है। बताया जा रहा है कि ग्वालियर पुलिस अचानक सुपेला थाने पहुंची और पुलिस को सारा मामला समझाया।इसके बाद लोकल पुलिस की मदद से मतदाता सूची अपडेट करने का बहाना बनाकर आईटी इंजीनियर कुणाल जायसवाल के घर में घुसी और उसे दबोच लिया।ग्वालियर पुलिस ने आरोपी को 7 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया है।

ग्वालियर की रिटायर्ड शिक्षिका आशा भटनागर को डिजिटल तरीके से लूटा गया है। 13 मार्च को सीपी कॉलोनी(मुरार) निवासी आशा भटनागर को ऑनलाइन फ्रॉड करने वालों ने मुंबई पुलिस बनकर फोन किया था। मुंबई पुलिस बनकर ठगों ने शिक्षिका से कहा कि उनके नाम से काफी सारे सिम खरीदे गए हैं। इस सिम से बच्चियों को गंदे मैसेज भेजकर प्रताड़ित किया है। इसलिए मुंबई पुलिस ने उन पर 24 केस रजिस्टर्ड किए हैं।इस केस में उनकी गिरफ्तारी होगी।

इस तरह के कॉल से शिक्षिका काफी डर गई। गिरफ्तारी से बचने के लिए शिक्षिका ने जैसा जालसाजों ने कहा वैसा किया। शिक्षिका को जालसाजों ने एक मोबाइल एप इंस्टाल करवाया।इसके बाद स्क्रीन शेयर करवाकर पूरा घर सर्च किया। फिर शिक्षिका को जबरन बैंक भेजकर 46 लाख की एफडी तुड़वाई।इसके बाद बैंक अकाउंट में जमा 5 लाख रुपए यानी कुल 51 लाख रुपयों को अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करवा लिया। जब शिक्षिका ने पैसा ट्रांसफर करने के बाद कॉल किए गए नंबरों पर संपर्क किया तो सभी नंबर बंद आए।ठगी होने का अहसास होने पर शिक्षिका ने ये बात अपने परिजनों को बताई।

# जल जीवन मिशन को अधिकारियों और ठेकेदारों ने बनाया कमाई का जरिया

■ **कनेक्शन मिला लेकिन पानी नहीं, सड़क भी खोदकर छोड़ी, अब गिरते जलस्तर से गहराई समस्या**

**मुंगेली।** जल जीवन मिशन योजना के तहत केंद्र और राज्य सरकार गांवों में नल-और जल का कनेक्शन देने के लिए पानी की तरह पैसा बहा रही है। लेकिन विभाग के कुछ अधिकारी और ठेकेदारों इस योजना को कमाई का जरिया बना लिया है। यह बात हम नहीं बल्कि जल जीवन मिशन योजना को लेकर शिकायत करने कलेक्ट्रेट पहुंच रहे ग्रामीण कह रहे हैं। ऐसा ही एक मामला मुंगेली के छतौना पंचायत से सामने आया है। यहां के ग्रामीणों ने मुंगेली कलेक्टर को शिकायत कर कहा है कि गांव में पिछले 1 साल से पानी टंकी का निर्माण किया गया है। जिसे करीब 6 महीने पहले चेक करने के लिए चालू किया गया था। तब भारी मात्रा में पानी लिकेज हुआ। फिर ठेकेदार द्वारा रिपेयरिंग करके टंकी को उसी हाल में छोड़ दिया गया।

आलम ये है कि उस पानी टंकी से आज तक पानी सप्लाई शुरू नहीं किया गया है इसके अलावा गांव के अधिकतर घरो में पानी सप्लाई के लिए कनेक्शन नहीं दिया गया है। इसके विपरित कनेक्शन देने के नाम पर सड़क को बीच से खोद कर ऐसे ही खुला छोड़ दिया गया है। जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। शिकायत में ये भी उल्लेख है कि इस भयंकर गर्मी में जलस्तर कम होने से पानी की समस्या बनी हुई है। जबकि गांव के करीब आधा दर्जन हैंडपंप ऐसे हैं जिससे पानी ही नहीं आ रहा है। जिससे गांव में पानी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है।

ग्रामीणों ने अपनी शिकायत में ये भी कहा है कि गांव में पानी टंकी का जो निर्माण किया गया है उस पर गुणवत्ता को ताक पर रखकर काम कराया गया है। इसके साथ ही जो पाइप कनेक्शन बिछाया गया है उसकी क्वॉलिटी पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। वहीं शिकायतकर्ताओं का कहना है कि अभी कई घरों में कनेक्शन भी नहीं बिछाया गया है। अब ये पानी टंकी सफेद हाथी प्रतीत हो रहा है।

**छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार**

## 31 कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी

**जांजगीर-चांपा।** लोकसभा चुनाव को लेकर निर्वाचन अधिकारी तैयारी में जुटे हुए हैं। वहीं जांजगीर-चांपा जिले में निर्वाचन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 31 कर्मचारी अनुपस्थित रहें। इन सभी को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देश पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जानकारी के अनुसार, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आकाश छिकारा के निर्देशन में लोकसभा चुनाव 2024 अंतर्गत पीठासीन अधिकारियों पर मतदान दल का प्रथम प्रशिक्षण 01 से 04 अप्रैल तक आयोजित किया जा रहा है। वहीं 3 अप्रैल को आयोजित मतदान दल के प्रशिक्षण में 31 अनुपस्थित कर्मचारी पाए गए। प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देश पर स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय क्रमांक 01 जांजगीर में 14, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय अकलतरा में 07 और स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय सारागांव में 10 कर्मचारी पाए गए।

## जिले में 12 मेडिकल स्टोर्स का लाइसेंस हुआ निरस्त

**जांजगीर-चाम्पा।** जिले के 12 मेडिकल स्टोर का लाइसेंस रद्द कर दिया गया है। खाद्य एवं औषधि विभाग ने छापामार कार्रवाई के दौरान इन सभी मेडिकल स्टोर में भारी अनियमितता के साथ निट्रोसन टैबलेट का अवैध कारोबार करते हुए पाया था। सहायक औषधि नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने अकलतरा बकाल के विश्वास मेडिकल स्टोर को 15 दिन, बम्हनीडीह ब्लॉक के समर्थन मेडिकोज, बलौदा ब्लॉक के दिशा मेडिकल स्टोर, नवागढ़ ब्लॉक के मेडिकल जोन को 10-10 दिनों और जैजैपुर ब्लॉक के आशीर्वाद मेडिकल स्टोर, पामगढ़ ब्लॉक के विवेक मेडिकल स्टोर, बम्हनीडीह ब्लॉक के चंद्र प्रकाश मेडिकल स्टोर को 5-5 दिनों और अकलतरा ब्लॉक के अरोरा मेडिकल स्टोर को 7 दिन, मयंक मेडिकल स्टोर, ? मेडिकल स्टोर नवागढ़, जमुना मेडिकोज अकलतरा और जानकी मेडिकल स्टोर जैजैपुर का लाइसेंस 3-3 दिनों के लिए निरस्त किया है। इसके अलावा बम्हनीडीह ब्लॉक के धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर बम्हनीडीह का लाइसेंस 5 दिनों के लिए रद्द कर दिया है।

## हेमचंद यादव विवि ने बीए बीएससी और एमए की परीक्षा तिथि में किया बदलाव

**दुर्ग।** हेमचंद यादव विश्वविद्यालय ने लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए 25 से लेकर 27 अप्रैल के बीच होने वाली बीए, बीएससी और एमए की परीक्षा की तिथि में बदलाव किया गया है। अब 25, 26 और 27 अप्रैल को होने वाली परीक्षाएं 29 अप्रैल और एक व दो मई को होगी। परीक्षा तिथि आगे बढ़ाने का कारण राजनांदगांव लोकसभा सीट पर दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होना बताया जा रहा है। उक्त जानकारी विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा.प्रशांत श्रीवास्तव ने दी।

## आठ साल की बच्ची के पेट में फंसा आलपिन

**जशपुर।** छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले से आने वाली आठ साल की मासूम ने गलती से खुला हुआ आलपिन निगल ली। इससे मासूम पेट दर्द से परेशान थी। इस दौरान स्थानीय अस्पतालों में इलाज करवाया गया। एक्सरे से पता चल पाया कि बच्ची के पेट में आलपिन फसा हुआ है। आर्थिक तंगी की वजह से किसी बड़े अस्पताल में ऑपरेशन करवाना संभाव नहीं था। इस दौरान बच्ची के परिजन ने बगिया में स्थित सीएम कैंप में इलाज के लिए बगिया स्थित सीएम कैंप में गुहार लगाई। आठ साल की संध्या राउत की गंभीर स्थिति को देखते हुए,सीएम कैंप ने तत्काल स्वास्थ्य विभाग से संपर्क कर, उपचार के लिए रायपुर के डीकेएस सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में व्यवस्था की। यहां चिकित्सकों ने पीड़ित संध्या की जांच करने के बाद, पेट का ऑपरेशन कर,अतड़ी में फंसे हुए पिन को बाहर निकाला है और उसे नया जीवनदान दिया है। समुचित इलाज कराकर वापस घर लौट आई हैं। नेक पहल के लिए परिजन ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार जताया है।

## गेवरा खदान से डीजल चोरी करने वाले छह गिरफ्तार

**कोरबा।** दीपका के गेवरा खदान में एसईसीएल से शिकायत मिलने के बाद छह डीजल चोरों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के कब्जे से कैंपर वाहन व दो ड्रमों में भरा 400 सौ लीटर डीजल बरामद किया गया है। इसकी कीमत 40 हजार रुपये बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि लगातार खदान में डीजल चोरी की घटना सामने आ रही हैं। इसी के चलते पुलिस ने ये कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार, पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी काफी से चोर गिरोह खदाम में डीजल की चोरी कर रहा है। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कौशल कुमार (26), दुर्गश कुमार (19), भूपेंद्र कश्यप (24), प्यारे सिंह (38), प्रदीप भगत (36) और संतोष कुमार (29) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी करने वाला वाहन और डीजल भी बरामद किया है। बता दें कि एसईसीएल की मेगा परियोजना गेवरा, कुसमुंडा और दीपका में खदानों की सुरक्षा के लिए बड़ी संख्या में जवान खदानों को सुरक्षा देते हैं। बावजूद इसके डीजल चोर निरंकुश हैं।

# सरगुजा सीट पर इस बार हार और जीत की कड़ी बनेंगी महिला वोटर

**सरगुजा।** एक वक्त था जब महिला वोटर किसको वोट देंगी ये तय घर का मुखिया करता था। घर का मुखिया जिसे कह देता था महिलाएं उसे वोट दे आती थीं। सामाजिक हाशिए पर चल रही महिलाएं अब साक्षर और सशक्त हो चुकी हैं। महिला मतदाताओं की अहमियत अब नेताजी भी जानते और समझते हैं। महिलाएं अब सरकार बनाती भी हैं और अपने वोटों से सरकार हटाती भी हैं। छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश का विधानसभा चुनाव इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। महिला वोटर अब राजनीति के केंद्र बिंदु में पहुंच चुकी हैं। महिला वोटरों का पलड़ा जिस ओर झुकता है जीत उसी की होती है।

देश में और अमूमन सभी राज्यों में महिला मतदाताओं की ताकत में लगातार इजाफा होता जा रहा है। महिला वोटरों की बढ़ती संख्या और वोट के प्रति जागरुकता राजनीति में बड़ा बदलाव लेकर आया है। अब घर कि महिलाएं तय करती हैं कि उनके परिवार का वोट किसको जाएगा। राजनीतिक पार्टियों ने भी अपने सेट ट्रेंड को चेंज किया। महिला वोटरों को ध्यान में रखकर चुनावी घोषणा पत्र बनाने शुरु किए। महिलाओं को ध्यान में रखकर राजनीतिक पार्टियों ने योजनाएं बनानी शुरु की। चुनाव आयोग ने भी महिला वोटरों के लिए मतदान के दौरान खास बंदोबस्त किए। राजनीतिक पार्टियां भी जब प्रचार के लिए निकलती हैं तो उनके केंद्र बिंदु में महिलाओं को आकर्षित करने की योजनाएं और वादे होते हैं।

सरगुजा में महिला मतदाताओं की बढ़ती आबादी और उनकी जागरुकता को आज चुनाव आयोग भी सलाम कर रहा है। खुद चुनाव आयोग के आंकड़े बताते हैं कि कैसे महिला वोटरों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। पुरुषों की अपेक्षा महिला वोटर अपने अधिकार को लेकर ज्यादा जागरुक हो रही हैं। महिला वोटरों का झुकाव जिस ओर हो रहा है उस पार्टी की विजय हो रही है।

सालों से आदिवासी अपने हक और हुकूक के लिए संघर्ष करते आए हैं। अपने अधिकार की लड़ाई को लेकर वो हमेशा से जागरुक रहे हैं। सरगुजा लोकसभा सीट पर इस बार महिला वोटर ही हार और जीत का फैक्टर बनेंगी। महिला वोटर जिस ओर जाएंगी जीत उसी की होगी। महिला वोटरों की बढ़ती आबादी ये बताने के लिए काफी है कि इस बार महिलाएं ही तय करेंगी कौन सरगुजा सीट से जीत का सेहरा पहनेगा।

# कबीरधाम के तीन मंजिला दुकान में भीषण आग

■ **करोड़ों का समान जलकर खाक**

**कबीरधाम।** जिले के लोहारा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बिरोड़ा में बुधवार की रात साहू किराना व कपड़ा दुकान में भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही दुकान मालिक, पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। घंटों मशक्कत के बाद आग को काबू किया गया। लेकिन तब तक दुकान में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया था। बताया जा रहा है कि दुकान में शार्ट सर्किट होने की वजह से आग लगी है।

बुधवार की रात तकरीबन 02 बजे साहू किराना और कपड़ा के तीन मंजिला दुकान में आग लग गई। आग ने पूरे तीन मंजिला दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। जब आग की लपटे खिड़की से बाहर आने लगी तब आसपार मौजूद लोगों को आग लगने का पता चला। दुकान पर लगे बोर्ड के मोबाइल नंबर पर दुकान के मालिक और पुलिस व दमकल को फोन कर आगजनी की सूचना दी। आग इतनी भयानक थी कि किसी ने पास जाने की हिम्मत नहीं की।

आगजनी की सूचना मिलते ही पुलिस व फायर बिग्रेड की टीम मौके पर पहुंची। जिसके बाद घंटों मशक्कत के बाद आग को काबू किया गया। लेकिन तब तक दुकान में रखे करोड़ों रुपए के कपड़े, किराना और जरनल सामान जलकर खाक हो चुके थे।

जानकारी के मुताबिक यह दुकान पूरे गांव और इलाके का सबसे बड़ा दुकान था। इस दुकान में कपड़ा, किराना और जरनल समान, होलसेल सामान मिलता था। इस लिहाज से अनुमान लगाया जाए तो आगजनी से दुकानदार को करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है।

कबीरधाम जिले में पिछले दो महीने में लगभग 5-6 आगजनी की घटनाएं समाने आ चुकी है। खासकर फसलों में आगजनी की ज्यादातर घटनाएं सामने आई हैं। दुकान में आग लगने की यह पहली घटना समाने आई है, जिसमें बिरोड़ा निवासी साहू किराना दुकान के मालिक को करोड़ों का नुकसान हुआ है।

## संक्षिप्त समाचार

### पूर्व राज्यसभा सांसद प्रभात झा ने की मुख्यमंत्री साय से मुलाकात

**रायपुर।** भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व राज्यसभा सांसद प्रभात झा ने बीती रात मुख्यमंत्री निवास में सीएम विष्णुदेव साय से मुलाकात की। इस दौरान समसामयिक विषयों पर बातचीत हुई। इसके अलावा लोकसभा चुनाव की रणनीति को लेकर भी चर्चा हुई। इस मौके पर मुख्यमंत्री साय ने उन्हें शाल और बस्तर की कलाकृति देकर सम्मानित किया। प्रभात झा का छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ की मीडिया से गहरा नाता रहा है। वे अविभाजित मध्य प्रदेश के भाजपा मीडिया प्रभारी रह चुके हैं। बाद में मध्य प्रदेश बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के दायित्व का भी निर्वहन कर चुके हैं। भाजपा के मुखपत्र कमल सन्देश के संपादक रहे झा से मुख्यमंत्री साय ने कई पुराने अवसरों की स्मृतियां साझा की।

### एसीबी की बड़ी कार्रवाई, लाखों रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ाया एसडीओ

**खैरागढ़।** जिले में एसीबी की टीम ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की है।एसीबी ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी छुईखदान में छापामार कार्रवाई कर अधिकारी को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। ठेकेदार से बिल पास करवाने के नाम पर अधिकारी पैसे की मांग कर रहा था। बताया जा रहा है कि एसीबी की टीम ने डेढ़ लाख रुपये की रिश्वत के साथ एसडीओ राजेश मडावे को रंगे हाथ पकड़ लिया। प्रार्थी ठेकेदार प्रवीण कुमार तिवारी की शिकायत पर यह कार्रवाई हुई। प्रार्थी ने बताया कि एसडीओ राजेश मडावे कई महीनों से टेंडर के बिल को पास करने के एवज में पैसे की मांग करता था। अंततः परेशान होकर प्रार्थी ने एसीबी में शिकायत की। इसके बाद आज एसीबी ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी छुईखदान पहुंच कर छापामार कार्रवाई करते हुए एसडीओ को गिरफ्तार कर लिया।

### कांग्रेस ने गृहमंत्री शर्मा के खिलाफ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से की शिकायत

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ कांग्रेस के पदाधिकारियों ने गृहमंत्री विजय शर्मा के खिलाफ आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से शिकायत की है। कांग्रेस ने दावा किया है कि गृहमंत्री विजय शर्मा ने अपने नेतृत्व में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया है। इस पर कार्रवाई की मांग करते हुए गृह मंत्री विजय शर्मा को मंत्री पद से बर्खास्त करने की मांग की गई है। कांग्रेस ने शिकायत पत्र में कहा है कि भारत में आदर्श आचार संहिता लागू है। ऐसे में गृहमंत्री विजय शर्मा ने अपने नेतृत्व में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए नेता प्रतिपक्ष डॉ। चरणदास महंत के निवास स्थान में भाजपा ने बंगले के दरवाजा को तोड़कर घुसने का जो प्रयास किया है, वह अत्यंत ही निन्दनीय है। क्योंकि छत्तीसगढ़ की पुलिस उक्त प्रदर्शन के दौरान मूकदर्शक बनकार शांत खड़ी थी। ऐसी स्थिति में स्वय छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री ने विरोध प्रदर्शन कर अपने पद की मार्यदा का घोर उल्लंघन किया है और यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। साथ ही सवाल लिया है कि इस विरोध प्रदर्शन का परमिशन गृहमंत्री ने किस आधिकारी से लिया और आदर्श आचार संहिता के दौरान नेता प्रतिपक्ष के निवास स्थान में विरोध प्रदर्शन के लिए किस आधार पर परमिशन दिया गया। कांग्रेस नेताओं ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से मांग की है कि गृहमंत्री विजय शर्मा के विरूद्ध आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन की कार्रवाई की जाए। साथ ही गृहमंत्री विजय शर्मा को मंत्री पद से बर्खास्त करने की मांग की है।

# बृजमोहन की ऐतिहासिक जीत के लिए भाजपा कार्यकर्ता लामबंद

## जयस्तंभ चौक सहित उत्तर के अलग अलग वार्डों में युवा चौपाल का आयोजन किया गया

**रायपुर।** लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा कार्यकर्ता भरपूर जोश में हैं लोकसभा से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन प्रतिदिन जारी है। रायपुर लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन को जिताने मोर्चा प्रकोष्ठ अलग अलग कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्ग के बीच पहुंच रहे हैं और उन्हें भाजपा के पक्ष मतदान करने प्रेरित कर रहे हैं। इसी कड़ी में भाजपा की युवा इकाई युवा मोर्चा ने शहर के हृदस्थल जयस्तंभ चौक सहित उत्तर के अलग अलग वार्डो में युवा चौपाल का आयोजन किया गया जिसमे भाजयुमो रायपुर लोकसभा के अंतर्गत उत्तर विधानसभा के प्रभारी अर्पित सूर्यवंशी के नेतृत्व में वार्डो में युवा चौपाल लगाकरयुवाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विभिन्न योजनाऐं जिनसे युवाओं को सीधा लाभ पहुंच रहा है से युवाओं को अवगत करवाया।

भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने इस दौरान रायपुर लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल के द्वारा रायपुर में दशकों से किए गए विकास कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रदेश के महामंत्री अंकित जायसवाल, लोकसभा युवा मोर्चा प्रभारी रितेश मोहरे, प्रवक्ता उमेश घोरमोड़े, भाजपा मंडल अध्यक्ष गोरेलाल, संतोष साहू, सुनील कुकरेजा, भरत कुंडे, आशीष आहूजा, शंकर साहू बिट्टू शर्मा, योगी साहू, जितेंद्र साहू, विकास गुप्ता, मनीष यादव सहित उत्तर विधानसभा में निवासरत सभी भाजयुमो पदाधिकारी एवं भाजपा नेता उपस्थित थे।

### चरणदास के हेट स्पीच से नाई समाज नाराज

**दुर्ग।** चरणदास महंत के हेट स्पीच पर सियासी संग्राम जारी है।बीजेपी नेता महंत के बयान पर विरोध जता रहे हैं। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने भी महंत के बयान की निंदा की है। उन्होंने कहा है कि, मैं नाई समाज का हूं। हमारे समाज के लोग महंत के बयान से आहत हैं। अब कोई नाई चरणदास महंत के बाल और दाढ़ी नहीं काटेगा। उनके घर की महिलाएं भी ब्यूटी पार्लर नहीं जा पाएंगी। छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत के पीएम नरेंद्र मोदी को लाठी मारने वाले बयान पर बीजेपी लगातार विरोध जता रही है। वैशाली नगर के बीजेपी विधायक रिकेश सेन ने कहा कि, कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने का काम देश के प्रधानमंत्री ने किया, नाई समाज की चिंता की। भारतीय जनता पार्टी में नाई समाज का पहला विधायक मैं हूं। मोदी जी के व्यक्तित्व पर जिस तरह महंत जी ने बयान दिया है। वो निंदनीय हैं। मैं महंत को बड़ा नेता मानता था। महंत ने कहा कि मोदीजी के सिर पर मार कर चीन भेजना है। यानी कि महंत जी मोदी जी की हत्या करना चाहते हैं?

# संतोष पांडेय ने दाखिल किया नामांकन सीएम समेत कई पदाधिकारी रहे मौजूद

**राजनांदगांव।** राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र से सांसद और भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडेय ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए नामांकन भर दिया है। संतोष पांडेय के नामांकन के दौरान सीएम विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम विजय शर्मा, अरुण साव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव मौजूद रहे।

नामांकन के बाद सीएम विष्णुदेव साय ने संतोष पांडे के लोकसभा चुनाव प्रचंड बहुमत से जीत का दावा किया। सीएम ने कहा- राजनांदगांव लोकसभा सीट से लोकप्रिय नेता संतोष पांडेय ने नामांकन भरा है। संतोष पांडेय राजनांदगाव लोकसभा चुनाव में भारी वोटों से जीतेंगे और एक बार फिर राजनांदगांव के सांसद बनेंगे।

राजनांदगांव लोकसभा सीट में 8 विधानसभा आते हैं। जिसमें राजनांदगांव, डोंगरगढ़, खुज्जी, डोंगरगांव, मोहला मानपुर खैरागढ़, कवर्धा, पंडरिया शामिल है। इन 8 लोकसभा सीटों में 5 सीटों पर कांग्रेस के विधायक हैं। 3 विधानसभा सीटों पर बीजेपी का कब्जा है। विधानसभा सीटों के लिहाज से देखे तो यहां कांग्रेस की बढ़त है।पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह राजनांदगांव से विधायक हैं।

पांच विधानसभा सीटों पर कांग्रेस के कब्जे के बावजूद राजनांदगांव लोकसभा सीट छत्तीसगढ़ गठन के बाद से लगातार बीजेपी के कब्जे में ही रही। लोकसभा चुनाव 2009 में भाजपा के मधुसूदन यादव ने 54.7 प्रतिशत वोटों से जीत दर्ज की और सासंद बने। यादव को 437721 वोट मिले जबकि उनके प्रतिद्वंदी कांग्रेस के देवव्रत सिंह को 318647 वोट मिले और हार का सामना करना पड़ा। साल 2014 लोकसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री और राजनांदगांव विधायक रमन सिंह के बेटे अभिषेक सिंह यहां से चुनाव लड़े और सांसद बने। अभिषेक सिंह को 643473 वोट मिले। कांग्रेस प्रत्याशी कमलेश्वर वर्मा को इस चुनाव में 407562 वोट मिले। इनका वोट प्रतिशत 35।56 प्रतिशत रहा। लोकसभा चुनाव 2019 में भाजपा ने संतोष पांडे को मैदान में उतारा। कांग्रेस ने भोलाराम साहू को उम्मीदवार बनाया। संतोष पांडे को 662387 वोट मिले जबकि कांग्रेस के भोलाराम साहू को 550421 वोट मिले। 8.69 प्रतिशत वोटों के अंतर से भाजपा को जीत मिली। लोकसभा चुनाव 2024 में एक बार फिर भाजपा ने संतोष पांडे पर भरोसा जताते हुए उन्हें ही उम्मीदवार बनाया।

# राष्ट्रीय सचिव हनी बग्गा का एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ से एनएसयूआई के नवनियुक्त राष्ट्रीय सचिव हनी बग्गा का गुरुवार को नई दिल्ली से रायपुर एयरपोर्ट पर आगमन हुआ, जहां एनएसयूआई के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने फूलमाला और ढोल नगाड़े, आतिशबाजी के साथ जोरदार स्वागत किया। इस दौरान राष्ट्रीय सचिव हनी बग्गा राम मंदिर पहुंचकर रामलाल का आशीर्वाद प्राप्त किया एवं पूजा कर प्रदेश कार्यालय राजीव भवन पहुंचे, जहां पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। राजीव भवन में मुख्य रूप से युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा एवं एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे मौजूद थे।

एनएसयूआई के राष्ट्रीय सचिव हनी बग्गा ने कहा, आज मैं 12 वर्षों से छात्र राजनीति में हूं। आज कॉलेज के सचिव से लेकर राष्ट्रीय सचिव का सफर बेहद रोमांचक रहा। बहुत सारी अड़चने आई। बहुत सारी बाधाएँ आई पर मैं संघर्ष करता चला गया और उसी का परिणाम है कि आज मेरे राष्ट्रीय एवं प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व द्वारा मुझे राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। आगे भी राष्ट्रीय सचिव के नाते कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए खून पसीना एक कर दूंगा। उन्होंने कहा आज जिस प्रकार सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने सैकड़ों की तादात में एयरपोर्ट से लेकर हमारे प्रदेश कार्यालय राजीव भवन तक जिस तरीके का स्वागत किया उसके लिए मैं तहे दिल से सभी का धन्यवाद करता हूं। आप सभी को भी यह कहना चाहता हूं कि यदि आप भी मेहनत और लगन से पार्टी में काम करेंगे तो आपको भी आने वाले समय में पार्टी बड़ा मौका देगी। जैसा मुझे दिया है।

# जग्गी हत्याकांड : 27 दोषियों की उम्रकैद की सजा बरकरार

■ **छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने खारिज की अपील**

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने प्रदेश के बहुचर्चित जग्गी हत्या कांड के आरोपियों की सजा बरकरार रखी है। हाईकोर्ट ने चर्चित जग्गी हत्याकांड मामले के तमाम आरोपियों की अपील खारिज कर दी है। चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच ने याचिका खारिज करते हुए उम्र कैद की सजा बरकरार रखी है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में राकांपा नेता रामावतार जग्गी हत्याकांड के 27 आरोपियों की अपील को खारिज कर दिया है । चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस अरविंद वर्मा डिवीजन बेंच ने उनकी आजीवन कारावास की सजा को रखा बरकरार रखा है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा एवं जस्टिस अरविंद कुमार वर्मा की डिवीजन बेंच में राकांपा नेता रामावतार जग्गी हत्याकांड के आरोपियों की अपील पर बीते 29 फरवरी को बहस पूरी हो गई थी। कोर्ट ने फैसले को सुरक्षित रख लिया था। आजीवन कारावास की सजा पाने वालों में दो तत्कालीन सीएसपी और एक तत्कालीन थाना प्रभारी के अलावा याहया ढेबर और शूटर चिमन सिंह शामिल हैं।

पिछले सुनवाई में लगातार बहस के बाद आरोपियों की ओर से अपने तर्क प्रस्तुत किए गए थे। तीसरे दिन सीबीआई के अधिवक्ता ने तर्क प्रस्तुत किया। इसके साथ आरोपियों की ओर से अधिवक्ताओं ने सीबीआई की कार्रवाई का प्रतिपरीक्षण भी किया। कोर्ट ने सभी पक्षों की बहस सुनने के बाद सभी को लिखित में तर्क पेश करने को कहा और फैसले को सुरक्षित कर लिया था। प्रकरण में अमित जोगी के दोषमुक्ति के खिलाफ सतीश जग्गी ने अलग से याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी लंबित होने के कारण छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में इस प्रकरण की सुनवाई रुकी हुई है। उक्त मामले को छोड़कर हाईकोर्ट ने आरोपियों की अपील पर सुनवाई शुरू की है।

### जानें क्या था मामला

छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी के कार्यकाल के समय राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी नेता रामावतार जग्गी की 4 जून 2003 में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उस दौरान हुई इस हत्या से पूरा प्रदेश हिल गया था। विधानसभा चुनाव के दौरान हुई इस हाई प्रोफाइल मर्डर केस की जांच सीबीआई की सौंपी गई थी। इस केस में कुल 31 अभियुक्त बनाए गए थे, जिनमें से दो बल्टू पाठक और सुरेंद्र सिंह सरकारी गवाह बने थे। इस केस में पूर्व सीएम अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को छोड़कर बाकी 28 लोगों को सजा सुनाई गई थी। सभी आरोपियों ने हाईकोर्ट में अपील दायर कर निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी थी। दोषियों की अपील को खारिज होने पर रामवतार जग्गी के बेटे सतीश जग्गी ने कहा कि मुझे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा था। हमारे परिजन शुरू से कहते रहे कि ये राजनतिक षड़यंत्र था।

# चुनाव आयोग ने कांकेर, महासमुंद और राजनांदगांव के लिए नियुक्त किये प्रेक्षक

**रायपुर।** भारत निर्वाचन आयोग की ओर से कांकेर, महासमुंद और राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्रों में आम निर्वाचन के लिए सामान्य प्रेक्षक, पुलिस प्रेक्षक और व्यय प्रेक्षक की नियुक्ति की गई है। आयोग ने कांकेर लोकसभा क्षेत्र के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2005 बैच के अधिकारी डॉ. एमटी रेजु को सामान्य प्रेक्षक, भारतीय पुलिस सेवा के 2011 बैच के अधिकारी एम राकेश चंद्र कलासागर को पुलिस प्रेक्षक और भारतीय राजस्व सेवा (आयकर) के 2014 बैच के अधिकारी संदीप मोंडल को व्यय प्रेक्षक नियुक्त किया है।

भारत निर्वाचन आयोग ने राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा के श्री शशि रंजन को सामान्य प्रेक्षक, भारतीय पुलिस सेवा के 2014 बैच के अधिकारी योगेन्द्र कुमार को पुलिस प्रेक्षक और भारतीय प्रतिरक्षा लेखा सेवा (ड्ढष्टस्) के प्रवीण रंजन को व्यय प्रेक्षक नियुक्त किया है। महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2004 बैच के अधिकारी डॉ. समित शर्मा को सामान्य प्रेक्षक और भारतीय पुलिस सेवा के 2011 बैच के अधिकारी एम.राकेश चंद्र कलासागर को पुलिस प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। आयोग की ओर से महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत महासमुंद जिले के लिए भारतीय राजस्व सेवा के 2014 बैच के अधिकारी मनीष कुमार डबास को और धमतरी और गरियाबंद जिले के लिए भारतीय राजस्व सेवा के 2016 बैच के अधिकारी राम प्रभु उदय आर को व्यय प्रेक्षक नियुक्त किया गया है।

रायपुर नगर पश्चिम विधानसभा के सहायक रिटर्निंग अधिकारी नवीन कुमार ठाकुर ने सेक्टर अधिकारी, बीएलओ और सुपरवाइजर की संयुक्त बैठक ली। ठाकुर ने बैठक में दिव्यांग मतदाता और 85 से अधिक उम्र के मतदाताओं को घर से मतदान करने के संबंध में जानकारी दी। इसके लिए सूची समय सीमा के भीतर बनाए जाने के निर्देश दिए। साथ ही वोटर हेल्पलाइन के संबंधी में जानकारी दी गई।

# वो आयेगा फिर आएगा... भाजपा नेता अमित ने पीएम नरेंद्र मोदी पर गाया ये शानदार गीत

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ बीजेपी नेता अमित चिमनानी राजनीति के साथ ही अपने नवाचार के लिए भी जाने जाते हैं। लोकसभा चुनाव से पहले एक बार फिर उन्होंने धमाल मचाया है। इस बार उन्होंने देश के मुखिया पीएम नरेंद्र मोदी पर चुनावी गीत लिखा है। इस गीत को उन्होंने न केवल लिखा है बल्कि अपने स्वरों से भी सजाया है। गीत के बोल हैं वो आयेगा, फिर आएगा, मोदी आयेगा।

इसमें केंद्र सरकार की ओर से किये गये विकास कार्यों और पीएम मोदी के व्यक्तित्व और कृत्तित्व को गीत के माध्यम से व्यक्त किया गया है। सीए और छत्तीसगढ़ बीजेपी मीडिया विभाग के प्रभारी अमित चिमनानी ने इसके पहले हाल ही में एक पुस्तक भी लिखा है। मोदी मैजिक नाम से लिखे इस किताब का विमोचन बीजेपी प्रदेश सह प्रभारी और चुनाव प्रभारी नितिन नबीन और डिप्टी सीएम अरुण साव ने किया था। नवीन ने मोदी मैजिक किताब का विमोचन करते हुए कहा कि यह पुस्तक कांग्रेस और इंडी गठबंधन के लोगों के लिए आईना है।

उन्होंने कहा कि इस किताब में यूपीए सरकार के 10 साल और मोदी सरकार के 10 वर्षों के विभिन्न क्षेत्रों के आंकड़े पेश किये गये हैं। इन आंकड़ों से स्पष्ट है मोदी सरकार के 10 वर्षों में कांग्रेस के 55 वर्षों से ज्यादा का काम हुआ है। भारत तेज रफ्तार से विकसित भारत बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। कांग्रेस का कोई भी राष्ट्रीय नेता इन आंकड़ों पर चर्चा करने की हिम्मत नहीं दिखा सकता। चिमनानी बीजेपी नेता होने के साथ ही एक शानदार कलाकार, गायक, को-प्रोड्यूसर और लेखक भी हैं। पिछले साल राम मंदिर अयोध्या पर उनकी हिंदी फिल्म 695 भी आ चुकी हैं। इस मूवी में वो रामानंद सागर की रामायण में प्रभु श्रीराम की भूमिका निभाने वाले अभिनेता अरुण गोविल के साथ सिल्वर स्क्रीन पर नजर आये थे। इसमें उनके शानदार भूमिका की खूब सराहना की गई थी।

# छत्तीसगढ़ के लोकसभा चुनाव में आदिवासी मतदाता है गेम चेंजर!

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ आदिवासियों का प्रदेश है, यहां आदिवासियों की संख्या लगभग 32 फीसदी है। यही कारण है कि समय-समय पर होने वाले विधानसभा, लोकसभा और नगरी निकाय चुनाव सहित अन्य चुनावों में इनका दबदबा बना रहता है। आदिवासी वोट जिसे मिलता है उसकी सरकार बनती है। इनका वर्चस्व कायम है। यही वजह है कि इन्हें चुनाव में गेम चेंजर माना जाता है।

वर्तमान में लोकसभा चुनाव 2024 की बात की जाए तो 11 में से 4 लोकसभा सीट अनुसूचित जनजाति (स्ञ्) के लिए आरक्षित है। यही वजह की आदिवासियों को साधने कांग्रेस, बीजेपी सहित अन्य राजनीतिक दल कोई कसर नहीं छोड़ते, हालांकि लोकसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के बीच ही मुकाबला होता है, लेकिन इस बार आदिवासी समाज से जुड़े कुछ दलों ने भी ताल ठोकी है। ऐसे में लोकसभा चुनाव में आदिवासी कैसे गेम चेंजर होंगे आइये जानने की कोशिश करते हैं।

11 लोकसभा सीटों में से चार सीट आदिवासियों यानी कि अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। इनमें बस्तर, सरगुजा, रायगढ़ और कांकेर सीट शामिल है। वर्तमान में इन चार सीटों में से 3 सीट सरगुजा, रायगढ़ और कांकेर पर भाजपा का कब्जा है। बस्तर सीट पर कांग्रेस का सांसद है।

लोकसभा चुनाव 2024 की बात की जाए तो इन आरक्षित चार सीटों पर भाजपा, कांग्रेस के अलावा आदिवासी समाज की हमर राज पार्टी ने भी इस बार ताल ठोका है। हमर राज पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद कुमार नागवंशी का दावा है कि आदिवासी न सिर्फ आरक्षित सीटों पर बल्कि अन्य सीटों पर भी प्रभाव डालते हैं। जिसमें सरगुजा, रायगढ़, बस्तर और कांकेर सीट के अलावा महासमुंद और राजनांदगांव लोकसभा सीट भी शामिल है। इन दो सीटों पर 25 प्रतिशत आदिवासी वोटर हैं।

हमर राज पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद कुमार नागवंशी ने कहा आदिवासी लगातार सैद्धांतिक मुद्दों के साथ जल जंगल जमीन की लड़ाई लड़ते आ रहे हैं। लोकसभा चुनाव ही ऐसा माध्यम है जहां सीधे शासन पर प्रश्न कर सकते हैं। चुनाव के माध्यम से जनता तक अपनी बातें रख सकते हैं। हमर राज पार्टी पूरे जोश के साथ चुनाव में उतरेगी और अपने

मुद्दों के साथ जनता को बताएंगे कि पिछले 75 सालों में हमने क्या खोया और क्या पाया है।

विधानसभा चुनाव में आदिवासियों ने भाजपा तो दलितों ने कांग्रेस पर जताया भरोसा- छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव 2023 में 90 सीटों के नतीजों की बात की जाए तो दलितों ने कांग्रेस पर ज्यादा भरोसा जताया। अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के लिए आरक्षित 10 सीटों में से कांग्रेस को 6 और भाजपा को 4 सीटें मिली। अनुसूचित जनजाति (एसटी) यानी आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित 29 सीटों में से भाजपा को 16, कांग्रेस 12 और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को 1 सीट मिली।

कांग्रेस मीडिया विभाग के प्रदेश अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला का कहना है कि आदिवासी कांग्रेस के साथ है क्योंकि भाजपा ने आदिवासियों को ठगा है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने आदिवासियों के लिए 32 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था करके विधानसभा से सर्वसम्मति से पारित कर राज्यपाल के पास भेजा था लेकिन भाजपा में उसे पास नहीं होने दिया। अब तो केंद्र में डबल इंजन की सरकार है आदिवासी मुख्यमंत्री है।फिर भी आदिवासी आरक्षण में लेट क्यों हो रहा है।?

सुशील आनंद शुक्ला ने कहा छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार को साढ़े तीन महीने हो चुके हैं। अब तक आरक्षण बिल पर भाजपा मौन क्यों है। इसका जवाब प्रदेश के आदिवासी लोकसभा चुनाव में भाजपा से मांगेंगे। भाजपा ने आदिवासी समाज को उनका हक दिया है। उनके जीवन स्तर को उठाने का काम किया है, आज देश के राष्ट्रपति आदिवासी है छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री आदिवासी समाज से आते हैं। ये कहना है भाजपा मीडिया प्रमुख अमित चिमनानी का। भाजपा नेता ने बताया कि भाजपा सरकार लगातार आदिवासियों के लिए काम कर रही है। छत्तीसगढ़ के आदिवासी दिल्ली में जाकर पढ़ाई कर आईएएस और आईपीएस बन रहे हैं। आदिवासियों के पैर में कांटे ना गड़े इसके लिए चरण पादुका योजना लाई गई।आदिवासी परिवार के इंश्योरेंस की स्कीम देने का काम किया है ऐसी कई योजनाएं हैं जो भाजपा सरकार लेकर आई है।

अमित चिमनानी ने कहा आदिवासी समाज भारतीय जनता पार्टी के साथ है। इस बार के लोकसभा चुनाव में आदिवासी प्रचंड मतों से भाजपा को ही वोट देकर जिताएंगे।

राजनीति के जानकार ओर वरिष्ठ पत्रकार अनिरुद्ध दुबे का कहना है राज्य बनने के बाद से लेकर अब तक सभी आदिवासी सीट भाजपा ही जीतती रही है। लोकसभा चुनाव 2019 में सिर्फ बस्तर लोकसभा सीट पर कांग्रेस ने बाजी मारी थी।

इस बार भाजपा एक बड़ा आंकड़ा लेकर लोकसभा चुनाव में चल रही है। कांग्रेस भी इस पर नजर जमाए हुए हैं। इस बार इन दोनों ही राजनीतिक दलों की आदिवासी सीटों पर पैनी नजर है। दोनों ही दलों ने सोच समझकर चारों आदिवासी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं।

आदिवासी राज्य होने के बावजूद भी क्षेत्रीय आदिवासियों की पार्टी क्यों बेहतर परफॉर्मेंस विधानसभा लोकसभा चुनाव में नहीं दे पा रही है, इस पर अनिरुद्ध दुबे ने कहा छत्तीसगढ़ में प्रमुख रूप से दो आदिवासी पार्टी है, पहला गोंडवाना गणतंत्र पार्टी और दूसरा हमर राज पार्टी। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी अविभाजित मध्य प्रदेश के समय से है, लेकिन वह सिर्फ आदिवासी क्षेत्र तक ही सीमित कर रह गए। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दौरान अरविंद नेताम ने हमर राज पार्टी बनाई। लेकिन उनका दायरा भी आदिवासी सीटों तक ही सीमित रह गया। वरिष्ठ पत्रकार अनिरुद्ध दुबे ने बताया कि अरविंद नेताम वरिष्ठ आदिवासी नेता हैं, केंद्र सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं लेकिन उनकी पार्टी भी एक क्षेत्र तक ही सीमित रह गई। हमर राज पार्टी को विधानसभा चुनाव में कोई सीट तो नहीं मिली लेकिन पार्टी ने वोटों को अपनी ओर खींचा जिससे सरगुजा और बस्तर में वोट समीकरण बदल गए।

# प्रधानमंत्री ने आरबीआई को सौंपे बड़े काम

**अभिनय आकाश**

देश में लोकसभा चुनाव होने वाले हैं। एक के बाद एक देश के लिए गुड न्यूज आने लगी है। विदेशी मुद्रा भंडार में रिकॉर्ड बढोत्तरी हो या शेयर बाजार में नए मुकाम पर पहुंचना हो। बीते दो दिन में ही केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के लिए दो बड़ी खुशखबरी आई है। भारतीय रुपया ग्लोबल करेंसी कैसे बन सकता है? भारत के प्रधानमंत्री ने भारत के केंद्रीय बैंक को इस पर काम करने के लिए कहा है। विश्व स्तर पर रुपये को अधिक आकर्षक और सुलभ बनाना। ये क्यों महत्वपूर्ण है और भारत कैसे ऐसा कर सकता है। नरेंद्र मोदी ने रुपये को अंतरराष्ट्रीय व्यापार में लोकप्रियता दिलाने की भारत की बढ़ती महत्वाकांक्षा को रेखांकित किया है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत को रुपये को वैश्विक स्तर पर अधिक स्वीकार्य बनाने की दिशा में काम करना होगा। देश में जितने भी बैंक हैं, आरबीआई उनका बैंक है। इसलिए इसे बैंकों का बैंक कहते हैं। केंद्रीय बैंक की है जो करंसी को जारी करता है। इससे जुड़े नियमों को बताता है। मॉनिटरी पॉलिसी जारी करता है और निगिरानी रखता है। वे वाणिज्यिक बैंक को ईमानदार रखते हैं। ये सारे काम चुनौतियों से भरे हैं। लेकिन पीएम मोदी ने आरबीआई को एक नया काम सौंपा है। जो और भी कठिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1 अप्रैल को मुंबई में केंद्रीय बैंक की 90वीं वर्षगांठ समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि ये प्रयास होना चाहिए कि हमारा रुपया पूरी दुनिया में ज्यादा एक्सेसबल भी हो, एक्सेप्टेबल भी हो। एक और ट्रेंड जो बीते कुछ वर्षों में पूरी दुनिया में देखने को मिला है, वो है- बहुत ज्यादा आर्थिक विस्तार और बढ़ता हुआ कर्ज। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत को रुपये को वैश्विक स्तर पर अधिक स्वीकार्य बनाने की दिशा में काम करना होगा। ग्लोबल करेंसी एक तरह की रिजर्व करेंसी होती है जिसका इस्तेमाल वैश्विक व्यापार में होता है। यह अधिकांश केंद्रीय बैंकों के पास है और यह आसानी से परिवर्तनीय है। आप इस मुद्रा को आसानी से खरीद और बेच सकते हैं। वर्तमान में दुनिया में 4 देशों की करेंसी का ही बोलबाला है। सबसे ऊपर डॉलर, फिर यूरो, पाउंड और जापानी मुद्रा येन का नंबर आता है। चीन भी अपनी मुद्रा को इंटरनेशनल बनाने की कोशिश कर रहा है और उसे भी आंशिक सफलता मिली है। भारत को मुद्रा के ग्लोबलाइजेशन से होने वाले फायदों के बारे में बखूबी पता है और इसका पूरी इकोनॉमी पर क्या असर होगा। इसका भी अंदाजा है। यही कारण है कि सरकार और रिजर्व बैंक हर हाल में ये काम पूरा करना चाहते हैं। बैंक फॉर इंटरनैशनल सेटलमेंट्स के मुताबिक, जिस मुद्रा का इस्तेमाल जारी करने वाले देश की सीमाओं के बाहर भी किया जाता है, वह इंटरनैशनल करंसी होती है। अमेरिका जाहिर तौर पर दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। उसकी करंसी डॉलर दुनिया की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं में से एक है। लेकिन यह इकलौती इंटरनैशनल करंसी नहीं। चीन का युआन भी काफी महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मदा है जिसे कई देशों ने अपनाया है। कई देश फॉरेन रिज़र्व में संघर्ष कर रहे हैं। वे डॉलर का उपयोग लोन की रिपेमेंट और व्यापार करने के लिए करते हैं। परिणामस्वरूप डॉलर खत्म हो रहे हैं। जैसा की श्रीलंका के साथ 2022 में हुआ। इसलिए ऐसे कई देश हैं जो अन्य विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। जैसे लोकल करेंसी में व्यापार करना। दूसरा कारण थोड़ा राजनीतिक है। कई बड़े एक्सपोर्टर पश्चिमी प्रतिबंधों के प्रभाव में हैं। रूस, चीन और ईरान इसके बड़े उदाहरण हैं। डॉलर का उपयोग करके उनसे व्यापार संभव नहीं है। ऐसे में देश क्या करें, वो डॉलर से परे देखने को मजबूर हैं। वे स्थानीय मुद्रा का उपयोग करने का प्रयास करते हैं। भारतीय क्षेत्र इन दोनों का मिश्रण है। हम श्रीलंका और बांग्लादेश से बहुत ज्यादा ट्रेंड करते हैं। जिनके पास वैश्विक मुद्रा भंडार बेहद ही कम हैं। इसके अलावा हम पश्चिमी देशों का प्रतिबंध झेल रहे रूस और ईरान जैसे देशों के साथ भी व्यापार करते हैं। इसलिए हमें डॉलर के विकल्प की जरूरत तो है हीं। लेकिन इन सब से इतर एक और महत्वपूर्ण कारण रणनीतिक गोल को साझने की भी है। भारत दुनिया की पाचंवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। तीसरी बडी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अपने कदम बढा रहा है।

# मुद्दों की तलाश बड़ी चुनौती

**डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा**

18 वीं लोकसभा के चुनावों का बिगुल बज चुका हैं वहीं पहले चरण की 102 सीटों के लिए नामांकन का कार्य पूरा होने के साथ ही एनडीए ने 31 मार्च को मेरठ और इंडी गठबंधन ने नई दिल्ली से चुनावी केंपेन का आगाज कर दिया है। लोकसभा के सातों चरणों के मतदान तक राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव रैलियों, रोड़ शो सहित विभिन्न मंचों से एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी रहेगा। सौ टके का सवाल यह है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के चुनावों में चुनाव अभियान के दौरान आखिर मुख्य मुद्दे क्या बनेंगे ? हाल ही पांच विधान सभा चुनावों के दौरान गांरटियों की खूब चर्चाएं रही। एक तरफ गांरटियां थी तो दूसरी और बीजेपी ने मोदी को ही गारंटी बताकर प्रचारित किया। दरअसल देखा जाएं तो पिछले कुछ चुनावों से चाहे वे लोकसभा के हो या विधानसभाओं के चुनाव हो, सीधे जनता से जुड़े मुद्दें तो कहीं नेपथ्य में ही रह जाते हैं। तस्वीर का एक पक्ष यह भी है कि जनता से जुड़े मुद्दों को आमजनता भी अब मुद्दे या चुनावी एजेंडा नहीं मानने लगी है। इसका कारण भी कुछ और ही होता जा रहा है। किसी जमाने में गरीबी हटाओं या भ्रष्टाचार मिटाओं या महंगाई या बेरोजगारी तो सकारात्मक प्रचार अभियान में विकास की बात आदि मुद्दे महत्वपूर्ण होते थे पर अब देखा जाए तो यह मुद्दे वोट में तब्दील नहीं हो पा रहे हैं। पिछले चुनावों के अनुभव हमारे सामने हैं। दर असल अब नकारात्मक प्रचार राजनीतिक दलों पर उलटा पड़ने लगा है। पिछले दो लोकसभा के चुनावों में चौकीदार, सेना के साक्ष्य, चाय वाला आदि ऐसे वक्तव्य रहे जिसका जितना अधिक उपयोग हुआ वह भाजपा और नरेन्द्र मोदी के पक्ष में ही गया। दरअसल अब वोट विश्वसनीयता यानी की भरोसे और वोल्डनेस पर पड़ने लगे हैं। एक बात यह भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि आजादी के 75 साल बाद भी किसी दल का वोट प्रतिषत 50 प्रतिशत का आंकड़ा छू नहीं पाया है। दूसरी और चुनाव आयोग द्वारा लाख प्रयासों के बाद भी 100 में से 33 प्रतिशत मतदाताओं को मतदान केन्द्र पर मतदान के लिए ले जाने में हम सफल नहीं हो पा रहे हैं। खैर यह अलग विचारणीय मुद्दे हैं।

विपक्ष के प्रयास है कि सत्तारुढ़ द्वारा संबैधानिक संस्थाओं यथा ईडी, आईटी आदि जांच एजेंसियों का हथियार के रुप में उपयोग,

चुनावी बॉण्ड, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार आदि को प्रभावी तरीके से चुनावी मुद्दा बनाया जाये पर अभी तक जो दिखाई दे रहा है उसमें साफ है कि यह मतदाताओं को प्रभावित करने वाले मुद्दे बन नहीं पा रहे हैं। इसका एक प्रमुख कारण तो विपक्षी खासतौर से इंडी के दलों का जुड़ना बिखरना जारी है। एक तरफ ममता पं.बगांल में कांग्रेस द्वारा वामपंथी दलों के साथ तालमेल कर चुनाव लड़ने को खुले आम भाजपा को लाभ बताने वाला निर्णय बता रही हैं वहीं बिहार, महाराष्ट्र, दिल्ली में कांग्रेस का छोटे पार्टनर के रुप में सामने आने, पंजाब में आप से सीटों के बंटवारें को लेकर समझौता ही नहीं होने, बसपा का अलग रुख, अजित जनता दल का बीजेपी के साथ आना, ओडीसा में बीजद सहित विरोधाभास सामने आ रहे हैं। वहीं दिल्ली की रैली से साफ हो जाता है कि विपक्ष का जो पैनापन होना चाहिए था वह लगभग असरदार नहीं दिखा। चुनावी बॉण्ड का मुद्दा जिस तरह से उछला वह अपनी धार नहीं दिखा पाया क्योंकि चुनावी चंदा सभी ने लिया चाहे वो कम हो या ज्यादा। दूसरी बात आमजन का यह सोच माना जा सकता है कि सभी राजनीतिक दल चुनावी चंदा लेते हैं और साफ है कि इसका फायदा सत्तारुढ़ दल को अधिक ही मिलता है। चंदा देने वाला अपने निहितार्थ देखता है और यही कारण है कि वह सत्तारुढ़ दल को अधिक चंदा देता है। इसलिए जिस तरह से यह बड़ा मुद्दा बनने की संभावना देखी जा रही थी वह कहीं पीछे ही रह गई। इसी तरह से केजरीवाल सहित आप नेताओं पर ईडी छापों और जेल का मुद्दा भी अधिक असर दिखाता नहीं लग रहा। इसका कारण भी साफ है कि केजरीवाल जो भ्रष्टाचार के खिलाफ ही सत्ता में आये थे पहलीबात तो उनके नेताओं पर शराब ठेकों में भ्रष्टाचार के आरोप लगे, दूसरी और बार बार सम्मन आने पर भी रेस्पांस नहीं करने और गिरफ्तारी के बाद भी पद पर बने रहने का आमजन में अभी तो नकारात्मक असर ही दिखाई दे रहा है। इस मामलें में लोग लालू की बड़ाई करने लगे हैं कि लालू ने गिरफ्तार होते ही अपना पद त्याग दिया और भले ही राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनाया पर पद की गरिमा को तो बनाये रखा। केजरीवाल द्वारा बार बार सम्मन की अवहेलना करने और त्यागपत्र नहीं देने से लोगों में केजरीवाल के पदलोलुपता का संदेश गया अन्यथा निश्चित रुप से केजरीवाल के प्रति सहानुभूति होती और इसका लाभ समस्त विपक्ष को मिलता पर लगता है एक अच्छा अवसर खो दिया गया है। अब सवाल महंगाई को लेकर आता है तो महंगाई किसी जमाने में अपना असर दिखाती थी और प्याज के भाव बढ़ने के कारण सरकार को जाते हुए हमनें देखा है पर लगता है अब यह मुद्दा भी कुंद पड़ता जा रहा है। इसका कारण है बेरोजगारी और मंहगाई को जिस तरह से विपक्ष को चुनावी इशु बनाना चाहिए था उसमें वह सफल नहीं हो पा रही हैं इस चुनाव में किसानों का मुद्दा तो अभी तक दिखाई ही नहीं दे रहा।

एक बात और चुनाव घोषणा पत्रों में मुफ्त की सुविधाओं की भरमार भी अब लोगों को अधिक लुभाने वाली नहीं लगती। कारण साफ है इससे एक और प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष कर देने वाला अपने को ठगा समझने लगा है, वहीं लाभार्थी इसे राजनीतिक दलों की कमजोरी समझने लगा है। चुनावी बॉण्ड भी इसलिए अधिक बड़ा मुद्दा नहीं बन पा रहा कि कमोबेस सभी दलों को चंदा मिला है। किसी ने भी इस तरह से चंदा लेने से ना नहीं किया। दूसरी और जहां तक आमआदमी का प्रश्न है वह जानता है कि चुनावी चंदा देने वाले पैसे वाले प्रभावशील लोग हैं। आमआदमी तो इतना चंदा देने से रहा। यह भी जानते हैं कि चुनावों के लिए चंदा लिया ही जाता है। दूसरी और मजे की बात यह है कि चंदा पैसों वालों से लेने के बावजूद आममतदाताओं को साधनें में सत्तारुढ़ दल सफल रहा है। साफ है कि चंदा देने वालों के वोट गिनती के ही होते हैं।

साफ है कि 18 वीं लोकसभा के चुनाव प्रचार अभियान में संवैधानिक संस्थाओं के उपयोग, चुनाव बॉण्ड, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार आदि मुद्दें अधिक चलने वाले नहीं हैं। राम मंदिर, धारा 370 या इसी तरह के अन्य मुद्दों को विपक्ष उठाता भी है तो इसका लाभ भारतीय जनता पार्टी को ही मिलेगा। ऐसे में विपक्ष को चुनावी वैतरणी पार करने के लिए कोई ठोस मुद्दें खोजने होंगे। हवा हवाई या चलताउ भाषणों, आरोप प्रत्यारोप से पार पाना मुश्किल रहेगा। राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि इस बार के चुनाव दस नेताओं के इर्द गिर्द रहेंगे इनमें नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, राहुल गांधी, खड़गे, शरद पंवार, ममता बनर्जी, नीतिश कुमार, तेजस्वी यादव, स्टालीन, असदुद्दिन ओवैसी आदि दशा और दिशा तय कर पायेंगे। पर मेरा मानना है कि 18 वीं लोकसभा के चुनाव नरेन्द्र मोदी के इर्द गिर्द ही रहने वाला है। विपक्ष का निशाना नरेन्द्र मोदी ही रहेंगे और इसका उजला या स्याह पक्ष यह है कि विपक्ष जितना अधिक नरेन्द्र मोदी के नाम का उच्चारण करेगा उसका उतना ही अधिक लाभ नरेन्द्र मोदी और भाजपा को मिलेगा। पिछले दो लोकसभा के चुनाव परिणाम तो यही बताते हैं। ऐसे में विपक्ष को अलग ही तरह की रणनीति बनानी होगी।

विपक्ष को सकारात्मक रणनीति बनानी होगी अन्यथा नकारात्मकता को तो नरेन्द्र मोदी को अपने पक्ष में करने की महारत हैं। लोक सभा के पिछले दो चुनाव और गत दस सालों के विधानसभाओं के चुनावों के परिणाम सबके सामने हैं ऐसे में विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती भाजपा को घेरने की है और इसके लिए उसे पूर्व अनुभवों को ध्यान में रखते हुए प्रभावी रणनीति बनानी होगी। रैलियों, सभाओं में प्रमुख नेताओं को भाषणों-वक्तव्यों के दौरान सावधानी बरतनी होगी तभी मोदी जी से पार पाया जा सकता है। यह साफ साफ समझ लेना होगा। इसमें कोई अतिशयोक्ति भी नहीं है कि मोदी जी विपक्षी नेताओं द्वारा कही गई बात को तत्काल अपने पक्ष में भुनाने में सिद्धहस्त है, ऐसे में विपक्ष के सामने प्रमुख चुनौती चुनाव अभियान के दौरान अपनों के बीच समन्वय व समझ बनाये रखनी है तो जनमानस को प्रभावित करने की रहेगी तो मोल तोल के बोल पर भी अधिक ध्यान देना होगा।

**भारतीय ज्ञान परंपरा....**

# महोपनिषद् (भाग-47)

**गतांक से आगे...**

हे द्विज! इस माया की उत्पत्ति किससे हुई, इसके बारे में तुम्हें विचार नहीं करना चाहिए; अपितु विचार यही रहे कि किस प्रकार इसे नष्ट करूँ ? इसके क्षीण होकर विनष्ट हो जाने पर तुम क्षयरहित पद को पा सकोगे। इसके प्रकट होने का लक्षण इसका स्वरूप और इसके नष्ट करने के उपाय पर विचार करते हुए इस रोग के मूलकारण के निदान का प्रयास करना चाहिए। जिससे यह तुम्हें आवागमन के जन्मचक्र में बारम्बार न डाले और चित् रूपी समुद्र निर्मल आत्म स्पन्दन से विभासित हो सके। यह चिदात्मा अविभाजित रूप वाली है, अपने भीतर इस प्रकार का दृढ़निश्चय करना चाहिए। यह चिदात्मा चिन्मय सागर में कुछ क्षोभयुक्त हो रही है। सागर में लहरों की तरह निर्मल चिन्मय लहरें उठ रही हैं। आकाश सरोवर में जिस प्रकार वायु स्वयमेव लहराती है, उसी प्रकार अपनी आत्मा में आत्मबल से आत्मा तरंगित होती है। सर्वशक्तिमान् सत्ता द्वारा इस प्रकार की दैवी स्फुरणा क्षण मात्र के लिए होती है। यह चेतन शक्ति अज्ञान स्थिति में सीमित सी होकर रूप भावना वाली होती है। उस विलक्षण परमसत्ता में जब रूप की भावना समाविष्ट होती है। उस समय उसके साथ नाम और संख्या आदि उपाधियाँ जुड़ जाती हैं। हे ब्रह्मन् ! चेतनशक्ति का वह रूप जो देश, काल और क्रिया का आश्रयरूप है तथा विकल्परूप को ग्रहण करने वाला है, वह क्षेत्रज्ञ कहलाता है। पुन: वही वासनात्मक चिन्तन से अहंकाररूप कहा जाता है। जब अहंकार भी निश्चयात्मक और दोषपूर्ण हो जाता है, तो बुद्धि कहलाता है। बुद्धि भी जब संकल्परूप में परिणत हो जाती है, तो मननशील मन का रूप धारण करती है। संकल्प और वासना की रस्सी से बँधा हुआ जीव दु:ख-जाल में फँसकर निरन्तर दुर्गति की ओर बढ़ता है। रेशम बनाने वाले कीड़े की तरह शक्तिमय चित् घनीभूत अहंभाव को प्राप्त करके स्वेच्छा से बन्धन में बँधता है। **(क्रमश:)**

# बाबू जगजीवन राम दलितों, गरीबों और वंचितों के मसीहा थे

**शिवानी अवस्थी**

जगजीवन राम का जन्म बिहार के भोजपुर जिले के चांदवा गांव में 5 अप्रैल 1908 में हुआ था। उनके पिता का नाम सोभी राम और मां वसंती देवी थी। आरा टाउन स्कूल से शुरुआती शिक्षा प्राप्त की। हालांकि उन्हें दलित होने के कारण शुरुआत में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उन दिनों जाति-धर्म के आधार पर होने वाले भेदभाव के बावजूद जगजीवन राम ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय और कलकत्ता विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की।

बिहार के एक छोटे से गांव चांदवा से दिल्ली की राजनीति तक का सफर करने वाले बाबू जगजीवन राम दलितों, गरीबों और वंचितों के मसीहा माने जाते थे। उन्होंने दलित समाज को स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा बनाया। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त करने से लेकर जगन्नाथ मंदिर में पत्नी संग दर्शन करने तक उन्हें जातिगत भेदभाव का सामना करना पड़ा। हालांकि राजनीति में उनकी भूमिका इतनी दमदार रही कि 50 सालों तक सांसद रहने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। बाबू जगजीवन राम 1936 से 1986 तक सांसद रहे। कहते हैं कि इमरजेंसी के दौरान इंदिरा गांधी ने अपने बाद उन्हें प्रधानमंत्री बनाने को कहा था, हालांकि बाद में दोनों के बीच दूरियां आ गईं। बाद में जनता पार्टी से चुनाव जीतकर भी प्रधानमंत्री पद की मजबूत दावेदारी में रहे लेकिन पद न मिल सका।

जगजीवन राम भारत के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रह चुके हैं। भारत के संसदीय लोकतंत्र के विकास में उनका अमूल्य योगदान रहा। साथ ही देश की दलित राजनीति के वह सबसे महत्वपूर्ण चेहरे के तौर पर याद किए जाते हैं। स्वतंत्रता संग्राम में दलित समाज को शामिल करने का श्रेय जगजीवन राम को जाता है। 1934 में उन्होंने कोलकाता में अखिल भारतीय रविदास महासभा और अखिल भारतीय दलित वर्ग लीग की स्थापना की थी। इस संगठन के माध्यम से दलित समाज को आजादी की लड़ाई में शामिल किया गया।

1936 में बाबू जगजीवन राम 28 साल की उम्र में बिहार विधान परिषद के सदस्य नामित हुए। 1937 में जब कांग्रेस सरकार बनी तो शिक्षा और विकास मंत्रालय में संसदीय सचिव के रूप में जगजीवन राम को नियुक्त किया गया। बाद में 1938 में पूरे मंत्रिमंडल के साथ उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। जगजीवन राम 1940 से 1977 तक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य रहे। 1948 से 1977 तक कांग्रेस कार्य समिति में भी शामिल रहे। 1950 से 1977 तक केंद्रीय संसदीय बोर्ड में रहे। 1971 के भारत पाक युद्ध के दौरान बाबू जगजीवन राम ही देश के रक्षा मंत्री थे। हरित क्रांति के दौरान वह देश के कृषि मंत्री के तौर पर कार्यरत थे।

इंदिरा गांधी के इमरजेंसी के बाद जगजीवन राम और कांग्रेस के बीच दूरी आने लगी और उन्होंने पार्टी छोड़कर कांग्रेस फॉर डेमोक्रेसी नाम से नई पार्टी बनाई। बाद में जयप्रकाश नारायण के कहने पर उन्होंने जनता पार्टी के चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ा। वह प्रधानमंत्री पद के लिए दावेदारी में थे लेकिन मोरारजी देसाई को पीएम बना दिया गया और उन्हें कैबिनेट का हिस्सा बनाते हुए उप प्रधानमंत्री का पद मिला।

# फिल्मी सितारे चुनाव में जीते, राजनीति में हारे

**संदीप अग्रवाल**

जब भी चुनावों, खासकर लोकसभा चुनाव, की तारीखें घोषित होती हैं, अपनी चमक खो चुके बॉलीवुड के सितारे अचानक राजनीति के फलक पर जगमगाने लग जाते हैं। लेकिन इन फिल्मी सितारों का राजनीतिक रोल सीमित ही रहा है। भले ही उन्होंने चुनाव जीत लिया हो लेकिन राजनीति के मैदान में वो हारते ही आये हैं।

18 वीं लोकसभा के लिए होने जा रहे चुनावों में अरुण गोविल और कंगना राणावत के डेब्यू और गोविंदा की वापसी ने इस पुराने, लेकिन दिलचस्प विषय को फिर से चर्चा में ला दिया है। फिर से उन्हीं प्रश्नों को पुनर्जीवित कर दिया है, जो हर बार सितारों को चुनाव लड़ते देखकर उछाले जाते हैं। मसलन, फिल्मी सितारे राजनीति में क्यों आते हैं, जबकि समाज सेवा तो वे राजनीति में आए बिना भी कर सकते हैं। उन्हें खुद पर इतना भरोसा क्यों होता है कि जनता उन्हें जिताएगी ही पार्टियाँ अपने वर्षों पुराने नेताओं और कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज कर सितारों को क्यों चुनाव मैदान में उतारती हैं

ज्यादातर फिल्मी सितारे जीतने के बाद अपने मतदाताओं के लिए कुछ नहीं करते। क्या यह देश के कीमती संसाधनों और इनसे भी कीमती जनता के मतों की बर्बादी नहीं है चुनाव क्षेत्रों में लौटकर कभी न जाने के बावजूद पार्टियाँ उन्हें फिर से उसी क्षेत्र में चुनाव लड़ने भेजने की हिम्मत और हौसला कैसे जुटा पाती हैं ऐसे और भी कई प्रश्न हो सकते हैं, जिनके जवाब खोजना कोई मुश्किल नहीं है। लेकिन, इससे पहले हमें एक बात को स्वीकार करना होगा कि यह भी उन विषयों में से एक है, जिनका सामान्यीकरण नहीं किया जा सकता। अभी तक मतदाताओं द्वारा सितारों को चुनकर भेजने का जो रुझान रहा है, उसमें यही देखा गया है कि ज्यादातर वे सितारे चुनाव जीतते आए हैं, जो सत्तारुढ़ दल की ओर से चुनाव लड़े होते हैं। इनमें भी अधिकतर ऐसे

सितारे होते हैं, जिनका राजनीति या समाजसेवा में अनुभव लगभग शून्य ही होता है। इनमें ऐसे बहुत कम होते हैं, जो समाज या लोगों के लिए कुछ करने की इच्छा के वशीभूत होकर राजनीति में आते हैं।

ऐसे उदाहरण बहुत कम हैं जब ये सितारे प्रशंसकों से मतदाता बनने वाली अपने क्षेत्र की जनता को अपने कार्य से संतुष्ट कर पाए हों। अपनी छवि और सामाजिक कार्यों के बूते पर पाँच बार लोकसभा चुनाव जीतने वाले बालीवुड के स्टार सुनील दत्त जैसे कलाकार अपवाद ही होंगे, जिन्हें राजनीति बहुत रास आई। वर्ना अधिकतर सितारों ने सांसदी तो पाई लेकिन अपनी प्रतिष्ठा गंवा दी। इस वजह से कुछ दोबारा टिकट पाने में नाकाम रहे तो कुछ अपनी जीत को दोहराने में। अमिताभ बच्चन और धर्मेन्द्र जैसे कुछ कलाकार ऐसे भी थे, जिन्होंने राजनीति से मोहभंग होने की बात कहते हुए संन्यास ले लिया। वैसे भी वास्तविक जीवन में हीरो बनना सेट पर हीरो बनने जितना आसान नहीं होता।

2004 में कॉन्ग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतकर लोकसभा में सीट हासिल करने वाले गोविंदा न तो अपने मतदाताओं को नजर आते थे और न लोकसभा में। उन्होंने चार साल बाद सांसदी से इस्तीफा दे दिया। अपने लोकसभा क्षेत्र और लोकसभा में बहुत कम दिखाई देने वाले एक और कलाकार सनी देओल भी हैं, जो पंजाब के गुरदासपुर से सांसद हैं। उनकी राजनीति में असफलता के कारण ही इस बार भाजपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया है। सन्नी देओल उसी सीट से सांसद थे जिससे दिवंगत विनोद खन्ना चार बार सांसद चुने गए थे। चुनाव क्षेत्र में न जाने के आरोप उन पर भी लगते थे, लेकिन उन्होंने अपने क्षेत्र की जनता की समस्याएं सुनने और हल करने के लिए अपने लोगों की टीम बनाई हुई थी। यह टीम व्यवस्थित ढंग से अपना काम करते हुए उनकी जीत की संभावनाओं को बचाए रखती थीं। राजनीति को रास आने वाले मौजूदा कलाकारों में शत्रुघ्न सिन्हा, हेमा मालिनी और स्मृति ईरानी का नाम भी प्रमुखता से लिया जा सकता है।

लेकिन, देखा जाए तो फिल्मों से राजनीति में जाने वाला फिल्म जगत का कोई भी सितारा पॉलिटिकल स्टारडम की उन ऊंचाईयों को नहीं छू पाया है, जिन पर दक्षिण के सितारे दशकों तक विराजमान रहे। चाहे वह एनटीआर हों, जयललिता हों या एम. जी. रामचंद्रन। इन्होंने अभिनेता के तौर पर भी लोगों के दिलों पर राज किया और राजनेता के रूप में भी। शत्रुघ्न सिन्हा ने ऐसी आकांक्षा जरूर पाली थी, लेकिन बेल परवान नहीं चढ़ पाई। बार-बार संसद में पहुँचने में वे अवश्य सफल रहे हैं। कुछेक अपवादों को छोड़कर, सितारों का राजनीति या समाज में कोई बहुत खास योगदान नहीं रहा है। इसके बावजूद पार्टियां उन पर दांव लगाती हैं, तो यह अकारण नहीं होता। पहले कहा जाता था कि वे सितारों की लोकप्रियता को भुनाकर अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए उन्हें मैदान-ए-जंग में उतारती हैं। लेकिन, मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में यह एक आउटडेटेड विचार लगता है। जैसे भाजपा को इस समय चुनाव जीतने के लिए किसी सितारे को टिकट देने की कोई जरूरत नहीं लगती। इसी तरह कोई सितारा कॉन्ग्रेस की जीत की गारंटी नहीं बन सकता।

फिल्मी सितारों का अधिकतर उपयोग होता है, चुनाव प्रचार में भीड़ इकट्ठा करने के लिए और जनता की भावनाओं को दोहन करने के लिए। और पार्टियाँ यही करती भी हैं। दूसरा इस्तेमाल यह होता है कि उन्हें अधिकतर एक कद्दावर प्रतिद्वंद्वी के मुकाबले में उतारा जाता है, ताकि जीत के मतों का अंतर बढ़ाया जा सके या हार के अंतर को कम किया जा सके। जैसे 1984 में हेमवती नंदन बहुगुणा के मुकाबले अमिताभ को लाना, 1991 में लालकृष्ण आडवाणी के विरुद्ध राजेश खन्ना को या 2004 में राम नाईक के खिलाफ गोविंदा को उतारना।

इज्जत बचाने के इस सुरक्षित खेल में ऐसे अवसर विरले ही होते हैं, जब दो फिल्मी सितारे एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ते नजर आएं। जैसे कि 1992 में आडवाणी के त्यागपत्र देने के कारण खाली हुई नई दिल्ली लोकसभा सीट के लिए हुए उपचुनावों में राजेश खन्ना के खिलाफ शत्रुघ्न सिन्हा को खड़ा किया। लेकिन, इसमें भी शत्रु को हार होने के बाद राज्यसभा की सदस्यता देकर उपकृत किया गया। इसीलिए असंतुष्टों को अक्सर शिकायत करते सुना जा सकता है कि फिल्मी सितारों को उनकी योग्यता के बजाय उनकी लोकप्रियता की वजह से प्राथमिकता दी जाती है। लेकिन, आखिरी फैसला तो मतदाता को ही करना होता है कि वह काबिलियत को चुनता है या शोहरत को। जैसे-जैसे लोकतंत्र परिपक्व होता जाएगा, वे समझने लगेंगे कि उन्हें किसे वरीयता देनी चाहिए। जब मतदाताओं को यह समझ आने लगेगा तो राजनीतिक दलों के लिए भी अपरिहार्य हो जाएगा कि वे ग्लैमर के मुकाबले काबिलियत को तरजीह दें।

## आज का इतिहास

1913 संयुक्त राज्य अमेरिका में फुटबॉल फेडरेशन का गठन हुआ।
1927 निषेध ब्यूरो संयुक्त राज्य अमेरिका के खजाना विभाग के हिस्से के रूप में स्थापित किया गया।
1955 ब्रिटेन के प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने इस्तीफा दिया।
1958 पहले लाइव कनाडाई राष्ट्रीय टेलीविज़न चैनल में से एक, डिस्कवरी पैसेज, ब्रिटिश कोलंबिया में पानी के नीचे स्थित रिपल रॉक, एक योजनाबद्ध विस्फोट में नष्ट हो गया था।
1964 नौसेना ने पहली बार राष्ट्रीय समुद्री दिवस मनाया।
1966 इंडोनेशियाई सेना की मांग, देश संयुक्त राज्य अमेरिका से फिर से जुड़ें।
1971 अपोलो 14, तीसरे अमेरिकी मानवयुक्त चंद्रमा अभियान, फ्रा मौरो एलन शेपर्ड और एडवर्ड मिशेल (अपोलो 14) के पास की भूमि चंद्रमा पर 4 घंटे तक चलती है।
1974 स्टीफन किंग ने अपना पहला उपन्यास कैरी प्रकाशित किया।
1975 सऊदी अरब के राजा फ़ैजल की हत्या हुई।
1991 अंतरिक्ष यान एसटीएस 37 (अटलांटिस 8) का प्रक्षेपण किया गया।
1992 बोस्नियाई युद्ध-अज्ञात बंदूकधारियों ने साराजेवो में युद्ध-विरोधी प्रदर्शनकारियों की एक बड़ी भीड़ पर गोलीबारी करते हुए दो लोगों की हत्या कर दी, जो चार साल के सर्जियो की घेराबंदी की शुरुआत थी।
1993 रोल हॉल ऑफ फेम और क्लीवलैंड की चट्टान 1993 में शुरू होती है।
1994 गोल्डन न्यूयॉर्क सिटी में जैकी मेसन पॉलिटिकली गलत ओपन, मिशिगन 77-71 वर्ष 1993 में धड़कता है।
1996 जॉन बॉबिट को 120 दिनों के लिए लास वेगास में नजरबंद रखा गया है।
1998 जापान के आकाशी काइको ब्रिज , अवाजी आइलैंडैंड कोबे को जोड़ने, यातायात के लिए खोला गया, जो 1,991 मीटर (6,532 फीट) की मुख्य अवधि के साथ दुनिया का सबसे लंबा निलंबन पुल बन गया।
2009 देश संगीत पुरस्कार का 44 वां अकादमी कैरी अंडरवुड और ब्राड पैसले ने जीता।
2010 अमेरिकी राज्य वेस्ट वर्जीनिया के कोयला खदान में विस्फोट से 22 लोगों की मौत हुई।
2011 वर्ष 2011 में इडाहो हाउस ऑफ प्रतिनिधियों में 20 सप्ताह से अधिक पुराने झगड़े के गर्भपात पर प्रतिबंध लगाने वाला बिल।

# अमेरिका, यूरोप के निशाने पर क्यों हैं मोदी?

**अजय सेतिया**

अप्रेल और मई में होने वाले भारत की लोकसभा के चुनावों में अमेरिका, यूरोप और यहां तक कि संयुक्त राष्ट्र की दिलचस्पी 2014 के चुनावों से भी ज्यादा है। 2014 में भाजपा की ओर से नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाए जाने के बाद भारत के विपक्षी नेताओं ने दुनिया भर के मीडिया में उनके खिलाफ अभियान चलाया था। उनके प्रधानमंत्री चुने जाने बाद भी यह अभियान चलता रहा है। पिछले कुछ सालों में विपक्ष के प्रमुख नेता राहुल गांधी अपने विदेशी दौरों में मोदी सरकार पर संविधान और लोकतंत्र को कुचलने और अपने विरोधियों के खिलाफ संवैधानिक संस्थाओं के दुरूपयोग का आरोप लगाते रहे हैं। यहाँ तक कि भारतीय संसद से पारित कई बिलों को सुप्रीमकोर्ट में चुनौती दी गई, और सुप्रीमकोर्ट के फैसलों पर भी सवाल उठाए जाते रहे।

भारत के विपक्ष के उकसावे पर विदेशी मीडिया ने भी नागरिकता संशोधन क़ानून और कृषि कानूनों की गलत व्याख्या करने से परहेज नहीं किया। कश्मीर में लागू अनुच्छेद 370 हटाए जाने को भी अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बनाने की कोशिश की गई, जिसका पाकिस्तान ने लाभ उठा कर इसे संयुक्त राष्ट्र में उठाया। राहुल गांधी को जब मानहानि के एक केस में दो साल की सजा हुई और सुप्रीमकोर्ट के पूर्व के फैसले और जन प्रतिनिधित्व क़ानून के मुताबिक़ उनकी लोकसभा सदस्यता खत्म हो गई, तो उसकी भी विदेशी मीडिया और विदेशी सरकारों ने गलत व्याख्या की। राहुल गांधी ने देश से बाहर जाकर कहा कि उन्होंने संसद में नरेंद्र मोदी से उद्योगपति गौतम अडानी से उनके रिश्तों पर सवाल पूछे थे, इसलिए उनकी लोकसभा सदस्यता रद्द कर दी गई। अमेरिकी सरकार ने तथ्यों की जानकारी लेने के बजाए राहुल गांधी के बयान को ही सच मान कर भारत के लोकतंत्र पर चिंता प्रकट की। यह कहा गया कि विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए राहुल गांधी की सदस्यता रद्द की गई। जबकि कोर्ट के फैसले के कारण ही उनकी सदस्यता गई थी, और कोर्ट के फैसले से ही उनकी सदस्यता बहाल हो गई।

अब अरविन्द केजरीवाल की गिरफ्तारी के मामले में भी अमेरिका, जर्मनी और संयुक्त राष्ट्र ने अज्ञानता भरा वही रूख अपनाया है। अज्ञानता नहीं, बल्कि जानबूझकर भारत के खिलाफ बड़ी साजिश के तहत प्रतिक्रिया दी गई है। अमेरिका और जर्मनी ने आधिकारिक तौर पर भारतीय लोकतंत्र पर चिंता प्रकट की है। स्वाभाविक है कि यह भारत के आंतरिक मामलों में बेवजह का दखल है, जिस पर भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने इन दोनों देशों के दूतावास के अधिकारियों को तलब करके न सिर्फ नाराजगी का इजहार किया, बल्कि भारत के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देने की नसीहत भी दी। लेकिन अमेरिका और जर्मनी के बयान राहुल गांधी के पिछले साल ब्रिटेन में दिए गए बयान की तर्ज पर ही हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि खुद को लोकतंत्र का झंडाबरदार समझने वाले अमेरिका और यूरोपियन देशों को भारत में लोकतंत्र पर मंडरा रहे खतरे पर आँख मूंदे नहीं रहना चाहिए। अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने अमेरिका और ब्रिटेन में दिए भाषणों में मोदी के नेतृत्व में भारत में लोकतंत्र खत्म होने की बात कही थी। राहुल गांधी के अमेरिका और यूरोप के दौरे के बाद दिल्ली प्रदेश कांग्रेस और पंजाब प्रदेश कांग्रेस के विरोध के बावजूद कांग्रेस ने अरविन्द केजरीवाल को विपक्षी गठबंधन में शामिल किया। जिस तरह अमेरिका ने राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता खत्म होने पर सवाल खड़ा किया था, ठीक उसी तरह अरविन्द केजरीवाल की गिरफ्तारी पर भी सवाल खड़ा किया। संयुक्त राष्ट्र की टिप्पणी और भी ज्यादा आपत्तिजनक है, जिसमें कहा गया कि लोकसभा चुनावों से पहले उनकी गिरफ्तारी के बाद दुनिया को उम्मीद है कि भारत में संसदीय चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष होंगे। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटरेस के प्रवक्ता स्टीफन से एक

प्रायोजित सवाल पूछा गया था। सवाल पूछने वाला बांग्लादेशी पत्रकार मुश्फिकुल फजल अंसारी पहले भी भारत विरोधी सवाल पूछता रहा है। वह बांग्लादेश में कई मामलों में वांछित है।

अंसारी ने कांग्रेस के बैंक खाते सील होने और केजरीवाल की गिरफ्तारी को भारत में राजनीतिक अशांति करार देते हुए सवाल किया था। क्या भारत के क़ानून के अंतर्गत हुई ये दोनों घटनाएं राजनीतिक अशांति है? कांग्रेस के बैक खातों को सील किए जाने पर अदालत ने कोई राहत नहीं दी, अलबत्ता आयकर विभाग की कार्रवाई को उचित ठहराया है। क्योंकि कांग्रेस ने आयकर से छूट हासिल करने के लिए समय सीमा में रिटर्न नहीं भरा और अपनी आय को छुपाया। उसी तरह अरविन्द केजरीवाल की गिरफ्तारी पर भी कोर्ट ने कोई स्टे नहीं दिया, जबकि उनसे पूछताछ के लिए रिमांड दिया गया है। इसलिए पत्रकार का सवाल ही राजनीति से प्रेरित और प्रायोजित था, और जवाब उससे भी अधिक प्रायोजित और राजनीति से प्रेरित था। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन ने पहले से लिखा हुआ जवाब पढ़ते हुए कहा कि भारत या जहां कहीं भी चुनाव होते हैं, वहां सभी के नागरिक अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र के इस बयान को भारत में एक बड़ा मुद्दा बनाकर पेश किया गया। क्या यह संयोग है कि अरविन्द केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने भी दिल्ली हाईकोर्ट में लगातार नागरिक अधिकारों का हवाला दिया था। विपक्ष के लगभग सभी नेताओं और केजरीवाल के वकील ने कोर्ट में भी लोकसभा चुनावों के समय उनकी गिरफ्तारी पर सवाल उठाया था। अमेरिका, जर्मनी और संयुक्त राष्ट्र भी केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनावों से जोड़कर देख रहा है। आखिर यह एक जैसी भाषा कैसे आ रही है, जबकि केजरीवाल को पहला सम्मन तो अक्टूबर 2023 में गया था, गिरफ्तारी से पहले उन्हें 9 सम्मन जा चुके थे । सम्मन का सम्मान न करने के लिए उन पर केस दायर हुआ, जिसमें उन्हें जमानत लेनी पड़ी। यहाँ तक कि जब केजरीवाल खुद राहत पाने के लिए हाईकोर्ट गए थे, तो हाईकोर्ट ने उन्हें कोई राहत नहीं दी थी। गिरफ्तारी के बाद भी वह जांच में ईडी को सहयोग नहीं दे रहे, उन्होंने ईडी को अपने फोन और अन्य इलेक्ट्रोनिक डिवाईस के पासवर्ड देने से इंकार कर दिया है। चुनावों से ठीक पहले विदेशों से नरेंद्र मोदी सरकार पर अचानक हमले तेज नहीं हुए हैं। इसकी पटकथा पिछले दो साल से लिखी जा रही थी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाईडेन की डेमोक्रेटिक पार्टी को सबसे ज्यादा फंडिंग करने वाले जार्ज सोरोस ने कुछ महीने पहले कहा था कि भारत में लोकतंत्र तब पुनर्जीवित होगा, जब नरेंद्र मोदी चुनाव हारेगा। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के समय जार्ज सोरोस का एक प्रतिनिधि उनसे मिलने भी पहुंचे था, जिसकी राहुल गांधी के साथ चलते हुए तस्वीर वायरल हुई थी। राहुल गांधी जब भारत जोड़ो यात्राओं के दौरान अमेरिका और ब्रिटेन गए थे, तो उनके सारे कार्यक्रमों का आयोजन जिन एनजीओ ने किया था, उनको जार्ज सोरोस फंडिंग करते हैं। जार्ज सोरोस ने मोदी को चुनावों में हराने के लिए असीमित पैसा खर्च करने का एलान किया हुआ है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाईडेन की पार्टी को सबसे ज्यादा फंडिंग जार्ज सोरोस ही करते हैं, और वह अमेरिका की नीतियों को भी प्रभावित करते हैं। सवाल यह है कि क्या अमेरिका का बाईडेन प्रशासन नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री के तौर पर नहीं देखना चाहता। खबर यह है कि अमेरिका मोदी के मुकाबले लचीले रूख वाला प्रधानमंत्री देखना चाहता है, ताकि वह आसानी से भारत की राजनैतिक और आर्थिक नीतियों को प्रभावित कर सके। अमेरिका को यह कतई पसंद नहीं आया कि उसके विरोध के बावजूद भारत ने यूक्रेन युद्ध के दौरान रूस से तेल खरीदा। मोदी सरकार ने अमेरिकी दबाव के आगे झुकने से इंकार कर दिया था।

अमेरिका का आकलन यह था कि भारत में मोदी विरोधी लहर चल रही है, इसलिए हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में कांग्रेस जीती है। उन्हें राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी भाजपा के हारने की उम्मीद थी। लेकिन इन तीनों राज्यों में मतदान के बाद जब भाजपा की जीत की खबरें आने लगी, तो चुनाव नतीजों से तीन दिन पहले 30 नवंबर 2023 को अमेरिका ने खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश में भारत का हाथ होने का आरोप लगा कर मोदी सरकार के खिलाफ खुली कूटनीतिक जंग का बिगुल बजा दिया था। इसके बाद भारत ने भी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। भारत ने दो टूक पूछा था कि अमेरिका में कितने खालिस्तान समर्थक रहते हैं। चुनावों से ठीक पहले अमेरिका से भारत विरोधी गतिविधियों में बढ़ोतरी हुई है। जिनका मकसद चुनाव से पहले प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को राजनीतिक रूप से कमजोर करना है। इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि अमेरिका अपने चीन विरोधी अभियान में भारत को मोहरा बनाना चाहता था, लेकिन मोदी सरकार ने इससे इंकार कर दिया। मोदी सरकार ने कहा कि भारत किसी का विरोध या समर्थन अपने हितों को ध्यान में रख कर ही करेगा। इसलिए मोदी इस चुनाव को भारतीय अस्मिता का चुनाव बना कर लड़ रहे हैं। ताकि अमेरिका अपनी मर्जी का कठपुतली प्रधानमंत्री बनवा कर भारत की नीतियों को प्रभावित न कर सके। भारत की सात प्रतिशत विकास दर के अनुमान से भी अमेरिका चिंतित है, क्योंकि दुनिया के सबसे बड़े बाजार वाला लोकतांत्रिक देश भारत आने वाले दशकों में अमेरिका की दादागिरी के लिए एक बड़ी चुनौती हो सकता है।

# मोदी सरकार में कैसी बदली विदेश नीति

**हर्ष वी पंत**

राजनीति में एक दिन भी काफी लंबा समय हो सकता है, लेकिन विदेश नीति में एक दशक को भी अक्सर गंभीर मूल्यांकन के लिहाज से पर्याप्त नहीं माना जाता। हालांकि, पिछला दशक इस मामले में अपवाद रहा है। इस दौरान वैश्विक राजनीति में आए बदलावों की प्रकृति तो खास है ही, इनका दायरा भी व्यापक रहा है। ऐसे में भारतीय विदेश नीति में भी बुनियादी बदलाव आना स्वाभाविक है। लेकिन विदेश नीति में आए इन बदलावों पर वैश्विक हालात और समीकरणों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत भागीदारी की भी अमिट छाप नजर आती है। याद किया जा सकता है कि मोदी जब 2014 में सत्ता में आए थे तो उन्हें एक ऐसा क्षत्रप बताया जा रहा था जिसे विदेशी नीति का कोई अनुभव नहीं था। 'हिंदू राष्ट्रवादी नेता' की उनकी छवि को भी खास तौर पर इस्लामी राष्ट्रों के साथ अच्छे रिश्तों की राह में बाधा माना जा रहा था। लेकिन मोदी 'इंडिया फर्स्ट' के मंत्र को केंद्र में रखते हुए एक व्यावहारिक विदेश नीति को अपनाकर विरोधियों और समर्थकों दोनों को चौंकाने में कामयाब रहे। इन दस वर्षों में उन्होंने भारतीय विदेश नीति को ऐसा रूप दिया, जिसके बारे में पहले शायद ही किसी ने कल्पना की हो। पीएम मोदी की अगुआई में सबसे बड़ा बदलाव यह आया कि वैश्विक मंच पर न केवल अहम भूमिका निभाने बल्कि रूल मेकर के रोल में आने की नई दिल्ली की आकांक्षा लगातार मजबूत होती गई। वैश्विक मंच पर मोदी की कूटनीति ने भारतीय आकांक्षाओं को नए पंख दिए। इसका नतीजा यह हुआ कि पिछले दशक तक वैश्विक मामलों में अहम भूमिका की पेशकश ठुकराने वाला देश एक ऐसे राष्ट्र में तब्दील हो गया, जो ग्लोबल गवर्नेंस में योगदान करने के लिए हमेशा आगे नजर आता है। पिछले दिनों सोमालिया के पास समुद्री डाकुओं के चंगुल में फंसे एक कमर्शल जहाज को छुड़ाने का भारतीय नौसेना का अभियान इस बात का ताजा सबूत है। मोदी के इस एक दशक के दौरान घरेलू और विदेशी का कृत्रिम विभाजन खत्म हो गया। भारत की मुख्य प्राथमिकता घरेलू मोर्चे पर विकास के जरिए हो रही कायापलट ही रही। भारतीय कूटनीति भी विकास संबंधी राष्ट्रीय आकांक्षाओं की पूर्ति के एक साधन के रूप में संचालित होती रही। इसने बाहरी दुनिया से हमारे संपर्कों को एक खास व्यावहारिक नजरिया दिया जिसके तहत अब विचारधारा के बजाय भागीदारी महत्वपूर्ण भूमिका में आ गई। संबंध राष्ट्रीय जरूरतों से तय होने लगे। इसका एक बेहतरीन उदाहरण तब सामने आया, जब यूक्रेन युद्ध के बीच भारत पश्चिमी देशों के साथ करीबी रिश्ता बनाए रखते हुए रूस से अपने विशिष्ट संबंध भी कायम रखने में कामयाब रहा।

# अमरीकी दोस्ती में बांह मरोड़ने को बर्दाश्त नहीं करेगा भारत

**योगेंद्र योगी**

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के मामले में अमरीका को उसी के लहजे में सख्त जवाब देकर भारत ने बता दिया है भारत के अंदरूनी मामलों में किसी भी देश का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, चाहे वे मित्र देश ही क्यों न हों। कड़ा जवाब देकर भारत ने अमरीका को यह भी समझा दिया कि दोस्ती की आड़ में बांह मरोडने का प्रयास दोनों देशों के रिश्तों में दरार डाल सकता है।

ऐसा करने पर भारत-अमरीका के रिश्तों पर फर्क पड़ सकता है। केजरीवाल की गिरफ्तारी पर की गईं कुछ टिप्पणियों के विरोध में अमेरिका के एक वरिष्ठ राजनयिक को भारत द्वारा तलब किये जाने पर वाशिंगटन ने दोहराया था कि वह निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध कानूनी प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित करता है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था मैं किसी निजी राजनयिक बातचीत के बारे में बात नहीं करने जा रहा हूं, लेकिन निश्चित रूप से, हमने सार्वजनिक रूप से जो कहा है, वही मैंने यहां से कहा है कि हम निष्पक्ष, पारदर्शी, समयबद्ध कानूनी प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित करते हैं। हमें नहीं लगता कि किसी को इस पर आपत्ति होनी चाहिए। यही बात हम निजी तौर पर स्पष्ट कर देंगे। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने अमेरिकी दूतावास की कार्यवाहक उपप्रमुख ग्लोरिया बरबेना को तलब किया था, अमेरिकी विदेश विभाग की टिप्पणी को अनुचित करार देते हुए कहा था कि उसे अपनी स्वतंत्र और मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाओं पर गर्व है और वह इन्हें किसी भी प्रकार के अनावश्यक बाहरी प्रभाव से बचाने के लिए प्रतिबद्ध है। विदेश मंत्रालय ने इस मामले में अमेरिकी डिप्लोमैट ग्लोरिया बारबेना को तलब किया था। मंत्रालय ने कहा था कि भारत में कानूनी कार्रवाई पर अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का बयान गलत है। कूटनीति में उम्मीद की जाती है कि देश एक दूसरे के आंतरिक मसलों और संप्रभुता का सम्मान करेंगे। अगर दो देश लोकतांत्रिक हों तो इसकी उम्मीद और बढ़

जाती है नहीं तो अव्यवस्था की स्थिति बन सकती है। गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में केजरीवाल को गिरफ्तार किया है।

केजरीवाल मुद्दे पर अमेरिका की तरफ से आए दूसरे बयान पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका के बयान पर भारत पहले ही आपत्ति जता चुका है। उसका ताजा बयान अवांछनीय है। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसी मुद्दे पर भारत ने अमरीका के साथ ही जर्मनी को करारा जवाब दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत में न्याय प्रणाली स्वतंत्र है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित जर्मन दूतावास मिशन के उप प्रमुख जॉर्ज एन्ज़वीलर को तलब किया। भारत ने जर्मनी के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की टिप्पणी को भारत के आंतरिक मामलों में दखल बताते हुए अपना कड़ा विरोध दर्ज किया।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि हम ऐसी टिप्पणियों को हमारी न्यायिक प्रक्रिया में दखल और हमारी न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर करने के रूप में देखते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब भारत ने अमरीका की सुनने से इंकार कर दिया। इससे पहले अमरीका निवासी खालिस्तानी आतंकी गुरवंत सिंह पन्नू के मामले में भी भारत ने अमरीका को सख्त लहजे में समझाते हुए दर्शा दिया था कि भारत विरोधी कार्रवाई को किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जा जाएगा। भारत की दोस्ती को अमरीका कमजोरी नहीं समझे। अमेरिकी अफसरों ने दो भारतीय नागरिकों पर गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की विफल साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया था। निखिल गुप्ता और एक अनाम सरकारी अधिकारी पर यह आरोप लगाए थे। अमेरिका का ये भी दावा है कि यही आरोपी हरदीप सिंह निज्जर के मर्डर की प्लानिंग में भी शामिल थे। इसको लेकर न्याय विभाग ने मैनहैटन अदालत में अभियोग (आरोप पत्र) दर्ज किया था। भारत ने इस मुद्दे पर करारा जवाब देते हुए अमरीका को अपनी जमीन से भारत विरोधी गतिविधियां संचालित करवाने का आरोप लगाया था।

इसी तरह भारत ने आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में कनाड़ा और अमरीका को कड़ा जवाब दिया था। हालांकि इस मुद्दे पर अमरीका ने सीधे कोई हस्तक्षेप नहीं किया। भारत ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के निज्जर की हत्या करवाने के आरोपों का खारिज करते हुए करीब दो दर्जन से ज्यादा डिप्लोमट को बाहर का रास्ता दिखाते हुए अपनी बदली हुई विदेश नीति से वाकिफ भी करा दिया था। भारत के ऐसे सख्त रवैये से कनाडा भौचक्का रह गया। ट्रूडो ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि भारत ऐसा रवैया भी अख्तियार कर सकता है।

भारत ने कनाडा पर खालिस्तानी आतंकियो को पनाह देने का आरोप लगाया था। भारत पर लगाए निज्जर की हत्या के आरोपों का कनाडा साबित नहीं कर सका। केवल सिक्ख वोट बैंक पाने के लिए कनाड़ा ने भारत पर यह आरोप लगाया था। इसी तरह भारत ने अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप को लेकर तुर्की की भी खिचाई की थी। कश्मीर के मुद्दे पर भारत-तुर्कीये एक बार फिर से आमने-सामने आ गए थे। आश्चर्य की बात यह है कि अमरीका की पूरे विश्व में अब कोई नहीं सुन रहा है। इजराइल ने भी अमेरिका को अनसुना करके हमास से युद्धविराम करने से साफ इंकार कर दिया। इसी तरह यूक्रेन युद्ध के मामले में अमरीका की नीति विफल साबित हुई। फ्रांस ने साफ कह दिया कि वह अमरीका का पिछलग्गू नहीं बनेगा। हालात यह है कि अमरीका अपना घर संभालने के बजाए दूसरे मुल्कों में टांड अड़ाने से बाज नहीं आ रहा है।

# फिलीपीन के बहाने पश्चिम को व्यापक संदेश

**जतेंद्र उत्तम**

दक्षिण चीन सागर में फिलीपीन के क्षेत्रीय दावे पर चीन के आक्रामक रुख से भारत को अरुणाचल प्रदेश में अपनी संप्रभुता पर चीन के अतिक्रमण के खिलाफ पलटवार करने का अवसर मिला है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा द्वारा चीनी डेवलपर बाइटडांस की सोशल मीडिया सेवा टिकटॉक पर प्रतिबंध को मंजूरी देने से निराश बीजिंग अचानक अपने राष्ट्रवादी रुख के प्रति संवेदनशील हो गया है और पड़ोस में अपने क्षेत्रीय दावों के प्रति कठोर रवैया अपना रहा है। अरुणाचल प्रदेश पर दावा जताने के तुरंत बाद चीन दक्षिण चीन सागर में स्थित स्प्रैटली द्वीप समूह में फिलीपीन की संप्रभुता को कमजोर करने के अपने मंसूबों को लेकर काफी आक्रोश में है।

चीन की इस नई आक्रामकता का भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने खुला विरोध किया है, जो दक्षिण पूर्व एशिया के तीन देशों के दौरे पर थे। विगत 26 मार्च को मनीला की यात्रा के दौरान उन्होंने दक्षिण चीन सागर के द्वीपों पर फिलीपीन के दावों के बारे में उसकी राष्ट्रीय संप्रभुता को बनाए रखने के प्रति भारत के समर्थन को दृढ़ता से दोहराया। उन्होंने कहा कि समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (यूएनसीएलओएस) को समुद्र का संविधान माना गया है और सभी देशों से आग्रह किया गया है कि वे इसका अक्षरश: एवं भावों में पूरी तरह से पालन करें।

दक्षिण चीन सागर की स्थिति पर करीब से नजर डालते हुए अमेरिकी उप रक्षा मंत्री ने मई, 2015 में सीनेट की बैठक में पुष्टि की कि वियतनाम ने 48 चौकियां स्थापित की हैं, फिलीपीन ने आठ, मलयेशिया ने पांच और ताइवान ने स्प्रैटली द्वीप समूह में एक चौकी स्थापित की है। छोटे पैमाने पर, वियतनाम और फिलीपीन ने दशकों तक द्वीप निर्माण जारी रखा। चीन बदलती जमीनी हकीकत के प्रति देर से जागा, लेकिन उसने अभूतपूर्व पैमाने पर द्वीप निर्माण शुरू किया। वर्ष 2014 से 2016 के बीच चीन ने पूरे इतिहास में अन्य सभी देशों द्वारा निर्मित द्वीपों की तुलना में सबसे ज्यादा

नए द्वीपों का निर्माण किया और अपने सैन्य उपकरण भी तैनात किए। विशेषज्ञों ने दक्षिण चीन सागर में चीनी कार्रवाई को धीरे-धीरे नष्ट करने की रणनीति बताया है।

दक्षिण चीन सागर में और अधिक गिरावट से बचने के लिए जुलाई 2016 में यूएनसीएलओएस के तहत गठित मध्यस्थता न्यायाधिकरण ने दक्षिण चीन सागर में चीन के दावों के खिलाफ फैसला सुनाया। हालांकि चीन और ताइवान, दोनों ने स्पष्ट रूप से कहा कि वे न्यायाधिकरण को नहीं मानते हैं और इस मामले को अन्य दावेदारों के साथ द्विपक्षीय बातचीत से सुलझाया जाना चाहिए। जनवरी, 2022 में अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने दक्षिण चीन सागर में चीनी दावे को गैर-कानूनी बताया।

दक्षिण चीन सागर वैश्विक व्यापार के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि सालाना 33.7 खरब डॉलर मूल्य का व्यापारिक सामान इससे होकर गुजरता है। चीन के लिए इस क्षेत्र के महत्व को कोई भी समझ सकता है, क्योंकि उसकी 80 प्रतिशत ऊर्जा और देश के कुल व्यापार का अनुमानित 39.5 प्रतिशत दक्षिण चीन सागर से होकर ही गुजरता है। यह क्षेत्र तेल और प्राकृतिक गैस भंडार से समृद्ध है। चीनी भूवैज्ञानिक संसाधन और खनन मंत्रालय के अनुसार, दक्षिण चीन सागर में 17.7 अरब बैरल कच्चा तेल हो सकता है, जो तेल समृद्ध कुवैत के 13 अरब बैरल के भंडार से बड़ा है। ऐसे उच्च महत्व वाले क्षेत्र में चीन के आक्रामक व्यवहार द्वारा अन्य देशों की जल संप्रभुता के उल्लंघन और द्वीपों पर क्षेत्रीय दावे का न सिर्फ भारत ने विरोध किया है, बल्कि फिलीपीन, वियतनाम और इंडोनेशिया सहित कई अन्य एशियाई देशों ने भी विरोध किया है।

कई एशियाई देशों की क्षेत्रीय अखंडता को कमजोर करने वाली चीनी कार्रवाइयों के प्रति भारत की सीधी टक्कर ने हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण के प्रति इसकी रणनीति में एक नए मोड़ का संकेत दिया है। नई दिल्ली तेजी से हिंद-प्रशांत के विशाल भौगोलिक क्षेत्रों में समान विचारधारा वाले देशों द्वारा नियम-आधारित व्यवस्था के जरिये चीन पर नियंत्रण करने के विचारों से सहमत होती दिख रही है। कहा जा सकता है कि बीजिंग के आक्रामक एकपक्षवाद को रोकने के लिए भारत हिंद-प्रशांत स्तर पर सहकारी बहुपक्षवाद को कायम कर रहा है।

क्षेत्रीय सहयोग में आसियान केंद्रीयता का समर्थन करके भारत ने इस क्षेत्र में न सिर्फ आर्थिक, बल्कि रणनीतिक संबंध बनाने के लिए अपनी एक्ट ईस्ट नीति को पुनर्जीवित किया है। नई दिल्ली आसियान सदस्यों को एक ऐसे संभावित समूह के रूप में देखती है, जो सामूहिक रूप से बीजिंग पर नियम आधारित उदार व्यवस्था का पालन करने के लिए दबाव डाल सकते हैं, जो चीन के क्षेत्रीय अलगाव का कारण बन सकता है। अपनी बदली हुई मानसिकता के तहत भारत ने फिलीपीन के साथ रणनीतिक रूप से खुद को जोड़ा है। भारत ने फिलीपीन को परमाणु-सक्षम सुपरसोनिक ब्रह्मोस क्रूज मिसाइलें बेचने का फैसला किया, जो भारत-रूस सहयोग का एक उत्पाद है। भारत ने वियतनाम और इंडोनेशिया के साथ अपनी रणनीतिक निकटता को भी प्राथमिकता दी है। लगता है कि भारत ने बीजिंग का प्रतिकार करने के लिए एक्ट ईस्ट पॉलिसी के ढांचे में उभरती शक्ति कूटनीति को व्यक्त किया है। भारत की उभरती शक्ति कूटनीति हिंद-प्रशांत ढांचे के तहत परिकल्पित वैश्विक रणनीतिक दृष्टि से बेहतर ढंग से मेल खाती है। इस क्षेत्र में कई उभरती हुई शक्तियां हैं, जो हिंद-प्रशांत समूह के भीतर एक छोटा समूह बनाने में सक्षम हैं, और चीन को प्रभावी ढंग से नियंत्रित कर सकती हैं। एशिया की उभरती शक्तियों में लगातार बढ़ते चीन-अमेरिका विवाद को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने की क्षमता है।

# गाजा पट्टी में युद्ध और मानवीय पीड़ा पर विराम की जरूरत

**ललित गर्ग**

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने ग़ाज़ा पट्टी में युद्ध और मानवीय पीड़ा पर विराम लगाने के लिए, तत्काल युद्धविराम लागू किए जाने और तमाम बन्धकों की तत्काल व बिना शर्त रिहाई की मांग करने वाला एक नया प्रस्ताव पारित कर दिया है। यह प्रस्ताव, 11 मार्च को शुरू हुए रमजान के महीने की करुण एवं मानवीय पुकार है, साथ ही, इजराइल पर हमलों के दौरान बन्धक बनाए लोगों में से शेष 130 लोगों को रिहा किए जाने की मांग है। हमास एवं इजराइल के बीच चल रहे युद्ध को विराम देकर, शांति का उजाला करने, अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव करने के लिये को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को दृढ़ता से शांति प्रयास एवं युद्ध विराम को लागू करना ही चाहिए। मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध की विभीषिका से मुक्ति देनी चाहिए। इन दोनों देशों को अभय बनकर विश्व को निर्भय बनाना चाहिए। निश्चय ही यह किसी एक देश या दूसरे देश की जीत नहीं बल्कि समूची मानव-जाति की जीत होगी। यह समय की नजाकत को देखते हुए जरूरी है और इस जरूरत को महसूस करते हुए दोनों देशों को अपनी-अपनी सेनाएं हटाने के लिए तैयार हो जाना चाहिए। ग़ाज़ा में विशाल स्तर पर उपजी आवश्यकताओं और ज़रूरतमन्द आबादी तक मानवीय सहायता पहुँचाएं जाने की भी जरूरत है, क्योंकि वहां के लोग भुखमरी के कगार पर पहुँच चुके है। छह महीने से जारी इस भयंकर जंग के दौरान यह पहला मौका है, जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने युद्धविराम का प्रस्ताव पारित किया है। यह इसलिए संभव हुआ कि अमेरिका ने इसे वीटो करने से परहेज किया। निश्चित रूप से सुरक्षा परिषद का यह प्रस्ताव विश्व जनमत से उपजे दबाव की अभिव्यक्ति है। बड़े शक्तिसम्पन्न राष्ट्रों को इस युद्ध विराम देने के प्रस्ताव को बल देना चाहिए और इसे लागू करने के प्रयास करने चाहिए। पिछले सात अक्टूबर को हमास की ओर से किए गए आतंकी हमले के खिलाफ जब इजराइल ने कार्रवाई की बात कही तो अमेरिका और भारत समेत तमाम देशों की सहानुभूति उसके साथ थी। लेकिन इजराइल ने जिस तरह से गाजा में हवाई हमले शुरू किए और वहां से आम लोगों के हताहत होने की खबरें आने लगीं, उसके बाद यह आवाज तेज होती गई कि इजराइल को अपने अभियान का स्वरूप बदलना चाहिए। अब तक गाजा में करीब 32 हजार लोगों के मारे जाने की खबरें हैं, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। भारत हमेशा युद्ध-विरोधी रहा है, युद्ध-विराम की उसकी कोशिशें निरन्तर चलती रही है। किसी भी देश में यह भ्रम पैदा नहीं होना चाहिए कि भारत हाथ पर हाथ धरे बैठा रहा है। भारत ने उचित ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को यह भी बता दिया है कि वह सभी संबंधित पक्षों के संपर्क में है और उनसे बातचीत की मेज पर लौटने का आग्रह कर रहा है। निस्संदेह, भारत को मानवता के पक्ष में शांति, युद्ध-विराम और राहत के प्रयासों में जुटे रहना चाहिए। भारत के ऐसे प्रयासों का ही परिणाम है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने युद्धविराम का ऐसा प्रस्ताव पारित किया है। गाजा पट्टी में हिंसक टकराव पर विराम लगाने के लिए सुरक्षा परिषद की कई बैठकें हो चुकी हैं, मगर फिलहाल यह सम्भव नहीं हो पाया है। नवम्बर 2023 में एक सप्ताह के लिए लड़ाई रोकी गई थी और गाजा से बंधकों और इजराइल से फलस्तीनी बंदियों की अदला-बदली हुई थी। मगर, इसके बाद लड़ाई फिर भड़क उठी और इसमें तेजी आई है। गाजा में मृतक संख्या और भूख व कुपोषण से प्रभावित फलस्तीनियों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। इसके मद्देनजर लड़ाई को जल्द से जल्द रोके जाने और मानवीय पीड़ा पर मरहम लगाने की मांग भी प्रबल हो रही है। दुनिया के किसी भी हिस्से में मानवता का इस तरह पीड़ित एवं मर्माहत होना शर्म की बात है। इस शर्म को लगातार ढ़ोते रहना शक्तिसम्पन्न एवं निर्णायक राष्ट्रों के लिये शर्मनाक ही है। अब एक सार्थक पहल हुई है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए।

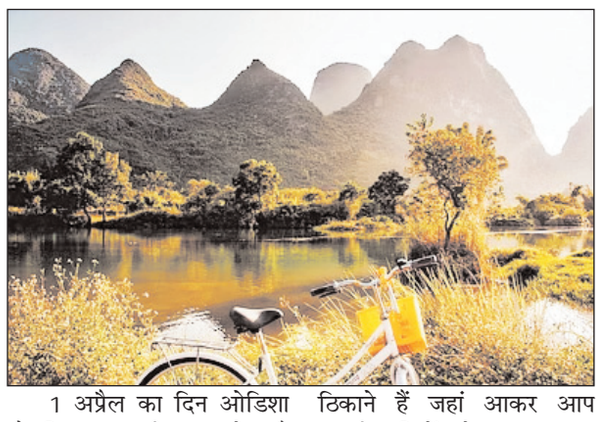

# ‘बीच’ से हटके ओडिशा का ये हिल स्टेशन है गर्मियों में सैर-सपाटे के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन

1 अप्रैल का दिन ओडिशा के लिए बहुत ही खास होता है क्योंकि आज ही के दिन ओडिशा राज्य की स्थापना हुई थी। खूबसूरती के साथ ओडिशा अपने नृत्य और व्यंजनों के लिए भी बेहद मशहूर है। यहां कई ऐसे ठिकाने हैं जहां आकर आप अपनी छुट्टियों को शानदार बना सकते हैं। ऐसी ही एक जगह है दरिंगबाड़ी जहां की सैर आज हम करेंगे।

साल 1936 में आज यानी 1 अप्रैल के दिन ओडिशा को एक अलग राज्य के रूप में मान्यता दी गयी थी, जिसके बाद से हर साल इस दिन को ओडिशा दिवस या उत्कल दिवस के रूप में मनाया जाता है। उड़ीसा का नाम 2011 में बदलकर ओडिशा कर दिया गया था। तरह-तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर इस दिन का जश्न मनाया जाता है। वैसे ओडिशा अपने साफ-सुथरे समुद्री तटों, खानपान और संस्कृति के लिए जाना जाता है, लेकिन यहां और भी काफी कुछ है एक्सप्लोर करने के लिए। अगर आप एडवेंचर पसंद हैं या नेचर के साथ वक्त बिताना पसंद हैं, तो यहां ऐसे ही ठिकानों की कोई कमी नहीं, लेकिन आज हम आपको यहां के ऐसे हिल स्टेशन की सैर पर ले चलेंगे, जिसकी खूबसूरती है बेमिसाल। इसका नाम है दरिंगबाड़ी।

## दरिंगबाड़ी

दरिंगबाड़ी ओडिशा के कंधमाल जिले में बसा है। देवदार के घने जंगलों से घिरी यह जगह बेहद खूबसूरत है। माना जाता है कि डेरिंग नाम के एक ब्रिटिश अधिकारी की नज़र सबसे पहले इस जगह पर पड़ी थी और उसी के नाम पर इसका नाम डेरिंगबाड़ी पड़ा। जो बाद में बदलकर दरिंगबाड़ी हो गया है। इस जगह अंग्रेज गर्मियों की छुट्टियां बिताने आते थे। दरिंगबाड़ी में लोगों की भीड़ कम ही देखने को मिलती है। यह हिल स्टेशन पहाड़ियों से बीचों-बीच है जिस वजह से यहां का मौसम सुहावना रहता है। दरिंगबाड़ी पहुंचने का रास्ता भी बेहद शानदार है। रास्ते में आपको कॉफी और मसालों के बागान मिलेंगे। इसी वजह से इस जगह को ‘ओडिशा का कश्मीर’ भी कहा जाता है।

## बेलघर अभ्यारण्य

दरिंगबाड़ी में बलघर अभ्यारण्य उन लोगों को जरूर पसंद आएगी, जो नेचर और जानवरों से प्यार करते हैं। कई तरह के जंगली जानवरों के साथ यहां हाथी भी देखे जा सकते हैं।

## वाटरफॉल

दरिंगबाड़ी में प्राकृतिक नजारे ज्यादा देखने को मिलेंगे। यहां आएं तो मदुबंडा और बार्दगिया झरना भी देखने वाली अच्छी जगहे हैं। कई प्रकार के पेड़ों, फूलों से भरी हुई है यह जगह। जहां आप शांति से कुछ वक्त बिता सकते हैं।

## लवर्स प्वाइंट

लवर्स प्वाइंट नाम से ही क्लियर हो रहा होगा, लेकिन यहां आसपास फैली हरियाली और खूबसूरती मन को मोहने का कोई मौका नहीं छोड़ती।

## कब जाएं?

वैसे तो आप कभी भी दरिंगबाड़ी आने का प्लान कर सकते हैं, लेकिन हिल स्टेशन्स घूमने का असली मजा गर्मियों में ही आता है। सर्दियों में घूमना मुश्किल हो सकता है और मानसून में खतरनाक।

# भारत के इन ठिकानों को घूमने के लिए नहीं ज्यादा पैसों की जरूरत

## मात्र 5000 रूपए में कर सकते हैं यहां की सैर

**घूमने का शौक तो हैं लेकिन अगर आप बहुत ज्यादा पैसे नहीं खर्च करना चाहते तो आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने वाले हैं जिसके लिए जेब में बस 5000 रुपए हैं काफी। गर्मियों का सीजन इन जगहों को घूमने के लिए है बेस्ट। दो से तीन दिनों की छुट्टी में आप कर सकते हैं यहां का प्लान।**

अगर आप घूमने-फिरने का शौक तो रखते हैं, लेकिन बजट के चलते कई बार प्लान ठप हो जाता है, तो आज हम आपको ऐसी कुछ जगहों के बारे में बताने वाले हैं, जहां की सैर आप मात्र 5000 रुपए में निपटा सकते हैं। भारत की ये जगहें खूबसूरती में भी कम नहीं। गर्मियों का सीजन इन जगहों पर घूमने के लिए बेस्ट होता है। साथ ही दो से तीन का वक्त काफी है इन जगहों को एक्सप्लोर करने के लिए। आइए जान लेते हैं इन लिस्ट में कौन-कौन सी जगहें हैं शामिल।

### अंडरेट्टा

हिमाचल में बसा छोटा सा, लेकिन बेहद खूबसूरत गांव है अंडरेट्टा, जिसे Aritstic Village भी कहा जाता है। ये हिमाचल का ऑफबीट डेस्टिनेशन है, जहां पर्यटकों की भीड़ कम ही देखने को मिलती है। नेचर से लेकर एडवेंचर हर तरह के ट्रैवलर्स यहां आकर मौज-मस्ती कर सकते हैं। रिलैक्सिंग वेकेशन के लिए ये बहुत ही शानदार जगह है। गांव में तो आप नेचर ही एन्जॉय कर पाएंगे, लेकिन यहां से 180 किलोमीटर दूर बीर-बिलिंग पहुंचकर आप पैराग्लाइडिंग के मजे ले सकते हैं।

### मुक्तेश्वर

उत्तराखंड के नैनीताल से कुछ ही घंटों का सफर तय कर आप पहुंच सकते हैं मुक्तेश्वर। इस जगह को भी आप आसानी से 5000 में कवर कर सकते हैं और गर्मियों का सीजन तो बेस्ट है यहां घूमने के लिए। मुक्तेश्वर वैसे तो अपने मंदिरों के लिए ज्यादा मशहूर है, लेकिन और भी कई जगहें हैं जहां आप दो से तीन दिनों की छुट्टियों को यादगार बना सकते हैं। ट्रेकिंग के शौकीन हैं या शुरू करना चाहते हैं, तो यहां उसे भी आजमा सकते हैं।

### मांडू

मध्य प्रदेश का मांडू शहर भी कम बजट में सैर-सपाटे की शानदार जगह है। प्राकृतिक खूबसूरती के साथ मांडू अपने समृद्ध विरासत और वास्तुशिल्प के लिए जाना जाता है। यह जगह राजकुमार बाज बहादुर और रानी रूपमती के बीच प्रेम का भी प्रतीक भी है।

### अमृतसर

अमृतसर नहीं देखा, तो यहां का भी प्लान बना सकते हैं अगर आपका बजट कम है तो। गोल्डेन टैंपल की प्रसिद्धि से तो आप वाकिफ होंगे ही, लेकिन आसपास और भी जगहें हैं जो शॉर्ट ट्रिप के लिए बेस्ट है। वैसे अगर आप खाने-पीने के शौकीन हैं, तो यहां उसके भी काफी सारे ऑप्शन्स हैं।

# भारत में इस जगह पाए जाते हैं तैरने वाले ऊंट, खासियत जान आप भी रह जाएंगे हैरान

ऊंट को रेगिस्तान का जहाज कहकर पुकारा जाता है। आपको मालूम होगा कि इनमें पानी के बिना कई दिनों तक रहने का हुनर होता है रेत पर चलते हुए आपने भी इन्हें कई बार देखा होगा लेकिन क्या आपने कभी पानी में तैरते ऊंट को देखा है? जी हां यह ऊंट की ऐसी प्रजाति है जो कहीं विदेश में नहीं बल्कि भारत में ही पाई जाती है। आइए जानते हैं।

आप हमेशा से यह सुनते आ रहे होंगे, कि ऊंट को रेगिस्तान का जहाज कहा जाता है, लेकिन क्या आप इनकी ऐसी प्रजाति के बारे में जानते हैं, जो पानी में तैर सकते हैं? जी हां, सही पढ़ा आपने। आज हम आपको ऊंटों की इसी प्रजाति के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे ‘खराई’ कहा जाता है। ये भारत में किस जगह पाए जाते हैं, और क्या है इनकी खासियत... जानने के लिए पढ़िए हमारा यह आर्टिकल।

## भोजन की तलाश में पार करते हैं समुद्र

गुजरात के कच्छ में ऊंटों की ‘खाराई’ नस्ल काफी प्रसिद्ध है। इनकी खास बात है कि ये रेगिस्तान नहीं, बल्कि गहरे पानी में जाकर अपना भोजन ढूंढने की काबीलियत रखते हैं। इनका मुख्य भोजन चेर नामक पौधा है, जिसे पाने के लिए ये समुद्र भी पार कर गुजरते हैं। बता दें, कि ऊंट की इस प्रजाति को राष्ट्रीय मान्यता भी मिल चुकी है।

## इस इलाके में पाई जाती है यह नस्ल

कच्छ के तटीय गांवों ऊंट की यह नस्ल पाई जाती है। ये समुद्र में मौजूद वनस्पतियों को खाते हैं, और बिना किसी इंसानी मदद के गहरे पानी में 3 किलोमीटर दूर तक का सफर भी आराम से तय कर लेते हैं। कच्छ में पाई जाने वाली ऊंट की यह खाराई प्रजाति खोंध, सूरजबाड़ी, अंबलियारा, जंगी तक समुद्री खाड़ी क्षेत्र में देखे जाते हैं।

## घट रही है इनकी संख्या

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2012 में ऊंटों की इस प्रजाति की संख्या 4,000 थी जो अब घटकर 2,000 से कम बची है। इसके पीछे का कारण उस चेर वनस्पति की कटाई को माना जाता है, जो ऊंटों का पसंदीदा भोजन है। हालांकि, इनकी देखभाल और बचाव के लिए स्थानीय लोगों से लेकर वन विभाग और कुछ संस्थाएं भी लगातार काम कर रही हैं।

## ऊंटनी के दूध की भी है काफी डिमांड

यहां के इलाकों में ऊंटनी के दूध का भी खूब इस्तेमाल किया जाता है। इसकी मदद से कई खाद्य उत्पाद तैयार किए जाते हैं, और सेहत के लिहाज से भी इनका सेवन काफी फायदेमंद माना जाता है। यही वजह है, कि स्थानीय लोगों से लेकर आसपास के इलाकों में भी इस ऊंट के दूध की काफी मांग है। लोगों में धारणा है कि इसे पीने से मिर्गी, डायबिटीज और यहां तक की कैंसर जैसी बीमारी से भी बचा जा सकता है।

# स्पेन का 100 साल से भी पुराना कैनफ्रैंक रेलवे स्टेशन, जो अब बन चुका है खूबसूरत लग्जरी होटल

स्पेन का कैनफ्रैंक कभी यूरोप का दूसरा सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन हुआ करता है जो अब एक फाइव स्टार होटल बन चुका है। 100 से भी ज्यादा कमरों वाले इस होटल में आकर आप म्यूजियम से लेकर स्विमिंग पूल स्पा लाइब्रेरी जैसी कई सुविधाओं का मजा ले सकते हैं। स्पेन के बर्सेलो होटल ग्रूप ने इसे फाइव स्टार होटल में बदलने का काम किया है।

होटल में म्यूजियम से लेकर लाइब्रेरी, स्पा, स्विमिंग पूल जैसी कई सारी सुविधाएं मौजूद हैं।

स्पेन और फ्रांस के बॉर्डर पर स्थित कैनफ्रैंक रेलवे स्टेशन कभी यूरोप का सबसे खास रेलवे स्टेशन हुआ करता था। जो 1928 में बनाया गया था। ये इतना बड़ा था कि इसे टाइटैनिक ऑफ द माउंटेन्स कहा जाता था। समुद्र तल से 1000 मीटर की ऊंचाई पर यह रेलवे स्टेशन स्थित है। यह रेलवे स्टेशन द्वितीय विश्व युद्ध का भी साक्षी रहा है। 1970 में एक ट्रेन एक्सीडेंट के बाद यह स्टेशन बंद कर दिया गया था, लेकिन अब इसे एक शानदार होटल में तब्दील किया जा रहा है। 100 साल से भी पुराने इस रेलवे स्टेशन को होटल में बदलने के बाद अब इसमें स्विमिंग पूल, स्पा, रेस्तरां जैसी कई सुविधाएं मौजूद हैं।

इसके साथ ही 200 सीट कॉन्फ्रेंस हॉल भी बनाया गया है। 140 से ज्यादा बेडरूम्स हैं। वहीं इसमें आप रेलवे स्टेशन से जुड़ी चीज़ों का म्यूजियम भी देख पाएंगे। इस प्रोजेक्ट का बिल्डिंग वर्क तो 2022 में पूरा हो चुका है, लेकिन पूरी तरह से तैयार होने में 2026 तक का वक्त लग सकता है। इस होटल में मौजूद स्टाफ की यूनिफॉर्म को लेकर भी काफी अलग प्लानिंग है। होटल के निर्माण के साथ ही इस जगह की विरासत को बचाए रखने का भी प्रयास किया जा रहा है।

## इकोनॉमी बढ़ाने में करेगा मदद

इस शानदार होटल की पहली मंजिल पर लाइब्रेरी, वेलनेस स्पा, फिटनेस एरिया और गर्म पानी के पूल बनाए गए हैं।

होटल का रिसेप्शन एरिया रेलवे स्टेशन की ऐतिहासिक लॉबी में बनाया गया है। इस होटल के बनने के बाद से यहां की इकोनॉमी में भी बढ़त हुई है।

## इसलिए है खास

इस रेलवे स्टेशन को होटल में बदलने का काम कई सालों से चल रहा है। स्पेन के बर्सेलो होटल ग्रूप ने इसे फाइव स्टार होटल में बदल दिया है। जब कभी स्पेन जाएं, एक बार इस होटल में रूकने का आनंद जरूर लें।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

## केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से हटाने वाली याचिका खारिज

**नईदिल्ली।** दिल्ली उच्च न्यायालय ने आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाने का अनुरोध करने वाली एक जनहित याचिका पर सुनवाई से बृहस्पतिवार को इनकार कर दिया। उच्च न्यायालय ने कहा कि कई बार राष्ट्रीय हित को निजी हित के ऊपर तरजीह देनी होती है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ ने कहा, ''कई बार राष्ट्रीय हित को निजी हित से ऊपर रखना पड़ता है लेकिन यह उनका व्यक्तिगत फैसला है। हमें एक अदालत के तौर पर कानून के अनुसार चलना होगा। आपका समाधान यहां नहीं, कहीं और है। आप सक्षम प्राधिकरण के पास जाइए।'' पीठ ने कहा कि उसने हाल में ऐसी ही एक जनहित याचिका खारिज कर दी थी जिसमें केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से हटाने का अनुरोध किया गया था और इसलिए वह कोई अलग रुख नहीं अपना सकती है।

## निष्कासन के बाद संजय निरुपम का कांग्रेस पर पलटवार

**मुंबई।** कांग्रेस पार्टी द्वारा अपने पूर्व मुंबई प्रमुख संजय निरुपम को निष्कासित करने के एक दिन बाद पूर्व सांसद ने पार्टी पर निशाना साधते हुए इसे संगठनात्मक रूप से परेशान बताया। कांग्रेस संगठनात्मक रूप से एक जर्जर पार्टी है। कई लोग पहले ही इसमें वैचारिक गड़बड़ी की ओर इशारा कर चुके हैं. भारत अब एक धार्मिक देश बन गया है। नेहरूवादी धर्मनिरपेक्षता ने हिंदुओं को अपने ही धर्म से डरने पर मजबूर कर दिया है। संजय निरुपम ने कहा कि पहले कांग्रेस पार्टी में एक पावर सेंटर हुआ करता था... लेकिन इस समय कांग्रेस पार्टी में पांच पावर सेंटर है और पांचों की अपनी लॉबी है जो आपस में टकराती रहती है। इन पांचों सेंटर में सबसे पहले सोनिया गांधी हैं, दूसरे सेंटर में राहुल गांधी, तीसरे में प्रियंका गांधी, चौथे में अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और आखिरी में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल जी हैं। यह सब अपने प्रकार से राजनीति कर रहे हैं।

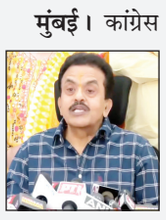

## कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ भाजपा में शामिल हुए

**नईदिल्ली।** पूर्व कांग्रेस नेता गौरव वल्लभ बीजेपी महासचिव विनोद तावड़े की मौजूदगी में बीजेपी में शामिल हुए। उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। कांग्रेस पार्टी से अपने इस्तीफे पर गौरव वल्लभ ने कहा कि मैंने मल्लिकार्जुन खड़गे को एक विस्तृत पत्र लिखा है और अपनी सारी भावनाएं व्यक्त की हैं। मुझे कांग्रेस पार्टी की चुप्पी से दुख हुआ जब गठबंधन के कुछ बड़े नेताओं ने सनातन और राम मंदिर पर पार्टी के रुख का विरोध किया। उन्होंने कहा कि हमारे देश में, कांग्रेस पार्टी दिन-रात देश के धन सृजनकर्ताओं को गाली देती है... मैं स्पष्ट था इन बातों को लेकर पार्टी मंच पर भी कई जगह इस मामले को उठाया। पूर्व कांग्रेस प्रवक्ता ने आगे कहा कि जमीनी स्तर पर जुड़ाव खत्म होने के कारण कांग्रेस न तो विपक्ष के कर्तव्यों को प्रभावी ढंग से निभा पा रही है और न ही सत्ता में आ पा रही है।

## जम्मू-कश्मीर राज्य का दर्जा बहाल करना जरूरी : आजाद

**श्रीनगर।** अनंतनाग-राजौरी संसदीय क्षेत्र से अपनी उम्मीदवारी की घोषणा करने के एक दिन बाद, डीपीएपी अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम गुलाम नबी आज़ाद ने कहा कि लोगों को 35ए जैसी अन्य सुरक्षा प्रदान करने के लिए जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करना आवश्यक है। हालांकि प्रधान मंत्री (नरेंद्र मोदी) और केंद्रीय गृह मंत्री (अमित शाह) ने स्वीकार किया है कि वे हमें राज्य का दर्जा देंगे, हालांकि, इसके आसपास की चर्चाओं से पता चलता है कि यह दिल्ली या पुडुचेरी जैसा होगा। हर फाइल और कैबिनेट का फैसला उपराज्यपाल के पास से गुजरेगा। यह हमारे लिए अस्वीकार्य है। सिर्फ मुझसे ही नहीं बल्कि मैं जम्मू-कश्मीर में किसी से भी नहीं कहूंगा। आज़ाद ने कहा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद उन्होंने संसद में जो लड़ाई शुरू की थी, वह अपने तार्किक निष्कर्ष तक नहीं पहुंची है।

## पूर्णिया से पप्पू यादव ने दाखिल किया नामांकन

**पटना।** पूर्णिया। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन कांग्रेस के बागी नेता पप्पू यादव पूर्णिया संसदीय सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नॉमिनेशन कर दिया है। वे सुबह 11:15 बजे पर्चा दाखिल करने पहुंचें। नामांकन से पहले उन्होंने अपने माता-पिता से आशिर्वाद लिया। मोटरसाइकिल से नामांकन करने पहुंचे पप्पू यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पूर्णिया की जनता का आदेश है कि वो यहां से चुनाव लड़ें। उन्होंने कहा कि राजद सुप्रीमो से बीमा भारती को मधेपुरा भेजने का आग्रह किया गया, लेकिन वो तैयार नहीं हुए। पप्पू यादव के नॉमिनेशन से पूर्णिया में मुकाबला बेहद दिलचस्प हो गया है। पप्पू यादव के नामांकन से पूर्णिया में मुकाबला त्रिकोणीय हो गई है। लेकिन, इनके मैदान में आने से सबसे अधिक चिंता का सबब बीमा भारती के लिए हो गया है। इसकी एक मात्र वजह है कि पप्पू उनके गठबंधन के साथ हैं।

### आपका सपना, मेरा संकल्प, बिना नाम लिए लालू पर प्रधानमंत्री का जमुई में बड़ा वार, बोले-

# नौकरी के नाम पर जमीनें लिखवाई गई : मोदी

**जमुई।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जमुई के खैरा बल्लोपुर के मंच से बिहार में एनडीए के चुनाव प्रचार का शंखनाद का दिया है। लोकसभा चुनाव की घोषणा होने के बाद पीएम की बिहार में यह पहली जनसभा है। देवघर के रास्ते जमुई पहुंच पीएम मोदी यहां चिराग पासवान के जीजा अरुण भारती के समर्थन में वोट मांगें। पीएम नरेंद्र मोदी ने दिवंगत रामविलास पासवान को याद किया। उन्होंने कहा कि आज रामविलास की कमी खल रही है। वे मेरे परम मित्र थे। उनकी विरासत को मेरा छोटा भाई चिराग पासवान आगे बढ़ा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जमुई में भारत माता की जय के साथ अपने भाषण की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि यह भगवान महावीर की धरती है। सभा में जो हुजूम आया है, उससे यह लग रहा है कि यह चुनावी रैली नहीं बल्कि विजय रैली है। उन्होंने लोगों से बिहार की सभी 40 सीटें एनडीए को देने की अपील की। इससे पूर्व पीएम मोदी ने मंच पर आने के साथ जनता का अभिवादन किया। पीएम मोदी के मंच पर पहुंचते ही चिराग पासवान ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी एवं विजय सिन्हा, आरएलएम चीफ उपेंद्र कुशवाहा भी मंच पर मौजूद थे।

एनडीए की रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा आज बिहार के 85 लाख से ज्यादा किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है। जमुई में ही किसानों को इस योजना के तहत 850 करोड़ रुपये से अधिक उनके बैंक खाते में पहुंचे हैं। यह घमंडिया गठबंधन की सरकार होती तो क्या आपके खाते में सीधे पैसे भेजने की योजना बनती क्या? यह लोग आपके पैसे लूट लेते और आपसे हस्ताक्षर करवा लेते कि पैसा मिल गया है। एक-दूसरे को जेल में बंद करने की मांग करने वाले आपको डरा रहे हैं कि मोदी आया....! भ्रष्टाचारी कान खोलकर सुन लें, यह मोदी नहीं आया। 140 करोड़ देशवासियों का गुस्सा निकल कर आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन शब्दों के साथ राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी यादव को सीधा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उनके समय गरीबों को नौकरी देने के नाम पर जमीन लिखवा ली जाती थी। नीतीश जी भी रेल मंत्री थे, उनपर तो कभी ऐसा दाग नहीं लगा। जिनकी पहचान अपहरण उद्योग की रही, वह सड़क नहीं बनने देते थे। वह बिहार को लालटेन युग में रखना चाहते हैं, जबकि हम नीतीश कुमार के साथ रहकर बिहार में सड़क और हाइवे बना रहे हैं। पहले खस्ताहाल ट्रेनें चलती थीं, लेकिन अब लोग वंदे भारत में सफर कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार की धरती पूरे देश को दिशा दिखाने वाली रही है। बिहार की इस धरती ने आजादी की लड़ाई में और स्वतंत्र भारत की नींव मजबूत करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है, लेकिन दुर्भाग्य से बिहार के सामर्थ्य के साथ आजादी के बाद पांच छह पीढियों के साथ यहां न्याय नहीं हो पाया। एनडीए में बिहार को बहुत की कठिन परिश्रम में एक बहुत बड़े दलदल से बाहर निकाला, जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की बहुत बड़ी भूमिका रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अब समय आ गया है कि बिहार और तेज गति से विकास करे, इसलिए 2024 का चुनाव बिहार और भारत के भविष्य के लिए बहुत ही निर्णायक है। यह चुनाव विकसित बिहार के सपनों को पूरा करने का चुनाव है। यह चुनाव विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करने का चुनाव है। आज एक तरफ कांग्रेस और आरजेडी जैसी पार्टियां हैं जिन्होंने अपनी सरकार के समय पूरी दुनिया में देश का नाम खराब किया। दूसरी तरफ बीजेपी और एनडीए है जिसका सिर्फ एक ही लक्ष्य है विकसित भारत का निर्माण और खुशहाल बिहार का निर्माण।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 10 साल पहले दुनिया में भारत को लेकर क्या राय होती थी, आप सब जानते हैं। कांग्रेस राज में भारत को गरीब और कमजोर देश माना जाता था। आज जो आटे के लिए तरस रहे हैं (पाकिस्तान) उनके आतंकी हमारे यहां हमले करते थे। कांग्रेस सरकार दूसरे देशों के पास इसकी शिकायत लेकर जाती थी। मगर मोदी ने कहा कि ऐसे नहीं चलेगा। भारत वही महान पाटलिपुत्र और मगध वाला देश है। यह चंद्रगुप्त मौर्य वाला भारत है। आज का भारत घर में घुसकर मारता है।

पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। चंद्रमा के उस कोने तक कोई नहीं पहुंचा था, वहां हमारा चंद्रयान और तिरंगा पहुंचा है। भारत जब जी20 की बैठक करता है तो उसकी चर्चा पूरे विश्व में होती है। यह मोदी ने नहीं, ये आपने किया है। आपके एक वोट से यह सब हो पाया है। यही आपके वोट की ताकत है। इसलिए इस सफलता की हकदार जनता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आरजेडी और कांग्रेस के काले दौर में जमुई की पहचान नक्सलवाद से होती थी। जंगलराज में सरकार की योजनाएं यहां नहीं पहुंचने दी जाती थी। नक्सली यहां सड़कें नहीं बनने देते थे। इसका नुकसान यहां के गरीब मजदूरों और किसानों को होता था। आज वही जमुई विकास के हाइवे पर तेज रफ्तार पकड़ रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से कहा कि आपका सपना ही मेरा संकल्प है। बिहार को आगे ले जाना मोदी की गारंटी है। इसलिए केंद्र सरकार ने गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इसके प्रयास से बिहार में गरीबों को 37 लाख पक्के घर मिले। 9 करोड़ जरुरतमंदों को मुफ्त राशन मिल रहा है, मोदी की गारंटी है अगले पांच साल भी मिलता रहेगा। 84 लाख से ज्यादा आयुष्मान कार्ड भी बिहार में बने हैं, लोगों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है।

भ्रष्टाचार पर बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि अगर आज 'घमंडिया गठबंधन' की सरकार होती तो आपके खाते में सीधा पैसा नहीं आ पाता। आरजेडी और कांग्रेस के लोग आपके सारे पैसे लूट लेते। देश के सभी भ्रष्टाचारी हमेशा एक-दूसरे से लड़ते थे, वो सब एक हो गए हैं। सब कह रहे हैं मोदी आया है। इसलिए वे मोदी के खिलाफ अनाप-शनाप बोल रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि आरजेडी के जंगलराज में बेटियों को सड़कों से उठा लिया जाता था। हमारी सरकार ने राम मंदिर का 500 साल पुराना सपना साकार किया। आरजेडी कांग्रेस ने राम मंदिर न बने, इसके लिए पूरी ताकत लगा दी। ये लोग राम मंदिर का उपहास उड़ाते हैं, अपमान करते हैं। इन लोगों ने हर मौके पर बिहार और बिहारी गौरव का अपमान किया। कर्पूरी ठाकुर का अपमान किया। हमारी सरकार ने जब कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिया तो इन लोगों ने विरोध किया। इन्होंने रामनाथ कोविंद को राष्ट्रपति बनाने का विरोध किया। आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति नहीं बनाने के लिए पूरी ताकत इन्होंने लगा दी थी।

लालू-तेजस्वी पर हमला बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बीच में थोड़ा इधर-उधर हो गए थे। तो वो लोग हमारे काम का श्रेय लेने लगे थे। अब हम कहीं नहीं जाएंगे। 2005 से पहले हिंदू-मुस्लिम का झगड़ा होता था। अब कुछ नहीं होता है। राज्य और केंद्र सरकार मिलकर बिहार में विकास के कार्य चला रही है। पहले बहुत कम बच्चे पढ़ते थे, अब शिक्षा के क्षेत्र में काफी काम हुआ है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बहुत काम हुआ है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार में 10 लाख नौकरी देने का वादा पूरा होगा। 4 लाख नौकरी दे दी गई है। 1 लाख प्रोसेस में है। 3 लाख नौकरियों पर काम शुरू हो गया है। 10 लाख लोगों को रोजगार भी दिया जा रहा है।

## एसडीपीआई का हाथ थामने पर बढ़ा विवाद तो कांग्रेस ने दी सफाई

### कहा- हमने कोई समर्थन स्वीकार नहीं किया

**तिरुवनंतपुरम।** केरल के वायनाड से नामांकन दाखिल करने के साथ ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी विवादों से घिरते जा रहे हैं। भाजपा नेता आरोप लगा रहे थे कि कांग्रेस ने प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की राजनीतिक शाखा सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) का समर्थन स्वीकार कर लिया है। हालांकि, अब सबसे पुरानी पार्टी ने साफ कर दिया कि उसने एसडीपीआई का समर्थन स्वीकार नहीं किया है। वहीं, उसने यूडीएफ का समर्थन करने के लिए मतदाताओं का स्वागत किया है। बता दें, केरल में लोकसभा चुनाव 26 अप्रैल को होंगे।

विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने पत्रकारों से कहा, कांग्रेस बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक सांप्रदायिकता का विरोध करती है। इन परिस्थितियों में डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया द्वारा यूडीएफ को दी जाने वाली सहायता को देखा जा रहा है। प्रत्येक व्यक्ति अपनी इच्छा के अनुसार मतदान कर सकता है। हम चाहते हैं कि हर कोई यूडीएफ को वोट दे, लेकिन संगठनों के मामले में हमारा यही रुख है। उन्होंने इस मामले पर ज्यादा कुछ बताने से मना कर दिया।

गौरतलब है, प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया की राजनीतिक शाखा सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया ने सोमवार को आगामी लोकसभा चुनावों के लिए केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट को समर्थन देने की घोषणा की थी। हालांकि, उस समय सतीशन ने कहा था कि यूडीएफ एसडीपीआई के साथ किसी समझौते पर नहीं पहुंचा है। कई पार्टियां यूडीएफ को समर्थन दे रही हैं, लेकिन उसने एसडीपीआई के साथ कोई चर्चा नहीं की है और न ही कोई समझौता हुआ है।

### स्मृति ईरानी ने घेरा था

अमेठी लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को हराने वाले केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री ने इस पर हैरानी जताई थी कि उन्होंने (राहुल गांधी) कथित तौर पर प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की राजनीतिक शाखा सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) का समर्थन स्वीकार कर लिया था। उन्होंने कहा था कि उसका समर्थन स्वीकार करके राहुल ने नामांकन दाखिल करने के दौरान ली गई संविधान की शपथ का भी उल्लंघन किया है।

खेल
प्रमुख समाचार

## चेन्नई सुपर किंग्स के सामने आज सनराइजर्स की चुनौती

**हैदराबाद।** आईपीएल 2024 के 18वें मैच में आज सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स आमने-सामने होंगे। इस सीजन में दोनों टीमों के बीच यह पहली भिड़ंत है।

सनराइजर्स हैदराबाद इस मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपना पिछला गेम हारने के बाद आगे बढ़ रही है। इस मैच में सनराइजर्स हैदराबाद 162 के कुल स्कोर को बचा नहीं सकी थी। हैदराबाद ने केकेआर के खिलाफ हार के साथ अपना अभियान शुरू किया और मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपना अगला मैच जीता, जहां उन्होंने पहले बल्लेबाजी करते हुए रिकॉर्ड 277 रन बनाए।

वहीं, चेन्नई सुपर किंग्स ने घरेलू मैदान पर आरसीबी और गुजरात टाइटंस के खिलाफ लगातार जीत के साथ शुरुआत की। वे विजाग में दिल्ली कैपिटल्स से हार गए जहां वे 191 का पीछा करने में असफल रहे। दिल्ली के गेंदबाजों ने सटीक गेंदबाजी से चेन्नई के बल्लेबाजों को 192 से आगे जाने से रोक दिया। सीएसके के बल्लेबाजों की शुरुआत थोड़ी धीमी रही क्योंकि दिल्ली के गेंदबाजों ने पावरप्ले में शानदार गेंदबाजी की। चेन्नई सुपर किंग्स पॉइंट टेबल्स में तीसरे स्थान पर है जबकि एसआरएच छठे स्थान पर है। कुल मिलाकर, दोनों टीमों ने आपस में अब तक 19 मैच खेले हैं। इसमें से चेन्नई ने 14 मैच जीते हैं जबकि एसआरएच ने सिर्फ पांच मैच जीते हैं। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि इस चेन्नई सुपर किंग्स वास्तव में सनराइजर्स हैदराबाद पर हावी रही है। वहीं, दोनों टीमों ने राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में दो-दो गेम जीते हैं। रिकार्ड्स को देखा जाए तो चेन्नई सुपर किंग्स का पलड़ा भारी दीखता है लेकिन पेट कमिंस की कप्तानी और क्लासेन की टूर्नामेंट में चल रहे जोरदार बल्ले को देखकर यह मैच कौन जीतेगा कहना बहुत मुश्किल है। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की पिच बल्लेबाजी के लिए आदर्श है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

## सेंसेक्स 351 अंक चढ़ा निफ्टी 22,515 पर बंद

**नईदिल्ली।** मजबूत कॉर्पोरेट प्रदर्शन की उम्मीदों के बीच आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और फाइनेंशियल शेयरों में खरीदारी के कारण सेंसेक्स और निफ्टी गुरुवार को रिकॉर्ड नए लेवल पर पहुंच गए। एक्सपर्ट्स के अनुसार, निवेशकों ने आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति के ब्याज दर निर्णय में यथास्थिति की उम्मीद करते हुए चुनिंदा बैंकिंग शेयरों में खरीदारी की। ब्याज दर तय करने वाला छह सदस्यीय पैनल शुक्रवार को निर्णय की घोषणा करेगा। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज 0.47 प्रतिशत या 350.81 अंक की बढ़त लेकर 74,227.63 अंक के रिकॉर्ड लेवल पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 74,501.73 अंक के स्तर तक चला गया था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 0.36 प्रतिशत या 80.00 अंक की वृद्धि लेते हुए 22,514.65 अंक के स्तर पर पहुंच गया। पिछले दो सत्रों में दोनों इंडेक्स गिरावट में बंद हुए थे।

## बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-प्राइम' का सफल परीक्षण

**भुवनेश्वर।** भारत ने ओडिशा के तट पर एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से नयी पीढ़ी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-प्राइम' का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि बुधवार शाम को यह परीक्षण किया गया। उसने बताया कि मिसाइल ने अपने विश्वसनीय प्रदर्शन का सत्यापन करते हुए परीक्षण के सभी उद्देश्य हासिल कर लिए। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''सामरिक बल कमान (एसएफसी) के साथ रक्षा अनुसंधान व विकास संगठन ने तीन अप्रैल को शाम करीब सात बजे ओडिशा तट पर एपीजी अब्दुल कलाम द्वीप से नयी पीढ़ी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-प्राइम का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।'' प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, एसएफसी प्रमुख और डीआरडीओ तथा भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस परीक्षण का निरीक्षण किया।

## सर्विस सेक्टर की ग्रोथ 13 वर्ष के हाई लेवल पर

**नईदिल्ली।** भारत में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां मजबूत मांग के दम पर मार्च में साढ़े 13 वर्ष के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक मार्च में 61.2 पुहंच गया। यह फरवरी में 60.6 पर था। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी इंडिया सर्विस पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने सर्वेक्षण सेवा क्षेत्र की करीब 400 कंपनियों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।एचएसबीसी के अर्थशास्त्री इनेस लैम ने कहा, '' फरवरी में मामूली गिरावट के बाद मार्च में भारत की सेवाओं का पीएमआई बढ़ा, मजबूत मांग के कारण बिक्री तथा व्यावसायिक गतिविधि में तेजी आई।

## टॉप 8 शहरों में जनवरी-मार्च में आवासीय बिक्री 9% बढ़ी

**नईदिल्ली।** देश के आठ प्रमुख शहरों में लक्जरी मकानों और प्रीमियम कार्यक्षेत्र की मजबूत मांग के दम पर जनवरी-मार्च में आवासीय बिक्री में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि कार्यालयों की मांग 43 प्रतिशत बढ़ी। संपत्ति सलाहकार नाइट फ्रैंक इंडिया ने गुरुवार को एक वेबिनार में 'भारत रियल एस्टेट: कार्यालय तथा आवासीय रिपोर्ट (जनवरी-मार्च 2024)' जारी की। नाइट फ्रैंक इंडिया के अनुसार, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद, बेंगलुरु, पुणे और अहमदाबाद में जनवरी-मार्च में आवासीय कीमतें सालाना आधार पर दो से 13 प्रतिशत के दायरे में बढ़ीं। कार्यालय का किराया एक से नौ प्रतिशत बढ़ा। आंकड़ों के अनुसार, जनवरी-मार्च में आठ प्रमुख शहरों में आवासीय बिक्री बढ़कर 86,345 इकाई हो गई।

# भारतीय अर्थव्यवस्था लम्बी छलांग लगाने को तैयार

**प्रह्लाद सबनानी**

वित्तीय वर्ष 2023-24 की तृतीय तिमाही (अक्टोबर-दिसम्बर 2023) में भारत में आर्थिक विकास की दर 8.4 प्रतिशत रही है। कुछ विदेशी अर्थशास्त्री भारत की आर्थिक विकास दर को कमतर आंकते हुए दिखाई दे रहे हैं जबकि यह लगातार तिमाही दर तिमाही आगे बढ़ती ही जा रही है। अब तो विश्व की कई आर्थिक एवं वित्तीय संस्थानों ने भी वर्ष 2024 के लिए भारत की आर्थिक विकास दर के सम्बंध में अपने अनुमानों को बेहतर किया है, परंतु अभी भी इन संस्थानों के यह अनुमान वास्तविक आर्थिक विकास दर की तुलना में बहुत कम हैं।

दरअसल, विदेशी आर्थिक एवं वित्तीय संस्थानों द्वारा विशेष रूप से भारत की आर्थिक विकास दर को आंके जाने के सम्बंध में उपयोग किए जा रहे मॉडल अब बोथरे साबित हो रहे हैं। हाल ही के समय में भारत के नागरिकों में स्व का भाव विकसित होने के चलते देश में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से बढ़ा है। उदाहरण के लिए अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में श्रीराम लला के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात प्रत्येक दिन औसतन 2 लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। यह तो केवल अयोध्या की कहानी है इसके साथ ही काशी विश्वनाथ मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक, जम्मू स्थित वैष्णो देवी मंदिर, उत्तराखंड में केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री एवं यमनोत्री जैसे कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ रही है।

भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी के बदौलत रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं, जो देश के आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो रहे हैं। परंतु, यह तथ्य विदेशी आर्थिक एवं

वित्तीय संस्थानों को दिखाई नहीं दे रहा है, जो कि केवल भारत की ही विशेषता है।

उक्त तथ्यों के अतिरिक्त अन्य कई कारक भी भारत की आर्थिक विकास दर को अब 9 से 10 प्रतिशत की सीमा में ले जाने को तैयार दिखाई दे रहे हैं। आज भारतीय अर्थव्यवस्था की तुलना में भारत से आगे चल रही विश्व के अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं की विकास दर में ठहराव आ गया है। जैसे अमेरिका एवं यूरोप की अर्थव्यवस्थाएं आगे आने वाले समय में प्रतिवर्ष केवल 2 अथवा 3 प्रतिशत की दर से ही आगे बढ़ पाएंगी। इसी प्रकार चीन की अर्थव्यवस्था भी अब ढलान पर दिखाई दे रही है। जापान एवं जर्मनी की अर्थव्यवस्थाओं में तो आर्थिक मंदी देखी जा रही है। इस प्रकार विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत के अमृत काल में केवल भारतीय अर्थव्यवस्था ही तेज गति आगे बढ़ती दिखाई दे रही है। वैसे भी भारत में अमृत काल तो अभी शुरू ही हुआ है एवं यह अगले 23 वर्षों अर्थात वर्ष 2047 तक यह खंडकाल जारी रहेगा। कुछ अर्थशास्त्री तो भारत के अमृत काल के बाद भी भारतीय अर्थव्यवस्था के इसी तरह तेज गति से आगे बढ़ते रहने की संभावनाएं व्यक्त कर रहे हैं क्योंकि भारत में वर्ष 1991-92 में प्रारम्भ किए आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र के सुधार कार्यक्रम को अब 32 वर्ष पूर्ण हो गए हैं, हालांकि वर्ष 1991-92 के बाद भी भारत में आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्रों में सुधार कार्यक्रम लगातार जारी रहे हैं। अत: स्थिर हो चुके इन सुधार कार्यक्रमों के फल खाने का समय अब आ गया है।

भारत द्वारा वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात, पिछले 77 वर्षों के दौरान भारत में लोकतंत्र लगातार मजबूत हुआ है एवं आज पूरे विश्व में भारत इस दृष्टि से प्रथम पायदान पर खड़ा है। भारत में लोकतंत्र के लगातार मजबूत होते जाने से विदेशी निवेशकों का भारत में विश्वास बढ़ा है जिसके चलते भारत में उद्योग जगत को पूंजी की कमी नहीं के बराबर रही है। पर्याप्त पूंजी की उपलब्धता के चलते भारत में आर्थिक विकास को गति ही मिली है। भारत में लगातार तेज हो रही आर्थिक विकास की दर के कारण भारत में बिलिनियर (100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की सम्पत्ति वाले नागरिक) की संख्या में सुधार हुआ है। पिछले वर्ष भारत में 94 नए बिलिनियर बने हैं। जबकि चीन में 115 बिलिनियर कम हुए हैं।

क्रमश: ...

# भाजपा कार्यालय में 500 से अधिक लोगों ने ली भाजपा की सदस्यता

## हम उस राजनीतिक दल के कार्यकर्ता है जिनके नेता विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता है - किरण

**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, महामंत्री संजय श्रीवास्तव, जगदीश रामू रोहरा, सरला कोसरिया की उपस्थिति में बिलासपुर की पूर्व महापौर वाणी राव, राम नामी संप्रदाय की प्रमुख सदस्य, कांग्रेस पार्टी, जनता कांग्रेस, छत्तीसगढ़ के प्रमुख फिल्मी व लोक कलाकार सहित 500 से अधिक लोगों ने भाजपा प्रवेश किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव सदस्यता लेने आए लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा परिवार में आपका स्वागत है। भाजपा की रीति नीति सिद्धांत एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से प्रभावित होकर राजनीतिक, सामाजिक एवं अन्य क्षेत्रों के लोग लगातार भाजपा की सदस्यता ले रहे है। उन्होंने कहा कि हम सब एक परिवार के रूप में और समय-समय पर दायित्वों का निर्वहन करने वाले हैं। हमें गर्व होता है कि हम उस राजनीतिक दल के कार्यकर्ता है जिनके नेता विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी विश्व की सबसे लोकप्रिय नेता है। 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की जनकल्याणकारी योजनाओं की चर्चा आज पूरी दुनिया में होती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश आगे बढ़ रहा है, तेजी से प्रगति कर रहा है। 10 साल पहले भारत की अर्थव्यवस्था 11वें पायदान पर हुआ करती थी, लेकिन 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की नेतृत्व में भारत पांचवें स्थान पर आ गया है। आज भारत आत्मनिर्भर हो रहा है। भारत विकासशील भारत से विकसित भारत की ओर बढ़ रहा है। आप सभी ने भारतीय जनता पार्टी पर विश्वास व्यक्त किया है। आज भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता आगामी लोकसभा चुनाव में जुट चुका हैं। उन्होंने कहा कि जहां-जहां पर आप लोगों की भूमिका है उन भूमिकाओं का निर्वहन पूरी क्षमता के साथ लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री चुना जाना है और अबकी बार 400 पर का जो लक्ष्य है। छत्तीसगढ़ की सभी 11 सीटों में जीत को लेकर भाजपा कार्य कर रही है।

इस दौरान रामनामी समाज से मणिराव, फिल्म स्टार मनमोहन सिंह ठाकुर के नेतृत्व में सिंगर शिवा जांगड़े, सतनाम भजन सम्राट द्वारिका बर्मन, सिंगर लक्ष्मी नारायण पांडे, नीलकमल वैष्णव, डॉ.मनोज कुमार आडिल, योगेश्वरानंद नेताम प्रदेश अध्यक्ष भारतीय राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस महासंघ के नेतृत्व में, एस. एल. पूड़ो प्रदेश उपाध्यक्ष, जैनेंद्र साहू प्रदेश उपाध्यक्ष, राजू सोनी प्रदेश सचिव, हरगोविंद देवांगन जिला अध्यक्ष, कौशल साहू, अजय, तारम, नारायण साहू, राज साहू, नितेश साहू, सह मीडिया प्रभारी, डॉ. अनामिका पाल प्रदेश अध्यक्ष महिला जनता कांग्रेस के नेतृत्व में डॉ. अमीन खान प्रदेश उपाध्यक्ष जोगी कांग्रेस, श्रीमती संतोषी रात्रि प्रदेश संगठन मंत्री, घनश्याम प्रधान जिला अध्यक्ष युवा जनता कांग्रेस महासमुंद, ऋतुराज शर्मा जिला मीडिया प्रभारी गौरेला पेंड्रा मरवाही, राजा चैबे, सोशल मीडिया प्रभारी, श्याम पटेल, सुहानी पटेल, जांजगीर-चांपा विधानसभा क्षेत्र से रवि पांडे संयुक्त महासचिव प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में लगभग 50 पदाधिकारी एवं निर्वाचित जनप्रतिनिधि दल्ला सोनी जिला पंचायत सदस्य, अजय निर्मलकर प्रदेश महामंत्री ओबीसी मोर्चा कांग्रेस, महेश राठौर प्रदेश सचिव ओबीसी मोर्चा कांग्रेस, दीपक गोयल जिला कोषाध्यक्ष औषधि संघ, गोपीचंद कुर्रे, कृष्ण कुमार कश्यप, राजेश्वर कश्यप, राजेश पांडे, भोले सिंह, पिंकी सिंह अध्यक्ष कांग्रेस नवल ताम्रकार, डॉ. अब्दुल अमीन खान जनता कांग्रेस युवा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में नरेंद्र नारंग पूर्व जिला सचिव जनता कांग्रेस, लव कुमार कुर्रे पूर्व जिला महामंत्री, योगेश तिलक पूर्व ब्लाक अध्यक्ष, ऋतुराज शर्मा, कांग्रेस पार्टी से राजेश्वर साहू सरपंच देवरी, सुरेश साहू, दुर्गेश साहू, चंद्र कुमार, दीपक सिदार सहित बहुत बड़ी संख्या में कांग्रेस जनता कांग्रेस फार्मेसी क्षेत्र के लोग और फिल्म उद्योग से जुड़े हुए लोगों ने भाजपा की सदस्यता ली।

### भाजपा की सरकार ने छग राज्य का विकास किया: चंदेल

पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आज दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। भारत के अधिकांश राज्यों में सबसे ज्यादा भाजपा की सरकार है और भाजपा के मुख्यमंत्री है सबसे ज्यादा सांसद, विधायक भाजपा के ही है। 1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण हुआ और छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण भाजपा ने ही किया है। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जी ने किया है। अटल बिहारी वाजपेई जी ने कहा था छत्तीसगढ़ की 11 सीटों में आप मुझे जीत कर दीजिए मैं छत्तीसगढ़ राज्य बनाकर आपको दूंगा। अटल बिहारी वाजपेई जी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया और भाजपा की तत्कालीन प्रदेश सरकार ने छत्तीसगढ़ राज्य का विकास किया, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि पिछले 5 वर्षों में कांग्रेस की सरकार में छत्तीसगढ़ राज्य के विकास को पूरी तरह से बाधित करके रखा। भाजपा की सरकार बनते ही पुन: छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में विकास फिर से प्रारंभ हुआ और आज छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार ने अपने शुरुआती कार्यकाल में ही बड़ी-बड़ी घोषणाओं को पूरी करके दिखाया है।

### मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जनता को पूरा-पूरा मिल रहा है:संजय

भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा कि आज भाजपा एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों से लोग प्रभावित होकर लगातार भाजपा की सदस्यता ले रहे हैं। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जनता को पूरा-पूरा मिल रहा है और देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों से प्रभावित होकर उन्हें अपना नेता मान लिया है। कांग्रेस पार्टी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के, सामाजिक क्षेत्र के लोग लगातार भाजपा से जुड़ रहे हैं और भाजपा से जुड़कर देश को विकसित बनाने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने किया एवं आभार श्रीमती सरला कोसरिया ने माना।

# कांग्रेसी मुंगेरीलाल के हसीन सपने सजा रही हैं: केदारनाथ

**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता केदारनाथ गुप्ता ने कहा है कि कांग्रेस जब अपने राजनीतिक वजूद को बचाने की सबसे विफल कोशिश कर रहा है, तब छत्तीसगढ़ के कांग्रेसी अपनी पाँच न्याय और 25 गारंटियों के नाम पर सत्ता हासिल करने के मुंगेरीलाल के हसीन सपने सजा रहे हैं। श्री गुप्ता ने कहा कि जिस कांग्रेस ने कभी देश और छत्तीसगढ़ की जनता का भला नहीं सोचा, एक परिवार की परिक्रमा करना ही जिस कांग्रेस का कुलजमा राजनीतिक वजूद रह गया है, वह कांग्रेस चाहे जितने सपने सजा ले, चाहे जितने सब्जबाग दिखा दे, देश की जनता ने अब कांग्रेस पर कतई भरोसा नहीं करने का संकल्प ले लिया है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता गुप्ता ने कहा कि देश अब केवल 'मोदी की गारंटी' पर भरोसा कर रहा है, क्योंकि पिछले 10 साल में देश के हर समाज और हर वर्ग के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सक्षम, सशक्त और सुविचारित नेतृत्व में अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन हुआ है और देश के साथ-साथ प्रदेश की जनता तक उन योजनाओं का पूरा लाभ भी पहुँचा है। बदलापुर की राजनीति करके केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभ से छत्तीसगढ़ की जनता को वंचित रखने का षड्यंत्र करके कांग्रेस की भूपेश सरकार ने अपनी ही पार्टी के किए हुए वादों से गंगाजल की सौगंध खाकर भी जिस तरह

मुँह फेरा था, उसकी सजा छत्तीसगढ़ की जनता ने पिछले विधानसभा चुनाव में दी है और अब प्रदेश की भाजपा सरकार मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में मोदी की गारंटी के तहत व्यक्त संकल्पों को 100 दिनों में पूरा करके एक मिसाल कायम कर दी है। श्री गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस चाहे जितनी गारंटी दे दे, देश और छत्तीसगढ़ की जनता अब मोदी की गारंटी के साथ है, क्योंकि मोदी की गारंटी का मतलब गारंटी पूरी होने की गारंटी है। कांग्रेस की गारंटी केवल हवा-हवाई जुमलेबाजी है और येन-केन-प्रकारेण सत्ता हासिल करने के स्वार्थ से प्रेरित है। श्री गुप्ता ने कहा कि जिस स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों की दुहाई देकर एमएसपी को कानूनी गारंटी देने का झाँसा कांग्रेस किसानों को देने में लगी है, वह पहले यह बताए कि इस आयोग की सिफारिशों को कांग्रेसनीत यूपीए की केंद्र सरकार ने सालों तक क्यों दबाए रखा था? महिलाओं को एक लाख रुपए सालाना देने का जो शोर कांग्रेस मचा रही है, उसकी व्याख्या करते समय कांग्रेसियों के मुँह में दही क्यों जम रहा है? कांग्रेस यह क्यों नहीं बताती कि इसके लिए सालाना 50 लाख करोड़ रुपए का इंतजाम कहाँ से होगा जबकि देश का कुल बजट ही इतना होता है। श्री गुप्ता ने कहा कि जाहिर है कि कांग्रेस की गारंटी सिवाय जुमलेबाजी के और कुछ नहीं है। देश के लोगों को तो प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भविष्य नजर आ रहा है, कांग्रेस अब अपने भविष्य कीचिंता करे कि इस लोकसभा चुनाव के बाद वह कहाँ दिखने वाली है? भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री गुप्ता ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस में जिस तरह की भगदड़ मची हुई है, अंतर्कलह जिस तरह घमासान की शक्ल ले चुका है, उससे कांग्रेसियों की नींद उड़ी हुई है। यही कारण है कि जब कुछ भी बोलने को कांग्रेसियों के पास नहीं बचा है तो जनता को भ्रमित करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय पर कटाक्ष के बहाने साय भोग जैसा बयान देकर कांग्रेसी केवल अपनी राजनीतिक कुंठा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

# छग प्रभारी सचिव चंदन यादव ने कार्यकर्ताओ की ली बैठक

रायपुर। लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर आज रायपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के उत्तर विधानसभा के कार्यकर्ताओ की बैठक ली। इस बैठक मे प्रमुख रूप से छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी सचिव चंदन यादव रायपुर लोकसभा प्रत्याशी विकास उपाधाय शहर अध्यक्ष गिरीश दुबे ग्रामीण जिला अध्यक्ष उधोराम वर्मा महेंद्र छाबडा प्रमोद दुबे उपस्थित थे। बैठक मे अगामी लोकसभा के लिए रणनीति तैयारी की गई। बुथ स्तर पर कार्यकर्ताओ की बैठक लेने के निर्देश दिये साथ ही कांग्रेस की पांच गारंटियो को जनता तक पहुचाने को कार्यकर्ताओ को कहा गया। वार्ड मे अधिक से अधिक झंडा बैनर वाल राइटिंग कराने भी कहा गया। कार्यकर्ता अपने अपने बुथो के प्रत्येक घर मे जाकर कांग्रेस के लिए वोट अपील करे

इस तरह के दिशा निर्देश दिये गये। छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिव चंदन यादव ने कहा कि 2024 का चुनाव निर्णायक चुनाव है। देश के संविधान और लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है। केंद्र मे बैठी भाजपा की सरकार विपक्ष की आवाज को दबाने मे लगी है। सवैधानिक संस्थाओ का दुरूपयोग कर विपक्ष को डराने का काम कर रही है। निर्वाचित मुख्यमंत्रियो को जेल मे डाल दिया जाता है। मुख्य विपक्षी कांग्रेस पार्टी के खातो को सीज किया जा रहा है। पूर्ण रूप से केंद्र की भाजपा सरकार तानाशाही रवैये मे उतर चुकी है। रायपुर लोकसभा प्रत्याशी विकास उपाध्याय ने कहा कि कार्यकर्ता अपने अपने क्षेत्र मे कड़ी मेहनत करें। कांग्रेस पार्टी के झंडे अपने घरो मे लगाकर उसे सोशल मीडिया मे पोस्ट करे। कांग्रेस की गारंटियो को जनता के बीच पहुचाये एवं जनता को बताये कि 10 सालो मे केंद्र की भाजपा सरकार के कारण आज देश मे कितनी महंगाई बढ़ी हुई है।

# हार सामने देखते हुए मोदी पर अमर्यादित बयान दे रहे हैं कांग्रेसी नेता

*मुलायम गद्दे में सोने वाले भ्रष्टाचारी आज जेल की हवा खा रहे हैं*

**बिलासपुर/ रायपुर।** कांग्रेस ने अपने 5 वर्षों के शासन में इतने भ्रष्टाचार किए कि समूचे छत्तीसगढ़ के संसाधन को लूट डाला। प्रदेश की घोटाले का गढ़ बना दिया। लेकिन आज जितने भी भ्रष्टाचारी हैं, जो कभी मुलायम गद्दे में सोते थे, आज जेल की हवा खाने को मजबूर हैं। घोटालेबाजों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेगी हमारी भाजपा सरकार।

बिलासपुर के अशोक वाटिका में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ये बात कही।

साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और भाजपा के बढ़ते जनाधार को देखते हुए कांग्रेस को बुरी तरीके से हार का डर सता रहा है। जिसको देखते हुए उनके नेता मोदी जी पर अशोभनीय टिप्पणी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चरणदास महंत ने बिलासपुर के कांग्रेस प्रत्याशी को भी लठबाज बताया है। ऐसे प्रत्याशी की जमानत जब्त करानी है। लोकसभा में भी कांग्रेस को सबक सिखाना है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि मोदी जी 140 करोड़ देशवासियों की चिंता करते हैं। उन्होंने अपने 10 वर्षों के शासन में गांव, गरीब, मजदूर और किसान सबको आर्थिक रूप से सशक्त करने का काम किया। इसलिए हमें भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए, सोने की चिड़िया बनाने के लिए तीसरी बार मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाना होगा। साय ने कहा कि आप सभी बिलासपुर लोकसभा सीट से भाई तोखन साहू को जिताएं और प्रदेश की पूरी 11 की 11 सीटें भाजपा की झोली में डालकर कांग्रेसियों को पूरी तरह से बाय-बाय कर दें। कार्यकर्ता सम्मेलन में उप मुख्यमंत्री अरूण साव, मंत्री पुरुलाल मोहले, लोकसभा प्रत्याशी तोखन साहू, विधायकगण अमर अग्रवाल, धरमलाल कौशिक, धर्मजीत सिंह, सुशांत शुक्ला, पूर्व विधायक कृष्णमूर्ति बांधी, रजनीश सिंह, भाजपा नेत्री हर्षिता पांडेय, रामदेव कुमावत भी उपस्थित थे।

## छत्तीसगढ़/राजधानी — प्रमुख समाचार

### साय सरकार जनता को दे रही है रद-खद चावल

**रायपुर।** प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने साय सरकार पर पीडीएस को लेकर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ के सरकारी राशन दुकानों में गुणवत्ताहीन और सड़े-गले चावल, गेहूं की सप्लाई की जा रही है। अप्रैल और मई महिनें के लिए आवंटित चावल और गेहूं अधिकांश ग्रामीण इलाकों के दुकानों में बेहद रद्दी स्तर की है। छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार आने के बाद भारतीय जनता पार्टी के नेताओं की कमीशनखोरी के चलते आम जनता को मिलावटी और गुणवत्ता विहिन राशन लेनें मजबूर किया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि जब से छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय की सरकार आयी है, पीडीएस के सरकारी राशन दुकानों से चना, नमक, शक्कर, मिट्टीतेल गायब हो गया है। कटौती करके जो चावल और गेहूं भेजे जा रहे हैं वह भी सड़े-गले अपुपयोगी, गुणवत्ताहीन और मिलावटी हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि मिलावटखोरों को भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के संरक्षण में गुणवत्ता विहिन राशन लेने मजबूर किया जा रहा है। मिलरों से 40 प्रति क्विंटल की कमीशनखोरी के चलते खराब राशन के सप्लायरों को भाजपा सरकार का संरक्षण है।

### कांग्रेस की 5 न्याय 25 गारंटी चुनाव में गेमचेंजर साबित होंगे

**रायपुर।** कांग्रेस के 5 न्याय 25 गारंटी लोकसभा चुनाव में गेमचेंजर साबित होंगे। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने देश की जनता के लिये लोकसभा चुनाव में 5 न्याय और 25 गारंटी दिया है। जनता को कांग्रेस के वादों से आशा की नई किरण दिख रही है। कांग्रेस ने कुल 5 न्याय की गारंटी दिया है। नारी न्याय, युवा न्याय, किसान न्याय, मजदूर न्याय और भागीदारी न्याय पांचो न्याय घोषित होने के बाद से ही देश के हर वर्ग के मतदाताओं में कांग्रेस के प्रति नजरिया बदला है लोगों को कांग्रेस की सरकार में अपना भविष्य दिख रहा है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस ने महिलाओं को हर साल 1 लाख और महिनें में 8333 रू देने का वादा किया है। इसके साथ ही केन्द्रीय भर्तियों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण का भी वादा कांग्रेस ने किया है कांग्रेस की इस घोषणा के बाद महिलायें मतदाताओं का ध्रुवीकरण कांग्रेस की ओर हुआ है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस ने मनरेगा मजदूरों की मजदूरी 200 से बढ़ाकर 400 करने का वादा किया है इससे देश के मजदूरों के जीवन स्तर में बदलाव आयेगा कांग्रेस की मनमोहन सरकार ने मनरेगा के तहत रोजगार को कानूनी बनाया था फिर से कांग्रेस मजदूरों के मजदूरी बढ़ाने की गारंटी दे रही है।

### एसीबी-ईओडब्लू ने फिल्मी अंदाज में गिरफ्तार किया अनवर ढेबर को

**रायपुर।** एसीबी-ईओडब्लू की टीम ने कांग्रेस शासन काल में हुए तीन हजार करोड़ से अधिक के शराब घोटाले मामले में अनवर ढेबर को फिल्मी अंदाज में कुम्हारी टोल प्लाजा के पास से गिरफ्तार कर लिया। अनवर कुछ महीनों से जमानत पर खुला घूम रहा था। हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद कल बुधवार रात जेल से छूटा अरविंद सिंह अनवर ढेबर के साथ भागने की फिराक में था इससे पहले अरविंद सिंह को एसीबी ईओडब्लू ने कल शाम फिर से गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया है। ईडी की एफआईआर पर एसीबी के द्वारा इस मामले में दो गिरफ्तारी है। अरविन्द सिंह इस घोटाले की अहम कड़ी रहा है। वह रकम कलेक्शन के साथ-साथ बोतलों में लगने वाले होलोग्राम युक्त ढक्कन बनाने वाली फर्म का संचालक भी था। वह ईडी की गिरफ्त में आने के बाद से जेल में बंद था। 2 अप्रैल को हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद अरविंद कल शाम जेल से रिहा हुआ था और एसीबी ने जेल से निकलते ही उसे हिरासत में लिया।

### घर में सो रही महिला की जिंदा जलकर मौत

**रायपुर।** राजधानी रायपुर के खरोरा क्षेत्र से खौफनाक मामला सामने आया है. यहां स्थित एक मकान में महिला की जिंदा जलकर मौत हो गई. बताया जा रहा है कि घटना के वक्त 65 वर्षीय महिला घर पर अकेली थी. घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजवा दिया है. हालांकि ये घटना संदेहास्पद है, मामले में पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है. जानकारी के मुताबिक, खरोरा थाना क्षेत्र के बाना गांव में एक घर में सो रही 65 वर्षीय महिला अपने बिस्तर पर जिंदा जल गई और उसकी मौत हो गई. बीते बुधवार की रात 9 बजे घटना की पुलिस को सूचना मिली कि बाना गांव में एक घर से धुआं उठ रही है. जिसकी सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची. वहीं घटनास्थल पर आसपास के लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई. जब पुलिस ने लोगों से पूछा तो लोगों ने बताया कि घर के अंदर महिला की आग में जलकर मौत हो गई है. जिसके बाद पोलइ घर के अंदर घुसी जहां देखा तो 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला बिशबाशा बाई साहू की अधजली लाश बिस्तर से गिरकर फर्श पर पड़ी हुई थी. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.

### 13 फर्जी फर्मों का पर्दाफाश, आरोपी गिरफ्तार

**रायपुर।** विशेष खुफिया जानकारी और डाटा विश्लेषण के आधार पर यह पता चला कि जीएसटी के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट गलत तरीके से लेने और आगे पारित करने के लिए कई फर्जी फर्मे बनाई गई है. व्यापक निगरानी के बाद उस स्थान की पहचान की गई जहां से संदिग्ध गतिविधियां संचालित हो रही थी. इस पर कार्रवाई करते हुए, फेक इनवॉइस सेल, सीजीएसटी, मुख्यालय, रायपुर के अधिकारियों ने तलाशी अभियान चलाया और 13 फर्जी फर्मों के एक नेटवर्क का पर्दाफाश किया. जो वस्तुओं और / या सेवाओं की किसी भी प्रकार की आपूर्ति किए बिना केवल फर्जी चालान बनाने में सक्रिय रूप से लगे हुए थे. तलाशी के दौरान बड़ी संख्या में आधार कार्ड, पैन कार्ड, फोटोग्राफ, हस्ताक्षरित चेक बुक, मोबाइल के साथ-साथ कई अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए. इस संबंध में उल्लेखनीय है कि सभी फर्जी फर्मों के जीएसटी रिटर्न एक ही आईपी एड्रेस से दाखिल किए जा रहे थे. जांच से यह पता चला कि रायपुर निवासी हेमंत कसेरा इन फर्जी फर्मों को बनाने और चलाने के मामले में मास्टरमाइंड है. तथ्यों और सबूतों के साथ पूछताछ करने पर मास्टरमाइंड हेमंत कसेरा ने फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट पारित करने के उद्देश्य से फर्जी फर्मों का एक समूह बनाने की बात स्वीकार की और स्वीकार किया कि उसने फरवरी 2024 तक 62.73 करोड़ रुपये की राशि का फर्जी इनपुट 'टैक्स क्रेडिट का प्राप्त किया है और उसने आगे अन्य टैक्सपेयर्स को 51.42 करोड़ रुपये के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट पास

# गर्मी आते ही फेल हो रहे बोर, लाभांडी की संकल्प सोसायटी में डायरिया का डर

**रायपुर।** एक ओर लगातार राजधानी के बोरवेल फेल हो रहे हैं. वहीं दूसरी ओर बोरवेल से खतरनाक बैक्टीरिया निकल रहा है. जो लोगों को बीमार नहीं बहुत बीमार कर सकता है. समय पर इलाज नहीं मिलने पर लोगों की जान भी जा सकती है. बता दें कि रायपुर में गर्मी के दिनों में पीलिया और डायरिया की चपेट में आकर लोग हॉस्पिटल पहुंचते हैं. जिसकी शुरुआत हो चुकी है. इसी बीच निगम जांच में जुट गई है. पानी की जांच में खतरनाक बैक्टीरिया की पुष्टि हो रही है.

नगर पालिका निगम के आयुक्त ने बताया कि अब तक सौ से ज्यादा बोरवेल की जांच हम कर चुके हैं. जिसमें हमने इसमें 12 बोरवेल में सर्वाधिक बैक्टीरिया पाया है. जिसे सीधा सील कर दिया गया है. वहीं 20 से ज्यादा बोरवेल हैं जिसका हम ट्रीटमेंट कर रहे हैं. फिर से पीने योग्य बना रहे हैं. यदि 1200-2400 तक ई कोली बैक्टीरिया होते हैं तो ऐसी स्थिति में ट्रीटमेंट करने की संभावना होती है. जिसके बाद पानी फिर से पीने लायक हो हो जाता है. यही ई कोली बैक्टीरिया यदि 2400 से पार होता है तो वैसे जल को ट्रीटमेंट करने की कोई ट्रीट करने से अच्छा रिजल्ट नहीं आता है. इसलिए ऐसे शॉट्स को सीधा सील कर दिया जाता है.

नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक़ यहां 88 लोग डायरिया से पीड़ित हो चुके हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि सौ से ज़्यादा लोग डायरिया संक्रमित हुए थे. यहां स्थानीय बोर को सील किया गया है. टैंकर से पानी की व्यवस्था की गई. फिर जाकर डायरिया कंट्रोल में आया है. क्योंकि इस सोसायटी के जल स्रोत में भी ई कोली बैक्टीरिया 2400 से पार है.

**जल संकट की स्थिति**- जिस तरह से बोर फेल हो रहे हैं, बोरवेल को बैक्टीरिया मिलने से सील किया जा रहा है, ऐसी स्थिति में जल संकट दूर नहीं है. इससे निपटने के लिए निगम जल जीवन मिशन को कारगर हथियार बता रहा है. जिस पर अभी काम जारी है.

**डायरिया और पीलिया से कैसे बचें लोग ?**- कमिश्नर ने कहा जल्द ही अमृत मिशन जल जीवन में 24 घंटे पानी सप्लाई का काम तेजी से चल रहा है. जिन क्षेत्रों में अभी योजना का लाभ नहीं मिल रहा है. वहां तक बहुत तेजी से पहुंचाने के लिए कार्य किया जा रहा है. जिससे राहत मिलेगी.

# 86 साल के इतवारी ने मूंछों पर ताव देकर कहा, करेंगे अवश्य मतदान, बढ़ायेंगे लोकतंत्र की शान

**रायपुर।** जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशन तथा सहायक एआरओ पुष्पेन्द्र शर्मा एवं तहसीलदार श्रीमती सीता शुक्ला के संयुक्त मार्गदर्शन में आज मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में कम मतदान प्रतिशत वाले दूरस्थ अंचल के मतदान केंद्रों को चिन्हित करते हुए स्वीप टीम के द्वारा लांजा एवं खोरसी में सघन जागरूकता अभियान चलाया गया। वहां स्वीप टीम पहुंचकर मतदाता जागरूकता गीतों के साथ-साथ नुक्कड़ नाटक के माध्यम से शत् प्रतिशत मतदान का संदेश देते हुए प्रलोभन फ्री मतदान की शपथ करवाई।वहीं ग्राम लांजा निवासी 86 वर्षीय इतवारी कोसले ने अपनी लंबी मूंछों पर ताव देते हुए कहा कि करेंगे अवश्य मतदान, बढ़ायेंगे लोकतंत्र की शान। वीप टीम ग्राम खोरसी एवं लांजा के सरपंच ,ग्राम सचिव एवं बीएलओ, पटवारी तथा ग्रामीणों से विधानसभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत कम होने कारणों पर विस्तार से चर्चा करते हुए मतदान के प्रति लोगों को जागरूक करने के दिशा पर पहल किया। मतदाता जागरूकता अभियान में बड़ी संख्या में ग्रामीणों,स्व-सहायता महिला समूह की महिलाओं,युवाओं तथा वरिष्ठ नागरिकों की सहभागिता रही।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.